हिन्दी दैनिक
प्रत्यूष नवबिहार
जोहार
रांची संस्करण
www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com
रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित
रांची ● बुधवार ● 22.07.2026 ● वर्ष : 17 ● अंक : 355 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 4 रुपये
RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902

कैबिनेट : जमुआ और मांडू में डिग्री कॉलेज के लिए 78 करोड़ की स्वीकृति

एआई से पढ़ेंगे 1000 स्कूलों के छात्र, गंभीर बीमार बच्चों के लिए 75 फीसदी उपस्थिति नियम में बड़ी राहत

झारखंड विस का मॉनसून सत्र 6 अगस्त से 12 अगस्त 2026 तक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड कैबिनेट की बैठक में राज्य के विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, प्रशासन और न्याय व्यवस्था से जुड़े 40 से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। बैठक में नए डिग्री कॉलेज, अकआधारित वर्चुअल क्लासरूम, हेलीकॉप्टर एयर एंबुलेंस, मेडिकल कॉलेजों के विस्तार, सड़क निर्माण, विश्वविद्यालयों के पुनर्गठन और कर्मचारियों से जुड़े कई अहम फैसले लिए गए।

धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज अस्पताल में एमबीबीएस सीटें 100 से बढ़ाकर 250 और पीजी सीटें 16 से बढ़ाकर 200 करने के लिए पहले चरण में 194.73 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है।

पर्यावरण संरक्षण के तहत गिरिडीह पूर्वी वन प्रमंडल और दुमका वन प्रमंडल में दो नए चिड़ियाघर बनाने पर सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। साथ ही झारखंड चिड़ियाघर प्राधिकरण का दायरा पूरे राज्य तक बढ़ा दिया गया है। कल्याण विभाग के छात्रावासों का संचालन अब गैर सरकारी संस्थाओं के माध्यम से किया जाएगा। इनका चयन जिला स्तर पर उपायुक्त की अध्यक्षता वाली समिति करेगी।

सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0 योजना के तहत टेक होम राशन उपलब्ध कराने वाली एजेंसी को नया टेंडर होने तक सेवा विस्तार दिया गया है।

सरकार ने सिकल सेल, थैलेसीमिया, हीमोफीलिया, टाइप-1 डायबिटीज और अन्य गैर संक्रामक बीमारियों से पीड़ित तथा दिव्यांग छात्रों को बड़ी राहत दी है। अब बोर्ड परीक्षा में शामिल होने के लिए 75 प्रतिशत की जगह 50 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

झारखंड न्यायिक सेवा भर्ती नियमावली 2004 और उच्चतर न्यायिक सेवा भर्ती नियमावली 2001 में संशोधन को मंजूरी दी गई है। हाईकोर्ट की अनुशंसा पर संजय कुमार सरोज और आनंद कुमार त्रिपाठी की जिला न्यायाधीश के रूप में सीधी नियुक्ति को भी मंजूरी मिली है। अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति को मेडिकल बीमा, पेंशन और अन्य योजनाओं के लिए 12.32 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

कैबिनेट में लिए गए फैसले

- राज्य के 1000 माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अकआधारित वर्चुअल क्लासरूम शुरू किए जाएंगे। इसके लिए 176.07 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। जेईपीसी कार्यालय में 2 और पांचों प्रमंडलों के DIET कार्यालयों में 5 स्टूडियो बनाए जाएंगे। यहां से शिक्षक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बच्चों को पढ़ाएंगे और छात्र सीधे सवाल भी पूछ सकेंगे। सरकार ने आदर्श विद्यालय योजना की अवधि वर्ष 2029-30 तक बढ़ा दी है।
- जेसी बोस विश्वविद्यालय गिरिडीह, विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग, कोल्हान विश्वविद्यालय, रांची विश्वविद्यालय, सिद्धू कानू मुर्मू विश्वविद्यालय और नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय में शैक्षणिक पदों का पुनर्गठन किया गया है। वहीं बरही डिग्री कॉलेज का नाम बदलकर डिग्री महाविद्यालय चंदवारा कर दिया गया है।
- स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए सरकार ने सिंगल इंजन हेलीकॉप्टर इमरजेंसी मेडिकल सर्विस किराये पर लेने का फैसला किया है। इसका उपयोग दूर-दराज के इलाकों से मरीजों को अस्पताल पहुंचाने और जरूरत पड़ने पर एक अस्पताल से दूसरे अस्पताल ले जाने में किया जाएगा। इस सेवा पर हर साल करीब 9.45 करोड़ रुपये खर्च होंगे।
- राज्य के विश्वविद्यालयों और अंगीभूत महाविद्यालयों के सेवानिवृत्त शिक्षकों और अधिकारियों को सातवें वेतन आयोग का लाभ अब 1 जनवरी 2016 से मिलेगा। उन्हें बकाया राशि 6 प्रतिशत ब्याज के साथ दी जाएगी।
- हाई कोर्ट में सरकार का पक्ष मजबूत रखने के लिए महाधिवक्ता और अन्य विधि पदाधिकारियों के वेतन में संशोधन किया गया है। साथ ही 63 नए पदों के सृजन को मंजूरी मिली है।
- लगातार अनुपस्थित रहने के कारण बोकारो के कसमार में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी डॉ। अर्चना चौधरी को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है।
- हाई कोर्ट के आदेश के बाद वेजफेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक रामोद नारायण झा की पेंशन जब्ती का आदेश रद्द कर दिया गया है। वहीं वर्ष 2016 में बर्खास्त किए गए चंद्रेश्वर कॉपर की सेवा समाप्ति का आदेश भी निरस्त कर दिया गया है।
- कैबिनेट ने खान एवं भूतत्व विभाग की पुरानी देनदारियों के भुगतान के लिए 146 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। एजी कार्यालय के डिजिटलीकरण के तीसरे चरण के लिए 46.85 लाख रुपये की स्वीकृति दी गई है।

प्रधानमंत्री आवास के समक्ष धरने पर बैठे कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने हटाया

एजेंसी

नयी दिल्ली : दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास के बाहर हो रहे विरोध प्रदर्शन स्थल से कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ-साथ सपा प्रमुख अखिलेश यादव को जबरन हटाकर हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी ने कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों सहित अन्य कांग्रेस नेताओं के साथ मिलकर एक दिन पहले प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस की कार्रवाई के विरोध में दोपहर करीब 3.30 बजे धरना प्रदर्शन शुरू किया।

पुलिस के धरनास्थल पर पहुंचने पर लोकसभा में विपक्ष के नेता जमीन पर लेटे हुए थे और सुरक्षाकर्मियों द्वारा उन्हें उठाने के प्रयास का विरोध कर रहे थे। इस प्रक्रिया में उन्हें चोट लगी। एक सहायक ने बताया कि उनकी आंख के नीचे चोट आई है। पुलिस बस के चलने के बाद भी प्रियंका गांधी के बस के दरवाजे पर लटके रहने के नाटकीय दृश्य देखने को मिले।

दिल्ली पुलिस ने वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी को भी हिरासत में ले लिया है। हिरासत में लिए जाने के दौरान प्रियंका गांधी ने कहा कि सरकार डरपोक है। वो डरती है। हम उनसे नहीं डरते, वो हमसे डरते हैं। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के प्रदर्शन में शामिल हुए समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को धरनास्थल से हटाकर हिरासत में ले लिया है। दोनों ही नेताओं को धरनास्थल से उठाकर बस में बैठा दिया गया है।

हिरासत में लिए गए राहुल-अखिलेश

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह का राहुल पर हमला

केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने एक्स पर पोस्ट कर दावा किया कि राहुल गांधी ने पहले केवल संसद में चर्चा की मांग रखी थी और कहा था कि सरकार चर्चा के लिए तैयार हो जाए तो वह धरना समाप्त कर देंगे। मंत्री के अनुसार, सरकार की सहमति मिलने के बाद राहुल गांधी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की नई मांग भी जोड़ दी। दूसरी ओर कांग्रेस का कहना है कि वह लंबे समय से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे और संसद में चर्चा, दोनों की मांग कर रही है।

गृह मंत्री संसद में दे बयान : जयराम रमेश

कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री के दावों से अलग अपना पक्ष रखा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष की स्पष्ट मांग है कि गृह मंत्री संसद में इस पूरे मामले पर बयान दें और विस्तृत चर्चा कराई जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र और संविधान की अनदेखी हो रही है और छात्रों के साथ अन्याय किया जा रहा है। जयराम रमेश ने यह भी कहा कि कांग्रेस पिछले 45 दिनों से केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रही है।

अभिषेक के बाद महुआ मोईत्रा को भी हाई कोर्ट से अंतरिम राहत

एजेंसी

कोलकाता : कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी के बाद मंगलवार को तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोईत्रा को भी अंतरिम राहत दी है। कथित नफरती भाषण मामले में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर 5 अक्टूबर तक हाई कोर्ट ने रोक लगा दी है। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सदस्य महुआ का दावा है कि यह मामला मनगढ़ंत आरोपों पर आधारित है। महुआ ने अदालत से इस मामले में पुलिस की ओर से किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश जारी करने का अनुरोध किया था। उन्होंने नदिया जिले के होगलबरिया थाने में दर्ज मामले से जुड़ी कार्यवाही रद्द करने का भी आग्रह किया था।

वैज्ञानिकों को मिली लाइकेन की पांच नई प्रजातियां

नयी दिल्ली : पश्चिमी घाट के जैव विविधता से समृद्ध वनों में वैज्ञानिकों ने लाइकेन बनाने वाली फफूंद एलोग्राफा की पांच नई प्रजातियों की खोज की है। यह खोज पर्यावरण संरक्षण और वन पारिस्थितिकी के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है क्योंकि लाइकेन वायु प्रदूषण और आवास में होने वाले बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील होते हैं और वनों के स्वास्थ्य के प्रमुख संकेतक माने जाते हैं।

एक नजर

सोनम वांगचुक को गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल भेजा गया

नयी दिल्ली : पर्यावरणविद सोनम वांगचुक को मंगलवार शाम यहां के सफदरजंग अस्पताल ने छुट्टी दे दी। उन्हें आगे के इलाज के लिए गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल की चिकित्सकीय टीम को सौंप दिया गया है। सफदरजंग अस्पताल की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन के अनुसार दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद आज शाम 6:40 बजे सोनम वांगचुक को आगे के इलाज के लिए गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल की चिकित्सकीय टीम को सौंप दिया गया।बुलेटिन के मुताबिक छुट्टी के समय उनके आवश्यक स्वास्थ्य मानक स्थिर थे।

मणिपुर में केसीपी के 46 उग्रवादियों ने किया आत्मसमर्पण

इंफाल : मणिपुर में उग्रवाद विरोधी अभियान के तहत सुरक्षा बलों को सोमवार को बड़ी सफलता मिली। प्रतिबंधित संगठन कांगलैपाक कम्युनिस्ट पार्टी के 46 सक्रिय कैडरों ने मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह की उपस्थिति में इंफाल ईस्ट जिले के मंत्रिपुखरी स्थित असम राइफल्स (साउथ) मुख्यालय में आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा से जुड़ने का फैसला किया। इस दौरान उग्रवादियों ने 28 अत्याधुनिक हथियारों के साथ बड़ी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक सामग्री भी सुरक्षा बलों को सौंप दी।

14वीं जेपीएससी कथित गड़बड़ी मामले में महिला कर्मी हिरासत में, कर्मचारियों के मोबाइल जब्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर मंगलवार को सीआईजी और रांची पुलिस की संयुक्त टीम ने बड़ी कार्रवाई की। सीआईडी और रांची पुलिस के अधिकारियों ने आयोग के दफ्तर में छापा मारा। इस दौरान एक महिला कर्मचारी को हिरासत मे लिए जाने की सूचना है। बताया जाता है कि महिला कर्मचारी को हिरासत में लेने के बाद पुलिस उन्हें उनके आवास पर ले गई और वहां सघन तलाशी ली गई। वापस आने के बाद पुलिस ने जेपीएससी दफ्तर के सभी कर्मियों का मोबाइल फोन जब्त कर लिया और अब सीआईडी की साइबर एक्सपर्ट टीम इनका डाटा खंगालेगी। हालांकि, अभी इस बात की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

गौरतलब है कि 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा में गड़बड़ी के आरोप लगे हैं। अभ्यर्थियों का आरोप है कि उनकी शिकायतों को सुनने की जगह आयोग आनन-फानन में मुख्य परीक्षा कराने में जुटा है।

समरदुंग सुरंग त्रासदी : दो और शव मिलने से मृतकों की संख्या हुई 12, बचाव अभियान जारी

एजेंसी

नाम्ची : सिक्किम के नाम्ची जिले के समरदुंग स्थित एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में हुए हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 12 हो गई है। मंगलवार शाम राहत एवं बचाव अभियान के दौरान सुरंग से दो और शव बरामद किए गए। प्रशासन ने आशंका जताई है कि अभी भी कुछ मजदूर सुरंग के भीतर फंसे हो सकते हैं, जिनकी तलाश के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल और राज्य की विभिन्न एजेंसियां लगातार अभियान चला रही हैं।

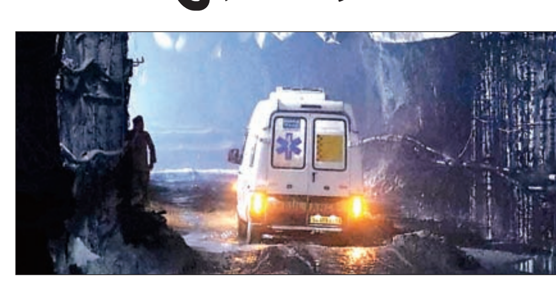

नाम्ची जिला प्रशासन ने शाम 6:30 बजे जारी आधिकारिक अपडेट में बताया कि हादसे में अब तक 12 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। इस बीच, प्रभावित परिवारों की सहायता और सूचना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भूमि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अधीन सिक्किम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विशेष हेल्पलाइन शुरू की है। प्रशासन ने बताया कि अपने परिजनों के संबंध में जानकारी प्राप्त करने के इच्छुक लोग एनएचपीसी के अधिकारी राजीव रंजन कुरकेटा-98107-07398, नाम्ची जिला परियोजना अधिकारी सूरज राई-89279-81181, नाम्ची जिला आपातकालीन नियंत्रण कक्ष-03595-263009 तथा एसएसडीएमए के हेल्पलाइन-03592-201145/ 202461/ 205256 नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं।

यूक्रेन से रवाना वाणिज्यिक पोत पर हमले में चार भारतीयों की मौत, भारत ने रूस के प्रभारी राजदूत को किया तलब

एजेंसी

नयी दिल्ली : यूक्रेन के ओडेसा बंदरगाह से रवाना हुए वाणिज्यिक पोत एमवी गोल्डन लियो पर हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत के बाद भारत ने मंगलवार को रूस के प्रभारी राजदूत (चार्जे डी'अफेयर्स) व्लादिमीर लादानोव को विदेश मंत्रालय तलब कर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि वाणिज्यिक जहाजों को निशाना बनाना और निर्दोष नागरिकों की जान जाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि 19 जुलाई को एमवी गोल्डन लियो पर हुए हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हुई।

मंत्रालय ने रूस के प्रभारी राजदूत को भारत की गंभीर चिंता से अवगत कराते हुए कहा कि ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा, संरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं। उनसे भारत की इस चिंता से रूसी अधिकारियों को अवगत कराने का भी आग्रह किया गया। विदेश मंत्रालय ने कहा कि वाणिज्यिक जहाजों पर हमले और निर्दोष नागरिकों की मौत जैसी घटनाओं से हर हाल में बचा जाना चाहिए। भारत ने दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करना सभी पक्षों की साझा जिम्मेदारी है।

उल्लेखनीय है कि एमवी गोल्डन लियो रविवार को यूक्रेन के दक्षिणी शहर ओडेसा से रवाना हुआ था। यात्रा के दौरान जहाज पर मिसाइल हमला हुआ, जिससे उसमें आग लग गई। जहाज पर कुल 17 चालक दल के सदस्य सवार थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक शामिल थे। हमले में जहाज के नौ चालक दल के सदस्यों और बंदरगाह के एक यूक्रेनी पायलट की मौत हो गई। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि मृतकों में चार भारतीय नागरिक शामिल हैं, जबकि एक अन्य भारतीय गंभीर रूप से घायल है।

रूसी राजदूत व्लादिमीर लादानोव तलब

भारत ने रूसी मिसाइल हमले में 4 भारतीयों की मौत को लेकर मंगलवार को दिल्ली में रूस के प्रभारी राजदूत व्लादिमीर लादानोव को तलब किया। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि ऐसे हमले अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार की सुरक्षा और स्थिरता को कमजोर करते हैं। व्लादिमीर लादानोव से अपने अधिकारियों तक भारत की गंभीर चिंता पहुंचाने को कहा गया है। साथ ही यह भी कहा गया कि व्यापारिक जहाजों को निशाना बनाना और इसके कारण निर्दोष नागरिकों की जान जाना मंजूर नहीं है और ऐसा नहीं होना चाहिए।

फिरोजपुर-जम्मू एक्सप्रेस में धमाके की साजिश नाकाम, 17 गिरफ्तार

एजेंसी

चंडीगढ़ : पंजाब की मोगा पुलिस ने पुलिस थाना सदर मोगा पर हुए कम तीव्रता वाले ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के आरोप में 17 मुलजिमों को गिरफ्तार करके एक आतंकवादी साजिश को नाकाम करने का दावा किया है। गिरफ्तार आरोपी फिरोजपुर से जम्मू जाने वाली रेलगाड़ी में आईईडी लगाने की योजना बना रहे थे।

पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि पुलिस ने एक आईईडी के साथ-साथ विस्फोटक सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, एक 9 एमएम ग्लॉक पिस्तौल सहित मैगजीन भी बरामद की है। इसके अलावा ग्रेनेड हमले को अंजाम देने के लिए इस्तेमाल की गई स्प्लेंडर मोटरसाइकिल (पीबी-03-एएच-3088) को भी जब्त किया गया है। उन्होंने बताया कि 8 जुलाई को सुबह 3.15 बजे के करीब कुछ अज्ञात व्यक्तियों ने पुलिस थाना सदर, मोगा की इमारत पर एक कम तीव्रता वाला ग्रेनेड फेंका था।

प्रेम प्रसंग में हुई थी डेंटल कॉलेज सुपरवाइजर की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार (रवींद्र राणा)

हजारीबाग : जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र में हुए चर्चित डेंटल कॉलेज सुपरवाइजर विकास कुमार सिंह हत्याकांड का पुलिस ने बेहद कम समय में सनसनीखेज खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। शुरूआती तौर पर यह मामला एक रहस्यमयी हत्या का लग रहा था, लेकिन पुलिस की वैज्ञानिक जांच, तकनीकी साक्ष्यों और लगातार पूछताछ के बाद जो कहानी सामने आई, उसने पूरे जिले को हैरान कर दिया। हत्या की वजह कोई पुरानी दुश्मनी, लूट या गैंगवार नहीं, बल्कि प्रेम प्रसंग निकला।

पुलिस अधीक्षक कार्यालय से 21 जुलाई 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 19 जुलाई 2026 को मुफस्सिल थाना पुलिस को सूचना मिली कि डेंटल कॉलेज हजारीबाग में सुपरवाइजर (स्टोर कीपर) के रूप में कार्यरत विकास कुमार सिंह की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। इस संबंध में मुफस्सिल थाना कांड संख्या 117/26 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हजारीबाग ने इसे प्राथमिकता में लेते हुए सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में एक विशेष जांच टीम (रक्ळ) का गठन किया। टीम में मुफस्सिल थाना प्रभारी, अनुसंधानकर्ता और सशस्त्र बल के जवानों को शामिल किया गया। पुलिस ने घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन, तकनीकी इनपुट और अन्य परिस्थितिजन्य प्रमाणों को आधार बनाकर तेजी से जांच आगे बढ़ाई। जांच के दौरान पुलिस की शंका पवन कुमार दास पर गई। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी ने हत्या की पूरी साजिश का खुलासा कर दिया। आरोपी ने बताया कि वह और मृतक विकास कुमार सिंह दोनों एक ही युवती से प्रेम करते थे। जब उसे इस बात की जानकारी मिली कि विकास भी उसी युवती के करीब है, तब उसने उसे अपने रास्ते का सबसे बड़ा रोड़ा मान लिया। इसी के बाद उसने विकास की हत्या की योजना बनाई।

पुलिस के अनुसार, 18 जुलाई 2026 की देर रात आरोपी पवन कुमार दास ने विकास कुमार सिंह को अपने साथ बैठाकर पहले खूब शराब पिलाई। जब विकास पूरी तरह नशे में हो गया और अपना बचाव करने की स्थिति में नहीं रहा, तब आरोपी ने उसे जमीन पर मुंह के बल पटक दिया और उसके बाद लात-घूंसों से बेरहमी से हमला कर दिया। गंभीर चोट लगने से विकास की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह भी बताया कि आरोपी को पहले से जानकारी थी कि मृतक के सीने में मशीन (मेडिकल डिवाइस) लगी हुई है, फिर भी उसने बर्बर तरीके से हमला किया। इससे साफ है कि आरोपी हत्या की पूरी योजना बनाकर वारदात को अंजाम देने पहुंचा था।

पुलिस का बड़ा एक्शन, दो आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह की नेतृत्व में अपराधियों एवं फरार वारंटीयों के खिलाफ छापामारी अभियान चलाकर गिरफ्तारी कर जेल भेजने का शिलशिला निरंतर जारी है। पुलिस ने दो अलग-अलग मामले में दो प्राथमिकी अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले को लेकर बड़कागांव थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया की सिरमा पंचायत अंतर्गत ग्राम पंडरिया में 2025 में एक महिला के निर्मम हत्या के आरोप में बड़कागांव थाना कांड संख्या 120/25 दिनांक 15 मई 2025 को धारा 103 (1) /3 (5) बीएनएस दर्ज किया गया था। दर्ज इस कांड संख्या के प्राथमिकी अभियुक्त निर्मल महतो पिता स्वर्गीय दीनू महतो ग्राम पंडरिया निवासी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। आगे उन्होंने एक और मामले को लेकर बताया की ग्राम बादम में चक्कुबाजी के आरोप में बड़कागांव थाना कांड संख्या 119/26 दिनांक 03 जुलाई 2026 धारा 118(1)/118(2)/109(1)/126(2)/352/351(2) बीएनएस दर्ज किया गया था। जिसका प्राथमिकी अभियुक्त विवेक पांडेय उम्र करीब 18 वर्ष पिता विजय पांडेय ग्राम बादम निवासी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया। गिरफ्तारी दल में मुख्य रूप से थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह एवं बड़कागांव पुलिस शस्त्र बल शामिल थे।

डीएवी राष्ट्रीय खेल महोत्सव का समापन, खो-खो व शतरंज में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : डीएवी पब्लिक स्कूल, बरही में आयोजित डीएवी राष्ट्रीय खेल महोत्सव 2026 (क्लस्टर-4) के अंतर्गत दो दिवसीय खो-खो एवं शतरंज प्रतियोगिता का सोमवार को सफल समापन हो गया। समापन समारोह में विभिन्न वर्गों के विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में क्लस्टर-4 के विभिन्न डीएवी विद्यालयों के खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में झारखंड खो-खो संघ एवं झारखंड शतरंज संघ की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यालय प्रबंधन ने संघ के पदाधिकारियों एवं निर्णायकों को पौधा भेंट कर सम्मानित किया तथा उनके सहयोग के लिए आभार जताया। खो-खो प्रतियोगिता के बालिका अंडर-14 वर्ग में रजरप्पा प्रथम व कोडरमा द्वितीय, अंडर-17 में बरही प्रथम व केदला द्वितीय तथा अंडर-19 में रजरप्पा प्रथम व बरही द्वितीय स्थान पर रहा। बालक वर्ग के अंडर-14 में कोडरमा प्रथम व रजरप्पा द्वितीय, अंडर-17 में रजरप्पा प्रथम व बरकाकाना द्वितीय तथा अंडर-19 में बरही प्रथम व बरकाकाना द्वितीय स्थान पर रहा।

शतरंज प्रतियोगिता में बालिका अंडर-14 वर्ग में रजरप्पा प्रथम व बरकाकाना द्वितीय, अंडर-17 में बरही प्रथम व रजरप्पा द्वितीय तथा अंडर-19 में रजरप्पा प्रथम व बरही द्वितीय स्थान पर रहा। वहीं बालक वर्ग के अंडर-14 में रजरप्पा प्रथम व बरकाकाना द्वितीय, अंडर-17 में आर. कुजू प्रथम व बरही द्वितीय तथा अंडर-19 में बरही प्रथम व रजरप्पा द्वितीय स्थान पर रहा।

जंक फूड से बच्चों को दूर रखें, वरना बढ़ेगा मोटापा और बीमारियां : एनएचआरए

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : राष्ट्रीय जंक फूड दिवस के मौके पर राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन झारखंड प्रदेश के स्वास्थ्य प्रकोष्ठ ने लोगों, खासकर अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को जंक फूड और फास्ट फूड से दूर रखें।

स्वास्थ्य प्रकोष्ठ के प्रदेश स्वास्थ्य सचिव अवध कुमार पांडेय ने कहा कि ₹जंक फूड का नियमित सेवन लंबे समय में मोटापा, फैटी लीवर, उच्च रक्तचाप और मेटाबोलिक सिंड्रोम जैसी बीमारियों का कारण बनता है। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को घर का बना ताजा और पौष्टिक भोजन दें।

अवध कुमार पांडेय। जीपी कश्यप

जिला स्वास्थ्य सचिव जीपी कश्यप ने कहा कि ₹बाजार में मिलने वाले तेलीय फास्ट फूड में ट्रांसफैट, सोडियम और केमिकल फ्लेवर होते हैं जो धीरे-धीरे दिल, लीवर और दिमाग को कमजोर करते हैं। आज के युवा और बच्चे सबसे ज्यादा इसके शिकार हो रहे हैं। एसोसिएशन के अनुसार हर साल 21 जुलाई को राष्ट्रीय जंक फूड दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को जंक फूड के नुकसान के बारे में जागरूक करना है। जंक फूड देखने में आकर्षक और स्वाद में लाजवाब होते हैं, लेकिन इनमें वसा, चीनी, नमक और कैलोरी की मात्रा बहुत अधिक होती है। वहीं विटामिन, खनिज और फाइबर जैसे जरूरी पोषक तत्व इनमें नहीं होते। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि इंस्टेंट नूडल्स, चिप्स, कुरकुरे, बिस्कुट, केक, कोल्ड ड्रिंक, चॉकलेट और सफेद ब्रेड जैसे खाद्य पदार्थ जंक फूड की श्रेणी में आते हैं। इनमें परिष्कृत आटा और एमएसजी यानी अजिनोमोटो का इस्तेमाल होता है, जिससे मोटापा, त्वचा रोग, सुन्नपन और तंत्रिका तंत्र पर बुरा असर पड़ सकता है।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत जागरूकता व स्वास्थ्य शिविर आयोजित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग द्वारा संचालित बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ अभियान के अंतर्गत मंगलवार को हजारीबाग के कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय, इचाक एवं डाड़ी में विशेष जागरूकता सत्र एवं स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में किशोरियों को साइबर सुरक्षा, इंटरनेट के सुरक्षित उपयोग, जेंडर समानता, बाल संरक्षण, बाल विवाह निषेध, चाइल्ड हेल्पलाइन और सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने छात्राओं को डिजिटल माध्यमों का जिम्मेदारी से उपयोग करने और साइबर अपराध की स्थिति में तुरंत मदद लेने के उपाय भी बताए। स्वास्थ्य जांच

शिविर में छात्राओं का बीएमआई और हीमोग्लोबिन की जांच की गई। जांच में जिन छात्राओं में खून की कमी पाई गई, उन्हें आयरन और फोलिक एसिड की गोलियां वितरित की गईं। साथ ही उन्हें संतुलित आहार, साफ-सफाई और नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया गया। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बालिकाओं को स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा के प्रति जागरूक कर उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है। विद्यालय की छात्राओं ने पूरे कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और विशेषज्ञों से कई सवाल भी पूछे।

उपायुक्त ने किया सोहराई महिला कला विकास सहयोग समिति का उद्घाटन

जिले में जल्द होगा सोहराई फेस्टिवल पखवाड़ा का आयोजन : डीसी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड द्वारा संचालित सोहराई महिला कला विकास सहयोग समिति का उद्घाटन उपायुक्त हेमन्त सती ने मंगलवार को दीपूगढ़ा स्थित संस्कृति म्यूजियम परिसर में किया। यह केंद्र जिले की पारंपरिक सोहराई एवं कोहबर कला के संरक्षण, संवर्धन तथा महिला कलाकारों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।

उद्घाटन के उपरांत उपायुक्त ने केंद्र का अवलोकन किया तथा महिला कलाकारों द्वारा तैयार की गई सोहराई एवं कोहबर कला की विभिन्न कलाकृतियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कलाकारों के कौशल और सृजनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि हजारीबाग की पारंपरिक सोहराई एवं कोहबर कला विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान रखती है। इन कलाओं के संरक्षण एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला प्रशासन द्वारा सोहराई फेस्टिवल पखवाड़ा का आयोजन किया जाएगा, जिससे स्थानीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ-साथ बेहतर मंच उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर उपायुक्त ने महिला कलाकारों से केंद्र के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक सुविधाओं की जानकारी ली। कलाकारों ने केंद्र में नियमित विद्युत आपूर्ति, सोलर लाइट की व्यवस्था तथा केंद्र तक पहुंच मार्ग के निर्माण की आवश्यकता से अवगत कराया। इस पर उपायुक्त ने संबंधित प्रस्तावों पर सहमति व्यक्त करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का आश्वासन दिया। संस्कृति म्यूजियम का अवलोकन

कार्यक्रम के पश्चात उपायुक्त ने संस्कृति म्यूजियम का भ्रमण किया। उन्होंने पाषाण युग, पूर्व पाषाण युग तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता के विकास को दशार्ने वाली दुर्लभ पुरातात्विक सामग्री का अवलोकन किया। इस दौरान संग्रहकर्ता गुस्ताफ इमाम ने उन्हें संग्रहालय में संरक्षित पुरावशेषों एवं उनके ऐतिहासिक महत्व की विस्तृत जानकारी दी। उपायुक्त हेमन्त सती ने पुरातात्विक धरोहरों के संरक्षण एवं संग्रहण के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि हजारीबाग की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत को व्यवस्थित रूप से संरक्षित और प्रदर्शित करने के लिए भविष्य में एक आधुनिक संग्रहालय की दिशा में भी कार्य किया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी अपनी समृद्ध विरासत से परिचित हो सके। उन्होंने यह भी घोषणा की कि स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के अवसर पर सोहराई एवं कोहबर कला से जुड़े उत्कृष्ट कलाकारों को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया जाएगा, ताकि उनकी कला को प्रोत्साहन मिले और इस विरासत को नई पहचान मिल सके।

एक नजर

बाइक से गिरकर महिला घायल, रेफर

बरही : चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत मदनगुंडी के समीप बाइक से गिरकर एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान पद्मा थाना क्षेत्र के अडार निवासी सरिता देवी उम्र करीब 45 वर्ष पति सकलदेव यादव के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला अपने निजी कार्य से कोडरमा जा रही थी। घटना के बाद महिला को बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

आज प्रखंड के 127 बूथ पर लगेंगी एएसडीडी सूची, एवं निर्वाचन से संबंधित पाठशाला का होगा आयोजन

बड़कागांव : मतदाता सूची विशेष गहण पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के तहत (एसआईआर) अब्सेंट, स्विफ्ट, डेथ एवं डुप्लीकेट (एएसडीडी) मतदाताओं का तैयार सूची को 22 जुलाई को प्रत्येक बुथ पर प्रकाशित किए जाने से संबंधित प्रखंड के सभी बीएलओ, सुपरवाइजर एवं वालंटियर का एक दिवसीय प्रशिक्षण बड़कागांव प्रखंड सह अंचल कार्यालय सभागार परिसर में दिया गया। उक्त प्रशिक्षण उपायुक्त रामगढ़ के निर्देशन एवं सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी बड़कागांव कार्यालय के पत्रांक 44/ 2026 के आलोक में आहूत की गई थी। प्रशिक्षण बड़कागांव प्रखंड के 127 बूथ के दो पाली में दी गई। पहली पाली में बूथ नंबर 109 से 168 एवं दूसरी पाली में 169 से 235 बूथ के सभी बीएलओ सुपरवाइजर एवं वॉलेंटियर उपस्थित थे। प्रशिक्षण में सहायक निबंध पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी मनोज कुमार ने कहा कि 22 जुलाई को प्रखंड के सभी बूथ पर तैयार अब्सेंट, शिफ्टिंग,डेथ एवं डुप्लीकेट मतदाताओं की सूची प्रकाशित की जाएगी। प्रकाशित सूची पर अंतिम अनापत्ति दर्ज किया जाना है। मुख्य रूप से राजनीतिक दल के कार्यकर्ता इस सूची पर सहमति या अनापत्ति दर्ज करेंगे,ताकि भविष्य में फिर दावा या अनापत्ति करने में कोई कठिनाई नहीं हो। उन्होंने सभी IIएलओ,सुपरवाइजर एवं वॉलिंटियरों को अपने-अपने बुथ स्तर पर प्रचार-प्रसार कर लोगों से अनापत्ति एवं सहमति दर्ज करने के लिए आमंत्रित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने कहा कि 2003 से जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज थी उन मतदाताओं का प्रपत्र में बाई ओर एवं इसके बाद जिस किसी के साथ अटैच किया गया मतदाताओं का प्रपत्र में दाहिनी ओर पंजीकृत किया जाना है। साथ ही साथ प्रशिक्षण में सत प्रतिशत मतदाता सूची को पुरा करने पर बुथ नंबर 193 मध्य विद्यालय बादम के बीएलओ राजकुमारी देवी एवं सुपरवाइजर सहायक शिक्षक नीरू महतो तथा बुथ नंबर 203 उत्क्रमित उच्च विद्यालय गोसाई बलिया के बीएलओ कुमकुम पुष्पांजलि एवं सुपरवाइजर पंचायत सचिव गौतम कुमार को बधाई देते हुए स्वागत किया गया। बुथ नंबर 193 के मतदाता सूची में कुल 815 मतदाता का नाम दर्ज है जबकि बुथ नंबर 203 के मतदाता सूची में 951 मतदाता का नाम दर्ज है जो सत प्रतिशत पंजीकृत की गई। सहायक निबंधन पदाधिकारी श्री कुमार ने कहा कि इस प्रकार की जो भी बीएलओ या सुपरवाइजर सत प्रतिशत मतदाता सूची पूरा किए हैं उन्हें सम्मानित करने का काम किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

विशाल पेड़ गिरने से जाम में फंसे वाहन, बिजली आपूर्ति भी हुई बाधित

चौपारण : चतरा मुख्य मार्ग पर दादपुर के समीप सोमवार देर रात एक विशाल सूखा पेड़ अचानक सड़क पर गिर जाने से यातायात पूरी तरह बाधित हो गया। पेड़ गिरने से सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और विशेष रूप से भारी वाहनों का आवागमन कई घंटों तक प्रभावित रहा। पेड़ की चपेट में आने से 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का एक पोल भी क्षतिग्रस्त होकर गिर पड़ा, जिससे आसपास के क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और सड़क से गुजरने वाले लोगों को सतर्क करते हुए संभावित दुर्घटना को टालने का प्रयास किया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इसी दौरान एक बुलेट सवार युवक सड़क से गुजर रहा था। ग्रामीणों की समय पर चेतावनी और युवक की सूझबूझ से वह बाल-बाल बच गया। लोगों का कहना है कि कुछ सेकंड की भी देरी होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। सूचना मिलने पर प्रशासन और संबंधित विभाग की टीम मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों के सहयोग से सड़क पर गिरे पेड़ को हटाने का कार्य शुरू किया गया, जिसके बाद धीरे-धीरे यातायात सामान्य हो सका। हालांकि क्षतिग्रस्त विद्युत पोल के कारण क्षेत्र में बिजली आपूर्ति प्रभावित रही। ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से अविलंब नया पोल लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। साथ ही प्रशासन से सड़क किनारे खड़े सूखे और जर्जर पेड़ों की पहचान कर उन्हें समय रहते हटाने की अपील की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके।

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में सामाजिक अंकेक्षण के बाद आमसभा का हुआ आयोजन

बरही : बरही के कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में बीते दिन (सोशल ऑडिट) सामाजिक अंकेक्षण के बाद मंगलवार को ग्रामसभा का आयोजन किया गया। सामाजिक अंकेक्षण दो अंकेक्षक सुनील कुमार एवं उपेंद्र कुमार द्वारा किया गया। ग्रामसभा में स्थानीय मुखिया मोतीलाल चौधरी, वार्डेन रौशनी बाड़ा, शिक्षिका निशि रानी, प्रतिभा कुमारी, लेखपाल फरह अतहर एवं प्रबंधन समिति अध्यक्ष भारती देवी मुख्य रूप से मौजूद थे। वहीं इस ग्रामसभा में अंकेक्षक के द्वारा बताया गया कि विद्यालय सुचारु रूप से संचालित की जा रही है, साथ ही भोजन की व्यवस्था, रहने, पढ़ाई (पठन - पाठन) व्यवस्था को भी संतुष्ट पाया गया। मौके पर दर्जनों महिलाएं मौजूद थी।

राष्ट्रीय जंक फूड दिवस पर डॉ. संजय कुमार कुशवाहा की अपील: जंक फूड से बनाएं दूरी, स्वस्थ भोजन को अपनाएं

हजारीबाग : राष्ट्रीय जंक फूड दिवस के अवसर पर हजारीबाग के नवाबगंज रोड स्थित आयुष्मान डेंटल क्लिनिक के ऑर्थो एवं डेंटल सर्जन डॉ. संजय कुमार कुशवाहा ने लोगों से जंक फूड के बढ़ते प्रचलन पर चिंता व्यक्त करते हुए स्वस्थ एवं संतुलित भोजन अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में स्वाद के नाम पर फास्ट फूड और पैकेटबंद खाद्य पदार्थों का सेवन लगातार बढ़ रहा है, जिसका सबसे अधिक दुष्प्रभाव बच्चों और युवाओं के स्वास्थ्य पर पड़ रहा है। यदि समय रहते खान-पान की आदतों में सुधार नहीं किया गया तो आने वाले वर्षों में दांतों और शरीर से जुड़ी गंभीर बीमारियों का खतरा और बढ़ सकता है। डॉ. कुशवाहा ने बताया कि पिज्जा, बर्गर, चाउमीन, मोमोज, फ्रेंच फ्राइज, चिप्स, केक, पेस्ट्री, चॉकलेट, कोल्ड ड्रिंक और अन्य पैकेटबंद खाद्य पदार्थों में अत्यधिक मात्रा में चीनी, नमक, ट्रांस फैट और कृत्रिम रंग एवं प्रिजर्वेटिव्स होते हैं। इनका नियमित सेवन शरीर को आवश्यक पोषक तत्व नहीं देता, बल्कि धीरे-धीरे कई गंभीर बीमारियों की वजह बन जाता है। उन्होंने कहा कि जंक फूड का सबसे पहला असर दांतों और मुंह की सेहत पर दिखाई देता है। अधिक मीठे और चिपचिपे खाद्य पदार्थ दांतों पर चिपक जाते हैं, जिससे बैक्टीरिया तेजी से बढ़ते हैं और दांतों में कैविटी, कीड़े लगना, मसूड़ों में सूजन, मुंह से दुर्गंध तथा दांतों की कमजोरी जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। समय पर उपचार नहीं होने पर दांत निकालने तक की नौबत आ सकती है। डॉ. संजय कुमार कुशवाहा ने कहा कि केवल दांतों की ही नहीं, बल्कि पूरे शरीर की सेहत के लिए भी जंक फूड नुकसानदायक है। इसके लगातार सेवन से मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, फैटी लिवर, पाचन संबंधी समस्याएं तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने कहा कि आज कम उम्र के बच्चों में भी मोटापा और दांतों की सड़न तेजी से बढ़ रही है, जिसका एक बड़ा कारण अनियमित खान-पान और जंक फूड की बढ़ती आदत है। उन्होंने लोगों को सलाह दी कि रोजमर्रा के भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल, दाल, दूध, दही, अंकुरित अनाज, मोटे अनाज, सलाद, सूखे मेवे और पर्याप्त मात्रा में पानी को शामिल करें। घर का ताजा और संतुलित भोजन शरीर को आवश्यक पोषण प्रदान करता है तथा कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। उन्होंने कहा कि बच्चों को बचपन से ही पौष्टिक भोजन की आदत डालनी चाहिए, ताकि वे फास्ट फूड की ओर कम आकर्षित हों।

चलकुशा अंचल में कथित भ्रष्टाचार के खिलाफ जनप्रतिनिधियों ने उपायुक्त से की मुलाकात

चलकुशा : अंचल कार्यालय में पदस्थापित प्रधान लिपिक उमेश राणा पर लगाए गए कथित भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने उपायुक्त से मुलाकात कर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। उपायुक्त को दिए गए ज्ञापन में जनप्रतिनिधियों ने आरोप लगाया कि अंचल कार्यालय में विभिन्न कार्यों के निष्पादन में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार मिल रही हैं। उन्होंने पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषी पाए जाने पर संबंधित कर्मी के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। उपायुक्त से मिलने वालों में जिला परिषद सदस्य सविता सिंह, प्रमुख प्रतिनिधि दीपक चौधरी, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, मुखिया प्रतिनिधि केदार यादव, सीताराम पंडित, रामदेव यादव तथा वसंत पांडेय शामिल थे।

एक नजर

बड़ा तालाब लूटकांड का खुलासा, एक आरोपी गिरफ्तार, दो नाबालिग निरुद्ध

रांची: रांची के कोतवाली थाना क्षेत्र स्थित बड़ा तालाब के पास 17 जुलाई को हुई लूट की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए तीन आरोपितों को पकड़ा है। इनमें दो विधि-विरुद्ध बालकों को निरुद्ध किया गया है, जबकि एक आरोपित की पहचान हिंदपीढ़ी निवासी मो. अमन उर्फ मोटेन बोस के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से लूट का सामान तथा घटना में प्रयुक्त एक एंड्रॉयड मोबाइल फोन बरामद किया है। कोतवाली थाना प्रभारी सनोज कुमार चौधरी ने मंगलवार को बताया कि मामले में दो नाबालिगों को निरुद्ध किया गया है, जबकि मो. अमन उर्फ मोटेन बोस को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी आपराधिक गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को दें, ताकि समय पर कार्रवाई की जा सके।

रांची सहित पूरे झारखंड में मानसून की अच्छी बारिश

रांची : राजधानी रांची सहित पूरे राज्य भर में इन दिनों मानसून की अच्छी बारिश हो रही है। अच्छी बारिश होने से राज्य भर के किसानों के बीच अच्छी फसल होने की आस जग गई है। वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश सरायकेला खरसावां जिले के नीमडीह में 131.4 मिलीमीटर रिकार्ड की गई। वहीं इस दौरान चांडिल में 125.6 मिमी, राजमहल में 105 मिमी, कुरडेग में 46.4 मिमी, बलूमाथा में 83 मिमी, गम्हरिया में 76.2 मिमी, बरही में 73.2 मिमी सहित अन्य जिलों में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। इधर, रांची में 01 जून से 21 जुलाई तक 426.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। वहीं जमशेदपुर में इस दौरान 346.6 मिमी, डाल्टनगंज में 341.7 मिमी, बोकारो में 288.4 मिलीमीटर और चाईबासा में 431.4 मिलीमीटर बारिश रिकार्ड की गई। इस दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 34.5 डिग्री बहरागोड़ा में और सबसे कम तापमान 20.5 डिग्री सेल्सियस लातेहार में रिकॉर्ड किया गया। मंगलवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से ही कई इलाकों में हल्की बारिश दर्ज की गई। साथ ही इस दौरान मौसम सुहाना बना रहा और मध्य गति की हवा चली।

एक्स्ट्रीम बार डीजे हत्याकांड : अभिषेक सिंह समेत 10 दोषियों को नौ-नौ वर्ष की सजा

रांची: राजधानी रांची के चर्चित एक्स्ट्रीम बार डीजे संचालक संदीप प्रमाणिक हत्याकांड में अपर न्यायायुक्त शैलेन्द्र कुमार की अदालत ने मंगलवार को अभिषेक सिंह उर्फ विक्की समेत 10 दोषियों को नौ-नौ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने सभी दोषियों पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। इससे एक दिन पहले सोमवार को अदालत ने सभी आरोपितों को गैर इरादतन हत्या और आर्म्स एक्ट के तहत दोषी करार दिया था। सजा पाने वालों में अभिषेक सिंह उर्फ विक्की, अशोक कुमार सिंह, मोहम्मद शामिरूदीन, प्रतीक, मृत्युंजय कुमार, प्रकाश कुमार, दिवाकर उपाध्याय, आलोक दीवा, पंकज कुमार और सुमित कुमार शामिल हैं। अभियोजन के अनुसार, संदीप प्रमाणिक मूल रूप से पश्चिम बंगाल के निवासी थे और रांची के एक्स्ट्रीम बार में डीजे संचालक के रूप में कार्यरत थे।

रिम्स शासी परिषद की बैठक: खरीदे जाएंगे 200 नए अत्याधुनिक वेंटिलेटर, रोबोटिक सर्जरी होगी शुरू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) की शासी परिषद की बैठक मंगलवार को रिम्स परिसर में स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ इरफान अंसारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। शासी परिषद की बैठक में 19 एजेंडों और पांच अतिरिक्त महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा करते हुए रिम्स को अत्याधुनिक, मरीज-केंद्रित और विश्वस्तरीय संस्थान बनाने की दिशा में कई बड़े एवं ऐतिहासिक निर्णय लिए गए। ताकि रिम्स अग्रणी सरकारी चिकित्सा संस्थानों में शामिल हो सके।

बैठक में रिम्स के सभी शौचालयों को एयरपोर्ट की तर्ज पर आधुनिक बनाने, मुख्य प्रवेश द्वार को हाईटेक स्वरूप देने, ऑथोर्पेडिक वार्ड के पुनर्निर्माण, 200 नए अत्याधुनिक वेंटिलेटर की खरीदने, रोबोटिक सर्जरी शुरू किए जाने, स्मार्ट क्लासरूम विकसित करने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इसके अलावे रिम्स में रिहैबिलिटेशन सेंटर स्थापित करने, मेडिकल उपकरणों की शीघ्र खरीद, हेल्प डेस्क की स्थापना किए जाने, रेडियोथेरेपी मशीन की खरीद प्रक्रिया तेज करने, ब्लड बैंक को सशक्त बनाने, जेनेटिक स्क्रीनिंग व्यवस्था मजबूत करने, स्टेम सेल संरक्षण की दिशा में पहल किए जाने की बातों पर सहमति बनी।

बैठक के बाद मंत्री इरफान अंसारी ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता रिम्स को आधुनिक तकनीक, बेहतर संसाधनों और उत्कृष्ट चिकित्सा सेवाओं से सुसज्जित कर ऐसा संस्थान बनाना है, जहां मरीजों को बेहतर इलाज के लिए दूसरे राज्यों का रुख न करना पड़े। जिसके लिए अस्पताल प्रबंधन और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए। उन्होंने सभी योजनाओं को समयबद्ध ढंग से लागू करने और गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं करने की चेतावनी भी दी। बैठक में विधायक सुरेश बैठा, अपर मुख्य सचिव अजय कुमार सिंह, रिम्स के निदेशक डॉ दीपेंद्र कुमार सिन्हा, वित्त विभाग के प्रधान सचिव, अपर सचिव शशि प्रकाश सिंह, अपर निदेशक डॉ बाघमारे कृष्ण प्रसाद सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

पीएलएफआई के पूर्व सदस्य राजन राम हत्याकांड में एक अगस्त को आएगा फैसला

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया के पूर्व सदस्य राजन राम हत्याकांड मामले में रांची की अपर न्यायायुक्त अखिलेश कुमार तिवारी की अदालत एक अगस्त को फैसला सुनाएगी। मामले में सुनवाई और ट्रायल की प्रक्रिया पूरी होने के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सुनवाई के दौरान आरोपित उग्रवादी याकूब केरकेट्टा का दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत बयान दर्ज किया गया। इस मामले में केवल याकूब केरकेट्टा ही मुकदमे का सामना कर रहा है। मामले के अन्य पांच आरोपितों को साक्ष्य और गवाहों के अभाव में अदालत पहले ही बरी कर चुकी है। अभियोजन के अनुसार, खूंटी जिले के कर्रा थाना क्षेत्र के छोटका रेगड़े गांव निवासी राजन राम कभी पीएलएफआई से जुड़ा हुआ था। संगठन से संबंध होने के कारण वह दो बार जेल भी गया था। जेल से रिहा होने के बाद उसने उग्रवादी गतिविधियों से दूरी बना ली और अपने परिवार के साथ सामान्य जीवन व्यतीत करने लगा। बताया गया कि दो बच्चों के पिता बनने के बाद राजन राम ने पीएलएफआई का साथ छोड़ दिया और शांति सेना से जुड़ गया। अभियोजन का आरोप है कि संगठन छोड़ने से पीएलएफआई के दस्ता सदस्य उससे नाराज थे। इसी दौरान 17 मार्च 2018 को राजन राम अपनी पत्नी से बड़काकुरा गांव जाने की बात कहकर घर से निकला था। उसी दिन शाम करीब सात बजे तिलकेश्वर गोप और याकूब केरकेट्टा के दस्ते ने कथित तौर पर उसकी गोली मारकर हत्या कर दी।

मंत्री दीपिका ने किया सावन महोत्सव मेले का शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अग्रवाल सभा रांची की महिला समिति शाखा के तत्वावधान में महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित 27 वें तीन दिवसीय सावन महोत्सव मेले का उद्घाटन मंत्री दीपिका पांडे सिंह और अग्रवाल सभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष गोवर्धन गाड़ोदिया ने किया।

इस अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि सावन मेला केवल खरीदारी का आयोजन नहीं, बल्कि महिलाओं की अद्वितीय प्रतिभा, रचनात्मकता और आत्मनिर्भरता का सशक्त प्रतीक है। ऐसे आयोजन महिलाओं को अपने हुनर और उद्यमिता को पहचान दिलाने के साथ सामाजिक सहभागिता का भी बेहतर मंच प्रदान करते हैं। महिलाओं के उद्यमी बनने से समाज, परिवार और राष्ट्रा और भी सशक्त होगा। मौके पर अग्रवाल सभा के अध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री निर्मल बुधिया ने सभा की सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर अध्यक्ष मनोज चौधरी और मंत्री निर्मल बुधिया ने मुख्य अतिथि को पुष्पगुच्छ, स्मृति चिह्न एवं अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया।

वहीं महिला समिति की संयोजिका रूपा अग्रवाल ने मेले के उद्देश्य पर प्रकाश डाला, जबकि मेला संयोजिका अनुसूया नेवटिया ने बताया कि मेले में 100 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। दूसरे दिन सावन सिंघारा कार्यक्रम आयोजित होगा और समापन समारोह में सर्वश्रेष्ठ स्टॉल को सम्मानित किया जाएगा। इधर, मेले के पहले दिन बड़ी संख्या में महिलाओं और परिवारों ने स्टॉलों पर खरीदारी की और पारंपरिक व्यंजनों का आनंद लिया। इस मौके पर अग्रवाल सभा और महिला समिति की पदाधिकारी, सदस्य और शहर की कई अन्यं महिलाएं मौजूद थीं।

अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन की पहल पर भटके बच्चे को मां से मिलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश कुमार की पहल से पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले के रहने वाले बालक प्रेम नोनिया को उसकी मां से सकुशल मिलाया गया। सोमवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), रांची के कार्यालय में सचिव राकेश रौशन की उपस्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन की निगरानी में बच्चे को उसकी मां मधु देवी के सुपुर्द किया गया। जानकारी के अनुसार, 19 जुलाई को प्रेम नोनिया टाटीसिलवे क्षेत्र में रोते और भटकते हुए मिला था। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के सदस्य पप्पू कुमार ने बच्चे को सुरक्षित अपने संरक्षण में लिया और उससे पूछताछ की। बच्चे ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति उसे पैसों का लालच देकर ट्रेन से रांची ले आया था। उसकी नीयत पर संदेह होने पर वह किसी तरह वहां से भाग निकला और सड़क पर भटक रहा था। पप्पू कुमार ने तत्काल इसकी सूचना टाटीसिलवे थाना तथा संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रितेश कुमार को दी। बच्चे से मिली जानकारी के आधार पर उसकी मां मधु देवी का मोबाइल नंबर प्राप्त किया गया। उनसे संपर्क कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी गई और रांची आने का अनुरोध किया गया। मां के पहुंचने तक बच्चे की देखभाल अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के सदस्यों ने की। सोमवार को डालसा कार्यालय में आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद सचिव राकेश रौशन तथा चाइल्ड हेल्पलाइन रांची के सुपरवाइजर मुकेश कुमार की मौजूदगी में बच्चे को उसकी मां को सकुशल सौंप दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने बच्चे की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए परिजनों को भविष्य में सतर्क रहने की सलाह भी दी।

करबला टैंक रोड में चला विशेष सफाई अभियान, जाम नाले की हुई सफाई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी रांची के करबला टैंक रोड स्थित सेंट जॉन स्कूल और भारतीय एकता कमेटी के मुख्य कार्यालय के समीप मंगलवार को विशेष सफाई अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान लंबे समय से जाम पड़े नाले की व्यापक सफाई कर जल निकासी व्यवस्था को बहाल किया गया। रांची नगर निगम की टीम की मौजूदगी में हुए इस अभियान के बाद नाले में पानी का प्रवाह सामान्य हो गया, जिससे स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि नाले की सफाई के बाद जल निकासी व्यवस्था में सुधार आया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में शेष बचा कार्य भी जल्द पूरा कर लिया जाएगा, ताकि भविष्य में जलजमाव की समस्या उत्पन्न न हो। यह अभियान वार्ड संख्या 16 के पार्षद तथा वार्ड संख्या 17 के पार्षद प्रतिनिधि मोहम्मद सलाउद्दीन संजू की पहल पर चलाया गया। स्थानीय लोगों ने इस पहल का स्वागत करते हुए जनप्रतिनिधियों और नगर निगम की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। सामाजिक संगठन भारतीय एकता कमेटी ने भी अभियान की सराहना की। संगठन के मुख्य सचिव रामेश्वर राम और संस्थापक अध्यक्ष गुलाम मुस्तफा ने कहा कि जनप्रतिनिधियों और रांची नगर निगम के समन्वित प्रयास से आम नागरिकों की समस्याओं का प्रभावी समाधान संभव है। उन्होंने कहा कि समय पर नालों की सफाई और जल निकासी व्यवस्था को दुरुस्त रखने से बरसात के दौरान लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि भविष्य में भी जनहित से जुड़े ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी।

सरला बिरला विश्वविद्यालय का 17 दिवसीय 'हरित ग्राम अभियान' शुरू, पांच हजार पौधे लगाने का लक्ष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय के उन्नत भारत अभियान (यूबीए) प्रकोष्ठ और राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार से अंगीकृत गांव आरा में 17 दिवसीय 'हरित ग्राम अभियान' का शुभारंभ किया गया। चार अगस्त तक चलने वाले इस अभियान के तहत विश्वविद्यालय के अंगीकृत गांवों आरा, बड़ाम, सिलवई, महिलोंग और हरातू के साथ आरा गेट से महिलोंग तक सड़क किनारे कुल पांच हजार पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। अभियान का शुभारंभ विश्वविद्यालय के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने पौधारोपण कर किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और उनके संरक्षण का संदेश देते हुए पर्यावरण संरक्षण को जन-आंदोलन का स्वरूप देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनका नियमित संरक्षण और संवर्धन भी उतना ही आवश्यक है। तभी पौधारोपण अभियान अपने वास्तविक उद्देश्य को प्राप्त कर सकेगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. सी. जगनाथन ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सामाजिक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व भी है। उन्होंने विद्यार्थियों से प्रकृति संरक्षण, जैव विविधता के संवर्धन और सतत विकास का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के अभियान पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने के साथ-साथ समाज में जागरूकता बढ़ाने और लोगों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्नत भारत अभियान के समन्वयक डॉ. मुकेश कुमार सिंह ने कहा कि किसी भी जनहित अभियान की सफलता सामुदायिक सहभागिता पर निर्भर करती है। उन्होंने ग्रामीणों और विद्यार्थियों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने तथा लगाए जाने वाले पौधों की देखभाल और संरक्षण सुनिश्चित करने की अपील की। राष्ट्रीय सेवा योजना के अमित नाथ चरण ने बताया कि अभियान के दौरान पौधारोपण के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता फैलाने, हरित क्षेत्र का विस्तार करने और ग्रामीणों को स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

213 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा पाठ का हुआ आयोजन

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल के द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 213 वां श्री सुंदरकांड श्री हनुमान चालीसा का पाठ का आयोजन किया गया। राम सिया राम सिया राम जय जय राम के गायन व बजरंग बली की जय जयकारों से हरमू रोड का श्री श्याम मंदिर गूंज रहा था। मण्डल के निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने आशा मोदी से बालाजी महाराज की अखंड ज्योति प्रज्जवलित करवाई एवं आशा मोदी ने केसरिया पेड़ा गुड़ चना फल प्रसाद का भोग बालाजी महाराज को अर्पित किया। यजमान ने श्रीरामचरितमानस ग्रंथ का पूजन करके पाठ वाचकों का चंदन वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। पाठ वाचक मनीष सारस्वत ओम शर्मा ने अपने सहयोगियों के साथ ढोलक ढपली के स्वर के साथ श्री गणेश वंदना कर श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया । श्री सुंदरकांड का संगीतमय पाठ उपस्थित भक्तजनों से करवाया गया। भक्तजन श्री हनुमान जी महाराज की आराधना में लीन थे। पाठ के मध्य में भजनों का गायन भी किया गया। श्री सुंदरकांड के पाठ के उपरांत पुन: श्री हनुमान चालीसा का पाठ करके महाआरती करके भक्तजनों को प्रसाद वितरित किया गया। श्रवण ढानढनिया ने चना प्रसाद सेवा पुष्पा देवी पोद्दार ने केसरिया पेडा सेवा मनीष साहू ने गिरिगोला सेवा एवम राजेश जयसवाल ने फल प्रसाद सेवा निवेदित की गई। इस अवसर पर मण्डल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल निर्वतमान महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया उपाध्यक्ष श्रवन ढानढनिया अशोक लड़ियां कोषाध्यक्ष मनोज खेतान एवं कृष्णा अंकित सिंह संकेत चौधरी ऋषभ चौरसिया हर्ष मिश्रा हिमांशु कुमार आदि भक्त उपस्थित थे। शनिवार को देवशयनी एकादशी कार्यक्रम श्री श्याम मंदिर में 25 जूलाई एकादशी कार्यक्रम आयोजित किया गया है। प्रात: कालीन अनुपम श्रृंगार के साथ ही रात्रि में भजन संकीर्तन कार्यक्रम प्रारंभ होगा जो कि देर रात तक चलेगा। मण्डल के महामंत्री गौरव अग्रवाल ने सभी श्याम प्रेमियों को एकादशी संकीर्तन में शामिल होने को कहा है।

रांची में चला नगर निगम का बुलडोजर, कई दुकानें तोड़ी गईं

रांची : राजधानी रांची में सड़कों को अतिक्रमणमुक्त और यातायात को सुगम बनाने के उद्देश्य से नगर निगम का अतिक्रमण हटाओ अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में मंगलवार को हरमू चौक पर सड़क किनारे लगाई गई 20 से अधिक अस्थायी दुकानों को बुलडोजर की मदद से हटाया गया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने विरोध भी किया। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि हरमू चौक, रातु रोड, अरगोड़ा और बिरसा चौक को जोड़ने वाला मार्ग शहर का अत्यंत व्यस्त मार्ग है। इस सड़क से लगातार वीआईपी मूवमेंट के साथ-साथ आम लोगों का भी आवागमन होता है। सड़क किनारे अस्थायी दुकानें लगने से यातायात बाधित होता है और जाम की स्थिति बनी रहती है। इसी को देखते हुए अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान प्रभावित दुकानदारों ने नगर निगम की कार्रवाई का विरोध करते हुए कहा कि वे पिछले करीब 10 वर्षों से यहां दुकान लगाकर अपने परिवार का भरण-पोषण कर रहे हैं। यदि उनकी दुकानें हटा दी जाती हैं तो उनके सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो जाएगा।

रांची रेलवे स्टेशन से 12 किलो गांजा के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

रांची: रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने रांची रेलवे स्टेशन से 12 किलो गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। रांची आरपीएफ पोस्ट कमांडर शिशुपाल कुमार ने मंगलवार को बताया कि रांची और आरपीएफ फ्लाइंग टीम के जरिए ऑपरेशन "नारकोस" के तहत रांची रेलवे स्टेशन पर मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम के लिए विशेष संयुक्त जांच अभियान चलाया गया। जांच अभियान के दौरान प्लेटफॉर्म संख्या-01 स्थित वीआईपी गेट के समीप एक संदिग्ध युवक काले एवं हरे रंग का स्काई बैग लेकर बैठा हुआ दिखाई दिया। जांच दल को देखकर वह घबराने लगा, जिस पर उसे रोककर पूछताछ की गई। पूछताछ में उसने अपना नाम बृजराज यादव (19) बताया। वह उत्तर प्रदेश के ग्राम मटियारवा, थाना पदरौना, जनपद कुशीनगर का रहने वाला है। बैग के संबंध में पूछने पर उसने स्वीकार किया कि उसमें गांजा रखा हुआ है। घटना की सूचना सहायक सुरक्षा आयुक्त आरपीएफ प्रताप सिंह नेगी को दी गई, जो तुरंत मौके पर पहुंचे तथा संपूर्ण कार्रवाई का पर्यवेक्षण किये। मामले में एनडीपीएस अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूर्ण करने एवं स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग से चार पैकेट बरामद हुए, जिनमें गांजा पाया गया। इस प्रकार कुल 12 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग छह लाख बताया गया।

शिव किशोर शर्मा बने रिदम म्युज़िकल ग्रुप के मीडिया सलाहकार, लोगों ने दी बधाई

रांची : सामाजिक संस्था छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा को रिदम म्युज़िकल ग्रुप रांची का मीडिया सलाहकार नियुक्त किया गया है। रांची गैलेक्सिया मॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में यह नियुक्ति रिदम म्यूजिकल ग्रुप रांची के संस्थापक अध्यक्ष स्वप्ना चटर्जी एवं डायरेक्टर सुभाषित चटर्जी द्वारा की गई है। क्लब के पीआरओ दीपक राणा ने कहा छात्र क्लब ग्रुप एवं विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच एक सामाजिक संस्था है जिसके बैनर चले सालों भर शिक्षा,स्वास्थ्य चिकित्सा,पर्यावरण,यातायात, कला संस्कृति, मानव कल्याण, कृषि,धार्मिक आयोजन के क्षेत्र मे नि:स्वार्थ भावना से कार्य किया जाता है। श्री शर्मा जी की प्रतिबद्धता, नेतृत्व क्षमता,सेवा भावना को देखते हुए उन्हें रिदम म्युज़िकल ग्रुप का मीडिया सलाहकार नियुक्त किया गया है। श्री शर्मा जी को रिदम का मीडिया सलाहकार बनाए जाने पर लायंस क्लब ऑफ रांची हरिका ग्रेटर,कपिल फाउंडेशन,प्रगतिशील विश्वकर्मा सेवा समिति, क्राउंड लायंस आदि आदि प्रमुख संस्था के प्रेम शंकर मिश्रा, विजय कुमार पाठक, दीपक कुमार साहु अवधेश कुमार शर्मा अशोक कुमार शर्मा, दीपक राणा, श्रवण कुमार, अरविंद कुमार शर्मा, कुमारी नीलम, शीला,अनिता ने उन्हें बधाई दी एवं रिदम परिवार के प्रति आभार जताई।

एक नजर

संधिग्ध अवस्था में महिला का शव बरामद

जयनगर (कोडरमा) : थाना क्षेत्र के डीवीसी केटीपीएस प्लांट के फैज टू के निर्माण कार्य लगी भैल कम्पनी के नवनिर्मित कार्यलय भवन के मेस (रसोईघर) के बगल एक 38 वर्षीय महिला का शव संदिग्ध अवस्था में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। घटना कि सूचना क्षेत्र आग कि तरह फेल गई जिससे घटना स्थल पर भारी संख्या में महिला पुरुष घटना स्थल पहुंचे हैं। और जमकर हंगामा किया और आरोप लगाया कि महिला के साथ दुष्कर्म कर हत्या किया गया है। इस घटना में शामिल हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करने एवं निष्पक्ष जांच करने का मांग पर अडे रहे वहीं सूचना पाकर जयनगर थाना प्रभारी विकास कुमार चंदवारा थाना प्रभारी शशी कुमार महिला थाना प्रभारी हेमा कुमारी दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है।

जुड़वा बच्चों के जन्म के बाद प्रसूता की मौत परिजनों का हंगामा

कोडरमा : सदर अस्पताल कोडरमा में ऑपरेशन के जरिए जुड़वा बच्चों को जन्म देने के बाद एक प्रसूता की मौत हो जाने से मंगलवार को अस्पताल परिसर में तनाव और हंगामे की स्थिति उत्पन्न हो गई। आक्रोशित परिजनों ने इलाज में लापरवाही और अस्पताल कर्मियों द्वारा पैसे मांगने का आरोप लगाते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की। मृतका की पहचान हजारीबाग जिले के बरकट्ठा थाना क्षेत्र के बेडोकला गांव निवासी 20 वर्षीय संजू देवी, पति जितेंद्र तुरी, के रूप में हुई है। संजू देवी इन दिनों अपने मायके में रह रही थीं, जबकि उनका ससुराल बिहार के गया जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के झुरांग गांव में है। परिजनों के अनुसार, संजू देवी को सोमवार सुबह करीब 11 बजे प्रसव पीड़ा होने पर सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। शाम करीब 7 बजे ऑपरेशन के माध्यम से उन्होंने जुड़वा बच्चों को जन्म दिया। आरोप है कि ऑपरेशन के बाद अस्पताल कर्मियों ने परिजनों से 1,100 रुपये की मांग की। कम रुपये देने पर कथित रूप से अस्पताल कर्मियों ने पैसे फेंक दिए।

पागल कुत्ते के हमले में दो वर्षीय मासूम घायल, भर्ती

कोडरमा/जयनगर : जयनगर थाना क्षेत्र के परसाबाद गांव में मंगलवार को पागल कुत्ते के हमले में दो वर्षीय मासूम गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे की पहचान परसाबाद निवासी प्रियांश कुमार (2), पिता परशोत्तम पासवान के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार प्रियांश अपने घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान एक पागल कुत्ता अचानक पहुंचा और उस पर हमला कर दिया। कुत्ते के काटने से बच्चा गंभीर रूप से घायल हो गया और उसके रोने की आवाज सुनकर परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इसके बाद उसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल, कोडरमा ले जाया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों ने बच्चे का प्राथमिक उपचार कर उसे भर्ती कर लिया। डॉक्टरों के अनुसार बच्चे की स्थिति फिलहाल खतरे से बाहर है, लेकिन एहतियात के तौर पर उसे निगरानी में रखा गया है। घटना के बाद परसाबाद गांव में दहशत का माहौल है।

जागरुक होकर ही अधिकारो को प्राप्त किया जा सकता है : प्रज्ञा बाजपेई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वावधान में जयनगर प्रखंड सभागार में विधिक सेवा सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में सैकड़ो लोगों ने भाग लिया एवं विभिन्न लाभुकों के बीच सरकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीजेएम सह प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार प्रज्ञा बाजपेई थे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रखंड विकास पदाधिकारी गौतम कुमार, सीओ सारांश जैन, डिफेंस काउंसिल के अधिवक्ता नवल किशोर एवं अरुण कुमार ओझा उपस्थित थे।

कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया। साथ ही अतिथियों का पारंपरिक मुकुट, अंगवस्त्र एवं प्लांट पॉट भेंट कर सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि प्रज्ञा बाजपेई ने कहा कि जागरुक होकर ही अधिकारों को प्राप्त कर सकते हैं । कोई भी व्यक्ति साधन के अभाव में न्याय से वंचित नहीं रह सकता। समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से इस शिविर का आयोजन किया गया है।

वीडियो गौतम कुमार ने कहा कि इस प्रकार का विधिक सेवा सह-सशक्तिकरण कार्यक्रम आम लोगों के लिए एक वरदान सिद्ध हो रहा है।

सीओ सारांश जैन ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए सक्रिय रूप से आगे आना होगा। उन्होंने कहा कि अब लोगों को विधिक सेवाएँ भी निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं।

नवल किशोर ने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा व्यक्ति अपने व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास कर सकता है। वही अरुण कुमार ओझा ने लोगों से अपने बच्चों को बेहतर ढंग से शिक्षित करने की अपील की।

कार्यक्रम का संचालन न्यायालयकर्मी रणजीत कुमार सिंह ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन सीआई ने किया।

इस अवसर पर जेएसएलपीएस, समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि एवं पशुपालन विभाग, सहित अन्य विभागों के स्टॉल लगाए गए थे, जिनका निरीक्षण अतिथियों ने किया। वहीं विभिन्न विभागों द्वारा राशन कार्ड, आवास योजना, वृद्धा पेंशन, एवं विभिन्न योजनाओं से संबंधित लाभुकों को योजना का लाभ दिया गया।

कार्यक्रम में पी.एल.वी, शिव कुमार, दिनेश कुमार रजक, रेखा कुमारी, उषा कुमारी, चमेली देवी, लाभुक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा पर मारवाड़ी युवा मंच की अनूठी सेवा

हजारों भक्तों को पिलाया शरबत और खिलाई खिचड़ी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : कोडरमा जिले के इतिहास में पहली बार भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली गई. इस ऐतिहासिक अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच, झुमरी तिलैया शाखा द्वारा झंडा चौक पर विशाल खिचड़ी प्रसाद एवं शरबत सेवा शिविर का आयोजन किया गया।

इस सेवा कार्य में लगभग 201 किलो खिचड़ी 5,000 दोना खिचड़ी और 2,000 गिलास शरबत का वितरण किया गया, जिसका हजारों श्रद्धालुओं ने लाभ उठाया.इस अवसर पर मंच के सभी सदस्यों द्वारा पुष्प वर्षा भी की गयी और भगवान जगन्नाथ की आरती भी की गई।

मंच के अध्यक्ष मोहित संगई ने इस सफल आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि जिले में पहली बार निकली इस रथ यात्रा में श्रद्धालुओं की सेवा करना हमारे लिए सौभाग्य की बात है. मारवाड़ी युवा मंच हमेशा धार्मिक और सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेता रहा है, और आगे भी ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे.

सचिव अतुल खेतान ने कहा पूरे शहर के लिए यह बड़े गौरव की बात है कि इतिहास में पहली बार हमारे शहर में भव्य रथ यात्रा निकाली गई।

इस पावन अवसर पर आयोजित विशाल प्रसाद वितरण में आनंद विहार होटल ने खिचड़ी प्रसाद सेवा में बढ़-चढ़कर अपना अमूल्य सहयोग दिया। इस सेवा कार्य और भक्तिमय योगदान के लिए आनंद विहार का बहुत-बहुत धन्यवाद और आभार!

इस सेवा शिविर को सफल बनाने में मंच के पदाधिकारियों और सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई. मौके पर मुख्य रूप से उपस्थित प्रांतीय भवन संयोजक राज पाचीसिया,कोषाध्यक्ष महावीर खेतान,उपाध्यक्ष प्रतीक संगई,उपाध्यक्ष शिवेश पाचीसिया मंच के सदस्य अर्पित सिंघानिया, अनुराग हिसारिया, हर्षित सिंघानिया, आयुष पोद्दार, विपुल चौधरी, एडवोकेट धीरज जोशी, अभिषेक गुप्ता, रोहित संगई, आशीष शर्मा समेत मंच के कई अन्य सदस्य उपस्थित थे।

रोटरी क्लब कोडरमा ने रथयात्रा में श्रद्धालुओं की सेवा की

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : भगवान श्री जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा में शामिल हजारों श्रद्धालु भक्तों की सुविधा को देखते हुए रोटरी क्लब कोडरमा की ओर से तिलैया थाना स्थित बड़ा पोस्ट ऑफिस के समीप पेयजल एवं शरबत वितरण शिविर लगाया गया। क्लब के सदस्यों ने स्वयं अपने हाथों से रथयात्रा में शामिल श्रद्धालुओं को शरबत पिलाकर सेवा भाव का परिचय दिया।

रोटरी क्लब कोडरमा के अध्यक्ष नवीन आर्य ने कार्यक्रम की सफल व्यवस्था के लिए प्रोजेक्ट डायरेक्टर अनिल खाटूवाला की सराहना की। इस अवसर पर सचिव मोहक सुल्तानिया, पूर्व अध्यक्ष कैलाश चौधरी, अजय अग्रवाल, सिमरनजीत सिंह, संदीप सिन्हा, धर्मेंद्र प्रसाद, आरती आर्य, आशीष खेतान, कुलजीत सिंह तथा शिव वाटिका के संचालक सुजीत लोहानी सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब के पब्लिक रिलेशन डायरेक्टर एवं मीडिया प्रभारी नवीन जैन ने कहा कि सेवा ही धर्म है। रोटरी क्लब कोडरमा समाज सेवा के साथ-साथ आपसी भाईचारे और भारतीय संस्कृति को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा।

पेंशनर्स समाज भवन के जीर्णोद्धार और पीसीसी पथ का हुआ उद्घाटन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मंगलवार को को झारखंड राज्य पेंशनर समाज जिला शाखा कोडरमा में उद्घाटन सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कोडरमा विधायक सह प्रदेश की पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ नीरा यादव मौजूद थीं। उन्होंने विधायक मद से पेंशनर्स समाज कार्यालय भवन के जीर्णोद्धार और वहां बने पीसीसी पथ का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी ने की। मुख्य अतिथि विधायक डॉ नीरा यादव ने अपने सम्बोधन में कहा कि कोडरमा जिला पेंशनर समाज झारखंड राज्य में अच्छी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि पेंशनर्स ना केवल अभिभावक हैं बल्कि ये समाज को दिशा दिखाते हैं। पेंशनर समाज एवं पेंशनर्स की जो भी समस्यायें आयेंगी उनका समाधान वे तत्परता से करेंगी और निदान के लिए पूरा

योगदान देंगी। वहीं पेंशनर्स समाज के अध्यक्ष नारायण मोदी ने कहा कि पेंशन भोगी सदा स्वस्थ रहते हुए परस्पर सह?योग की भावना रखें। इस कार्यक्रम में महेश्वर पाण्डेय, महेश्वरी प्रसाद यादव, देवराज सिंह, रामनरेश चौधरी, सुरेंद्र प्रसाद मोदी, नगीना पासवान आदि ने अपने विचार रखे। सचिव नारायण सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन जबकि मंच संचालन राजकुमार सिंह ने किया। मौके पर डॉ एनके मोदी, पूर्व प्रधानाध्यापक नारायण मोदी, किशोरी प्रसाद यादव, सुभाष शर्मा, मथुरा प्रसाद चौधरी, गौरी शंकर सिंह, चंद्रिका प्रसाद, कुंज बिहारी त्रिवेदी, भागवत लाल दीन, यदुनंदन प्रसाद, द्वारिका प्रसाद सिंह, उर्मिला देवी आदि मौजूद थे।

डिग्री कॉलेज को बिभावि हजारीबाग से हटा गिरिडीह करने के खिलाफ आम सभा आज

शिक्षा और विद्यार्थियों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होने की अपील

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : जे जे कॉलेज सहित जिले के तमाम डिग्री कॉलेज को विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग से हटा कर सर जेसी बॉस विश्वविद्यालय गिरिडीह करने के खिलाफ 22 जुलाई को झुमरी तिलैया झंडा चौक पर हस्ताक्षर अभियान सह खुला मंच आम सभा की तैयारी हेतु समीक्षा बैठक जे जे कॉलेज बचाओ संघर्ष कोर समिति के कोषाध्यक्ष तौफीक हुसैन के विद्यालय चाइल्ड प्रोग्रेसिव स्कूल हसनाबाद में संरक्षक सदस्य राम रतन अवध्या एवं मो सईद नसीम की देख रेख में जूही दास गुप्ता की अध्यक्षता एवं सचिव देवेंद्र कुमार के संचालन में संपन्न हुआ बैठक में समस्या नहीं, समाधान और हमारी भागीदारी विषय पर 22 जुलाई के हस्ताक्षर अभियान सह खुला मंच आम सभा को सफल बनाने हेतु

जिले के छात्र-छात्राओं, अभिभावकों, शिक्षकों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से आयोजित हस्ताक्षर अभियान सह खुला मंच आम सभा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है। वही समिति के अध्यक्ष महेश भारती ने कहा कि समस्या नहीं, समाधान और हमारी भागीदारी के उद्देश्य से यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह केवल जे जे कॉलेज का नहीं, बल्कि पूरे कोडरमा जिले की उच्च शिक्षा, छात्र-छात्राओं के भविष्य और शैक्षणिक संस्थानों को सशक्त बनाने का जनआंदोलन है। उन्होंने बताया कि आम सभा के माध्यम से आम लोगों की राय, सुझाव एवं समर्थन प्राप्त किया जाएगा तथा शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर व्यापक जनचर्चा होगी। वही देवेंद्र कुमार ने कहा कि यदि आज सभी नागरिक शिक्षा के सवाल पर एकजुट नहीं होंगे, तो आने वाली पीढ़ियों का भविष्य प्रभावित होगा। साथ ही कोडरमा के आने वाले पीढ़ी के बच्चों बच्चियों सुरक्षा का डर के साथ उच्च शिक्षा पूर्ण रूप से प्रभावित होने के साथ ही ,अविभावकों के ऊपर बेवजह आर्थिक बोझ बढ़ेगा।

तेरह फल, तेरह फूल के साथ बड़े धूमधाम से मां विपत्ततारणी अर्थात मां दुर्गा की पूजा संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरी तिलैया : जिले के झुमरी तिलैया प्रसिद्ध सामांतो कालीबाड़ी में में दिन मंगलवार को मुख्य पुरोहित अरिंदम बनर्जी व केदार पाण्डेय द्वारा तेरह फल, तेरह फूल के साथ बड़े धूमधाम से मां विपत्ततारणी अर्थात मां दुर्गा की पूजा अर्चना पूरे विधि विधान कर पूजा संपन्न किया। विपत्ततारिणी पूजा के बारे में मुख्य पुरोहित अरिंदम बनर्जी ने बताया कि यह महत्व कथा एक रानी व उसकी महल की दासी पर आधारित है। पौराणिक कथा के अनुसार एक रानी और उसकी दासी के बीच गहरी दोस्ती हो जाती है। रानी का ज्यादातर समय दासी के साथ बीतता था। दासी के घर अक्सर मांस बनता था। एक दिन रानी ने दासी से बोला कि तुम्हारे यहां जो मांस बनता है उसे लाकर दो मुझे देखना है। ठीक दूसरे दिन दासी एक पात्र में मांस को ढक कर महल में रानी के पास पहुंच जाती है। इसी बीच राजा को किसी प्रजा से पता चलता है की रानी ने महल में दासी से मांस मंगवाया है, राजा गुस्सा से आज बगुला होकर महल की और आगे बढ़ते हैं, और जोर-जोर से चिल्लाकर रानी को आवाज देते हैं। इधर रानी भयभीत होकर मां दुर्गा

को पूरे मन से पुकारती है और कहती है हे मां मेरी रक्षा करो आज तो मुझे राजा के हाथों से कोई नहीं बचा सकता है। एकाएक राजा रानी के कक्ष में पहुंच जाते हैं और कहते हैं कि दासी से पात्र में तुमने जो मंगवाया है, उसको मुझे देखना है। देवी तुम अब इस पात्र के ढक्कन को उठाओ रानी डरते डरते पात्र के ढक्कन को उठाती है, और राजा की नजर जैसे ही उस पात्र में पड़ती है तो राजा देखते हैं कि पात्र में तेरह फल और तेरह फूल है। ठीक उसी समय आदिशक्ति मां दुर्गा प्रकट होती है और कहती है कि आज से जो स्त्री इस पूजा को सच्चे मन व विधि विधान से करेगी उसके परिवार में कभी भी विपत्ति नही आएगा। यह पूजा आषाढ़ मास के शुक्ल पक्ष के दशमी तिथि के अंदर मंगलवार एवं शनिवार को होती है। यही है मां विपत्ततारणी पूजा की अर्थात मां दुर्गा की पौराणिक कथा। वही इस संबंध में मंदिर निमार्ता स्व.गंगाधर सामांतो बड़े पुत्र स्व.अजीत सामांतो के पुत्र व वर्तमान मंदिर प्रबंधन समिति के उत्पल सामांतो ने बताया कि मेरे दादाजी मूलतः पश्चिम बंगाल के बर्धमान जिले के निवासी थे। बचपन से ही काफी मेधावी छात्र रहे थे तथा अपने जमाने में कोलकाता के विख्यात प्रेसीडेंसी कॉलेज से स्नाकोत्तर विज्ञान की पढ़ाई कर शैक्षणिक डिग्री हासिल किया। कोलकाता विश्वविद्यालय के द्वारा उन्हें स्वर्ण पदक स्वर्ण मिला। पश्चिम बंगाल के वर्धमान जिले से वर्ष 1919 ई. में वह कोडरमा आ गए और यहां पर उन्होंने अभ्रक का काम शुरू किया। जब अभ्रक के काम में उनकी आमदनी अच्छी होने लगी तो उन्होंने कोडरमा समेत झुमरी तिलैया में काफी जमीन खरीदा था। वर्ष 1936 ई. में उनके द्वारा डेढ़ एकड़ भूमि पर काली मंदिर बनवाया। प्रत्येक वर्ष मिट्टी से निर्मित मां काली की प्रतिमा बनवाया जाता था और सालों भर पूजा पाठ की जाती थी तथा दीपावली के दिन में बड़े धूमधाम के साथ मां काली की पूजा अर्चना पूजा की जाती थी।

संक्षिप्त खबरें

जबरन शराब पिलाकर युवक से मारपीट, इलाज के दौरान मौत, एसपी से न्याय की गुहार

कोडरमा : जयनगर थाना क्षेत्र के चन्द्रघंटी गांव में जबरन शराब पिलाकर मारपीट करने के मामले में घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक के भाई ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। मृतक के भाई राहुल रविदास, पिता बाबूलाल रविदास, निवासी चन्द्रघंटी (पोस्ट-कॉंको, थाना जयनगर) ने एसपी को दिए आवेदन में बताया कि 24 जून 2026 की रात करीब 9:15 बजे उनके 24 वर्षीय भाई सन्नी रविदास को गांव के ही संतोष रविदास और सनोज रविदास तितिरिचांच के पास ले गए। आरोप है कि दोनों ने जबरन शराब पिलाई, जिसमें गांजा भी मिलाया गया था। नशे की हालत में दोनों ने ईंट और डंडे से सन्नी के सिर पर हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गए। आवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपियों को फरार कराने में अजय रविदास ने मदद की। परिजनों ने गंभीर हालत में सन्नी को पहले तिलैया के ओम अस्पताल, फिर हजारीबाग और बाद में रिम्स रांची में भर्ती कराया। रिम्स में आठ दिन बाद उसे होश आया, लेकिन इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के बाद राहुल रविदास ने 21 जुलाई 2026 को पुलिस अधीक्षक को लिखित आवेदन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कर सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस आवेदन के आधार पर मामले की जांच में जुटी है।

दुंदु गांव के चौकीदार सागर सिंह का निधन शोक की लहर

पटमदा : बोड़ाम प्रखंड के गोरडीह पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य मंटू सिंह(उर्फ चैतन सिंह)के चाचा दुंदु गांव के सेवानिवृत चौकीदार सागर सिंह का मंगलवार को निधन हो गया ।सागर सिंह एक जनवरी 1990 को नियुक्ति होकर एक जनवरी 2015 को सेवानिवृत हुए ।उनके निधन की सूचना पर चौकीदार संघ और समाजसेवियों ने शोक व्यक्त किया ।जानकारी देते हुए गोरडीह पंचायत के पूर्व पंचायत समिति सदस्य मंटू सिंह उर्फ चैतन सिंह ने बताया कि बोड़ाम थाना क्षेत्र के बिट 7/8 में कार्यरत थे ।उनके कार्यकाल की क्षेत्र में अलग पहचान थी ।उनके निधन की सूचना पाकर ग्रामीणों में शोक का लहर दिखा ।वे अपने पीछे पत्नी मानो सिंह,पुत्र खगेंद्र सिंह, मथुर सिंह सहित भरा पूरा परिवार छोड़ गए ।इस दौरान शोक व्यक्त करने वाले में पूर्व पंचायत समिति सदस्य मंटू सिंह उर्फ चैतन सिंह ,पूर्व उप मुखिया चैतन महतो,समर सिंह,मंगल सिंह,संतोष सिंह सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

पटमदा प्रखंड कार्यालय जाने वाली मुख्य सड़क की हुई मरम्मत, लोगों को मिली राहत

पटमदा : लगातार हो रही बारिश के कारण पटमदा प्रखंड कार्यालय जाने वाली मुख्य सड़क की स्थिति अत्यंत खराब हो गई थी। सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे और जलजमाव होने से प्रखंड कार्यालय आने वाले आम नागरिकों, जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं विभिन्न सरकारी कार्यों से आने-जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। जलभराव के कारण दुर्घटनाओं की आशंका भी लगातार बनी हुई थी। जनहित से जुड़े इस गंभीर मुद्दे को देखते हुए समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने तत्काल अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास का ध्यान आकृष्ट कराया। सूचना मिलते ही अंचलाधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचे और समाजसेवी विश्वनाथ महतो के साथ सड़क का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद दोनों की पहल पर तत्काल सड़क के गहरे गड्ढों में स्टोन डस्ट गिराकर भराई कराई गई, जिससे सड़क को समतल बनाया गया और आवागमन को सुगम किया गया। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद प्रखंड कार्यालय आने वाले लोगों ने राहत की सांस ली। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते सड़क की मरम्मत होने से आवागमन पहले की अपेक्षा काफी आसान हो गया है तथा दुर्घटना की आशंका भी कम हुई है। समाजसेवी विश्वनाथ महतो ने कहा कि जनहित से जुड़े मामलों का त्वरित समाधान प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने अंचलाधिकारी डॉ. राजेंद्र कुमार दास की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि वे शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क सहित जनसुविधाओं से जुड़े मुद्दों पर संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्य करते हैं। उनकी पहल से आम लोगों को तत्काल राहत मिली है। उन्होंने संबंधित विभाग से मांग की कि इस सड़क की स्थायी एवं गुणवत्तापूर्ण मरम्मत जल्द कराई जाए, ताकि भविष्य में बारिश के दौरान लोगों को दोबारा ऐसी समस्याओं का सामना न करना पड़े। स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से सड़क के दीर्घकालीन समाधान की दिशा में शीघ्र कार्रवाई करने की अपील की।

कुकडू प्रखंड अंतर्गत पंचायत भवन बेरासी सिरूम में लर्नर लाइसेंस शिविर आयोजित, 108 अभ्यर्थी हुए सफल

कुकड़ू : उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी श्री नितिश कुमार सिंह के निर्देशानुसार जिला परिवहन कार्यालय, सरायकेला-खरसावाँ द्वारा प्रखंडवार लर्नर लाइसेंस (छीं१ल्ली१ छ्रील्ली) शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 21 जुलाई, 2026 को कुकडू प्रखंड अंतर्गत पंचायत भवन, बेरासी सिरूम में लर्नर लाइसेंस शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार लेटेमदा, जानुम, बेरासी सिरूम, परगामा एवं ओडिया पंचायतों के उन अभ्यर्थियों को शामिल किया गया, जिन्होंने पूर्व से ऑनलाइन स्लॉट बुक कराया था। शिविर के दौरान अभ्यर्थियों के दस्तावेजों का सत्यापन, ऑनलाइन आवेदन की जांच तथा निर्धारित प्रावधानों के अनुरूप लर्नर लाइसेंस परीक्षा संपन्न कराई गई। जिला परिवहन कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार शिविर के लिए कुल 165 अभ्यर्थियों का स्लॉट निर्धारित था। इनमें से 108 अभ्यर्थी लर्नर लाइसेंस परीक्षा में सफल हुए, 15 अभ्यर्थी असफल रहे तथा 42 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में सफल सभी अभ्यर्थियों को लर्नर लाइसेंस उपलब्ध कराया गया। शिविर के दौरान मोटर वाहन निरीक्षक (एमवीआई) के साथ प्रखंड प्रशासन के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि प्रखंडवार आयोजित किए जा रहे इन शिविरों का उद्देश्य आम नागरिकों को उनके निकट ही लर्नर लाइसेंस से संबंधित सेवाएं उपलब्ध कराना तथा आवेदन प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाना है। उन्होंने अभ्यर्थियों से परिवहन विभाग की ऑनलाइन सेवाओं का अधिकाधिक उपयोग करने तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप आवेदन एवं स्लॉट बुकिंग सुनिश्चित करने की अपील की।

एक नजर

खूंटी में 80 नर्स और 34 चौकीदार पदों पर जल्द होगी भर्ती : विधायक

खूंटी : विधायक रामसूर्या मुंडा की पहल पर जिले में स्वास्थ्य विभाग और चौकीदार के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। जिला प्रशासन ने 80 नर्स और 34 चौकीदार के रिक्त पदों पर भर्ती की तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही इसके लिए आधिकारिक विज्ञापन जारी किया जाएगा। विधायक ने बताया कि उन्होंने खुद उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक (एसपी) के साथ पिछले दिनों बैठक कर जिले में विभिन्न विभागों के रिक्त पदों की समीक्षा की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग और चौकीदार के रिक्त पदों पर विशेष रूप से चर्चा कि थी। उन्होंने बताया कि दोनों श्रेणियों के कुल 114 रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू करने की कार्रवाई की जा रही है। बैठक में विधायक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से संचालित करते हुए नवंबर माह तक नियुक्ति की दिशा में आवश्यक कार्रवाई पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि लंबे समय से रिक्त पदों के कारण स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं और ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका असर देखने को मिल रहा है। इन पदों पर नियुक्ति होने से स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत होगी और प्रशासनिक कार्यों में भी गति आएगी। विधायक रामसूर्या मुंडा ने जिले के युवाओं से अपील की कि जो अभ्यर्थी इन पदों के लिए आवेदन करना चाहते हैं, वे अभी से अपनी तैयारी शुरू कर दें। उन्होंने कहा कि जैसे ही आधिकारिक अधिसूचना जारी होगी, योग्य अभ्यर्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत आवेदन कर सकेंगे।

कार के धक्के से महिला घायल

साहिबगंज: जिले के बोरियो प्रखंड की पुआल पंचायत के दुमकी गांव निवासी चांदी पहाड़िन (45) कार के धक्के से मंगलवार को गंभीर रूप से घायल हो गयी। दुर्घटना में महिला के दांया हाथ में गंभीर चोट आयी है। घायल महिला को सीएचसी में ईलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घायल महिला चांदी पहाड़िन ने बताया कि वह मंगलवार हाट करने के लिए बोरियो बाजार आई थी। गाड़ी बेक करने के दौरान धक्का लग गया। महिला का इलाज सीएचसी में चल रहा है।

एसपी आवास के सामने दिनदहाड़े बॉडीगार्ड ने साथी को मारी गोली, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : जिला मुख्यालय में मंगलवार को उस समय सनसनी फैल गई, जब पुलिस अधीक्षक कार्यालय एवं आवास के ठीक सामने दिनदहाड़े एक निजी बॉडीगार्ड ने अपने ही साथी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को हथियार सहित मौके से गिरफ्तार कर लिया। मृतक की पहचान अतुल कुमार (निवासी बक्सर, बिहार) के रूप में हुई है, जबकि गिरफ्तार आरोपी बलवीर सिंह, जो बिहार का ही निवासी है, बताया गया है। दोनों बिहार के बेलागंज विधायक मनोरमा यादव के पुत्र एवं चतरा बाईपास निर्माण कार्य करा रहे ठेकेदार रॉकी यादव उर्फ विनीत यादव के निजी बॉडीगार्ड थे। जानकारी के अनुसार, ठेकेदार रॉकी यादव मंगलवार को किसी कार्य से पुलिस अधीक्षक से मिलने उनके आवास पहुंचे थे। इस दौरान उनके दोनों निजी सुरक्षा कर्मी वाहन में बैठे हुए थे। इसी बीच किसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि आरोपी बलवीर सिंह ने अपना हथियार निकालकर अतुल कुमार के सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही अतुल कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गोली चलने की आवाज सुनते ही एसपी आवास के बाहर तैनात पुलिसकर्मी और आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्काल आरोपी को हिरासत में लेकर हत्या में प्रयुक्त हथियार जब्त कर लिया। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि रमिया कंस्ट्रक्शन द्वारा चतरा बाईपास निर्माण कार्य कराया जा रहा है। इसी कार्य के सिलसिले में ठेकेदार रॉकी यादव पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचे थे। इसी दौरान उनके दोनों निजी सुरक्षा कर्मियों के बीच हुआ विवाद खूनी वारदात में बदल गया। पुलिस हत्या के पीछे की वास्तविक वजह का पता लगाने में जुटी है। प्रारंभिक जांच में दोनों बॉडीगार्ड के बीच आपसी विवाद की बात सामने आई है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। आरोपी से पूछताछ जारी है। एसपी कार्यालय और आवास जैसे अतिसुरक्षित क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई इस हत्या की घटना से पूरे शहर में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था और सख्त कर दी गई। घटना को लेकर पूरे शहर में चर्चा का माहौल बना हुआ है।

एसपी आवास के सामने प्राइवेट गार्ड हत्याकांड में खुलासा

चतरा : पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी के आवास के मुख्य द्वार के सामने मंगलवार को दिनदहाड़े प्राइवेट बॉडीगार्ड की गोली मारकर हत्या के मामले में कई सनसनीखेज तथ्य सामने आए हैं। पुलिस ने मुख्य आरोपी बलबीर सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, मामले में पूछताछ के लिए बिहार पुलिस के एक जवान, ठेकेदार और उसके चालक को भी हिरासत में लिया गया है। मुख्यालय डीएसपी सुनील कुमार सिंह ने आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपी बलबीर सिंह ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि मृतक अतुल कुमार लगातार उससे खैनी मांगकर परेशान कर रहा था। इसी बात से नाराज होकर उसने अपने लाइसेंसी हथियार से अतुल के सिर में गोली मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। डीएसपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी बलबीर सिंह मानसिक रूप से बीमार है और उसका इलाज रांची स्थित रिनपास में चल रहा है। उसके पास से रिनपास का उपचार संबंधी दस्तावेज भी बरामद हुआ है। उन्होंने बताया कि आरोपी का आपराधिक इतिहास भी रहा है। उस पर बिहार के नवीनगर थाना क्षेत्र में गोलीबारी सहित अन्य आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह इन मामलों में तीन वर्ष से अधिक समय तक जेल में भी रह चुका है। पुलिस ने घटना के समय वाहन में मौजूद बिहार पुलिस के जवान सत्येंद्र कुमार को भी हिरासत में लिया है। उसके पास मौजूद सरकारी कार्बाइन को जब्त कर लिया गया है। वहीं, चतरा बाईपास निर्माण कार्य करा रहे बेलागंज (गया) निवासी ठेकेदार विनीत उर्फ रॉकी यादव और उसके चालक प्रसाद यादव से भी पूछताछ की जा रही है।

चतरा में 1.57 लाख से अधिक लाभुकों का ई-केवाईसी लंबित, डीसी ने चलाया विशेष अभियान

चतरा : उपायुक्त सह जिला स्वास्थ्य समिति के अध्यक्ष रवि आनंद के निर्देश पर जिले में आयुष्मान भारत मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत सभी पात्र लाभुकों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड निर्माण सुनिश्चित करने के लिए विशेष अभियान शुरू किया गया है। इस संबंध में सभी संबंधित विभागों एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। उपायुक्त ने बताया कि कार्यकारी निदेशक, झारखंड स्टेट आरोग्य सोसायटी, रांची के निर्देश के आलोक में जिले के सभी प्रखंडों में ई-केवाईसी के माध्यम से लाभुकों को आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराने का अभियान चल रहा है। हालांकि, कुछ प्रखंडों में कार्ड निर्माण की प्रगति अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच सकी है, जिसे गंभीरता से लेते हुए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है। प्रशासन के अनुसार जून 2026 तक जिले में 1,57,822 लाभुकों का ई-केवाईसी लंबित है। उपायुक्त ने सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने क्षेत्र में लंबित लाभुकों का शत-प्रतिशत ई-केवाईसी और आयुष्मान कार्ड निर्माण समयबद्ध तरीके से पूरा कराएं। इसके अलावा जिला आपूर्ति पदाधिकारी एवं जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी को निर्देश दिया गया है कि वे जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) के सभी डीलरों एवं प्रज्ञा केंद्र संचालकों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रतिदिन आयुष्मान कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करें। वहीं, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों को भी व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाकर पात्र लाभुकों को ई-केवाईसी एवं आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया गया है, ताकि जिले का कोई भी पात्र व्यक्ति इस महत्वपूर्ण स्वास्थ्य योजना के लाभ से वंचित न रहे।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला

पत्रांक :– 584 गुमला, दिनांक :– 21.07.2026

निविदा रद्द सूचना का प्रकाशन

इस कार्यालय के Tender No. 10/2026-27 जिसका प्रकाशन PR No. 385061 Minor Irrigation (26-27)D है, तथा जिसका निविदा दिनांक 15.07.2026 को अगले आदेश तक अपरिहार्य कारणों से रद्द किया जाता है।

कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, गुमला।

PR.NO.385523 Minor Irrigation(26-27):D

घर से निकले कंप्यूटर शिक्षक का शव सड़क किनारे मिला, इलाके में सनसनी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : चतरा जिले के वशिष्ठ नगर (जोरी) थाना क्षेत्र के घंघरी गांव में मंगलवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब घर से महज 500 मीटर दूर घंघरी हाई स्कूल के समीप एनएच 22 चतराहृडोभी मुख्य पथ किनारे झाड़ियों के पास एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ। सुबह टहलने निकले ग्रामीणों की नजर शव पर पड़ते ही पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते घटनास्थल पर ग्रामीणों, परिजनों और राहगीरों की भारी भीड़ जुट गई। मृतक की पहचान मुकेश यादव 38 वर्ष, पिता स्वर्गीय महाबीर यादव, निवासी घंघरी गांव के रूप में हुई। वे प्रतापपुर हाई स्कूल में कंप्यूटर शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। उनकी अचानक मौत की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। परिजनों के अनुसार, सोमवार की शाम करीब सात से आठ बजे के बीच मुकेश यादव अपनी मोटरसाइकिल से दोस्तों से मिलने की बात कहकर घर से निकले थे। देर रात तक घर वापस नहीं लौटने पर परिजनों ने उनकी काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। मंगलवार सुबह सड़क किनारे झाड़ियों के पास उनका शव और मोटरसाइकिल मिलने की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों ने मौत को संदिग्ध बताते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका कहना है कि मुकेश यादव की मौत सामान्य परिस्थितियों में नहीं हुई है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष, वैज्ञानिक एवं गहन जांच कर दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों और परिजनों ने चतराहृडोभी मुख्य पथ (एनएच-22) को जाम कर दिया। करीब छह घंटे तक सड़क जाम रहने से दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। प्रदर्शनकारी मृतक के आश्रित परिवार को उचित मुआवजा, दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी तथा निष्पक्ष व त्वरित जांच की मांग पर अड़े रहे। घटना की सूचना मिलते ही प्रखंड विकास पदाधिकारी निखिल गौरव, डीएसपी सुनील कुमार, पुलिस निरीक्षक विपिन कुमार, वशिष्ठ नगर (जोरी) थाना प्रभारी अमित कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में पुलिस बल मौके पर पहुंचा। अधिकारियों ने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर उन्हें निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया।

मूसलाधार बारिश होने से धान के खेतों में भरा पानी, किसान के चेहरे पर मुस्कान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : सोमवार की अहले सुबह से शहर सहित प्रखंडों में हुई मूसलाधार बारिश के बाद में धान की रोपाई शुरू हो गई है। इस बारिश से खेतों में पर्याप्त पानी जमा हो गया है, जिससे किसानों को राहत मिली है।बारिश के कारण खेतों में पानी भर जाने से किसानों ने तत्काल बची हुई धान की रोपाई का कार्य प्रारंभ कर दिया है। खेतों में ट्रैक्टर और मजदूरों की गतिविधियां बढ़ गई हैं। किसानों का कहना है कि दोबारा समय पर हुई इस बारिश से इस वर्ष धान की अच्छी फसल होने की उम्मीद है। मानसून की कमी के कारण पिछले कुछ दिनों से किसान चिंतित थे, लेकिन अब उनकी चिंताएं कम हुई हैं। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, समय पर हुई यह बारिश धान की रोपाई के लिए अत्यंत लाभदायक है, जिससे फसल का उत्पादन बेहतर होने की संभावना है। हालांकि, कुछ निचले इलाकों में जलजमाव के कारण लोगों को परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। इस संबंध में, किसान बाबूलाल साहनी ने सलाह दी कि बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को समय पर खेती कर लेनी चाहिए, ताकि बाढ़ के पानी से फसल को बचाया जा सके।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, सिमडेगा

(सर्वसाधारण के लिए सूचना)

गुमशुदा महिला सुशान्ती लुगुन, उम्र–करीब 31 वर्ष, पति–अमृत लुगुन, सा0–सोय अड़ियाटोली, थाना–बानो, जिला–सिमडेगा, राज्य– झारखण्ड, दिनांक–06.07.02026 को अपने घर से महिला समिति में पैसा जमा करने के लिए निकली थी, जो अबतक वापस आयी है। गुमशुदा महिला की बरामदगी अभी तक नहीं हो पायी है, जिसकी विवरणी निम्नवत् है:–

हुलिया की विवरणी :–
लिंग :– स्त्री।
उम्र :– 31 वर्ष।
रंग :– सांवला।
उँचाई :– करीब 05 फीट 03 ईंच।
बाल :– हल्का घुंघरैला।
भाषा :– सादरी एवं हिन्दी।
पहनावा :– हरा रंग सूट एवं सफेद रंग का लेगिन्स।

अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त गुमशुदा महिला के बारे में पता चलता है तो नीचे अंकित दूरभाष नं0 पर अविलंब सूचित करेंगे।

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा –मोबाइल नं0–9431116444
पुलिस उपाधीक्षक, (मु0) सिमडेगा–मोबाइल नं0–9431706227
थाना प्रभारी, बानो –मोबाइल नं0–9431706236
पुलिस नियंत्रण कक्ष, सिमडेगा –मोबाइल नं0–9262998531
मानव तस्करी संबंधी टोल फ्री नं0–मोबाइल नं0–1800– 3456–256

पुलिस अधीक्षक, सिमडेगा।

PR.NO.385412 Simdega(26-27):D

मतदाता सूची पुनरीक्षण में तेजी लाने के निर्देश, दो दिनों में डिजिटाइजेशन कार्य पूरा करने का लक्ष्य

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमरिया : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम-2026 के तहत सिमरिया प्रखंड में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर गणना प्रपत्रों का वितरण, भरे हुए प्रपत्रों का संग्रहण तथा डिजिटाइजेशन का कार्य युद्धस्तर पर किया जा रहा है। इसी अभियान की प्रगति की समीक्षा को लेकर निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी चंद्रदेव प्रसाद ने सभी वालंटियरों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी ने अब तक हुए गणना प्रपत्र संग्रहण एवं डिजिटाइजेशन कार्य की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान खराब प्रगति वाले मतदान केंद्रों की पहचान करते हुए संबंधित बीएलओ एवं वालंटियरों को अगले दो दिनों के भीतर डिजिटाइजेशन कार्य पूरा करने का निर्देश दिया गया। बैठक में वालंटियरों को अनुलग्नक 1 से अनुलग्नक 5 तक की संपूर्ण प्रक्रिया की विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि विभागीय निर्देशानुसार बैठक की कार्यवाही तथा संलग्न सूची के रिक्त स्थान संबंधित बीएलओ एवं वालंटियर स्वयं अपनी लिखावट में भरेंगे। इसके लिए किसी अन्य व्यक्ति को अधिकृत नहीं किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि 22 जुलाई 2026 को पूर्वाह्न 11 बजे सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए 2 की तृतीय बैठक के साथ चुनाव पाठशाला का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान एएसडीडीएफ सूची बीएलए के साथ साझा कर मतदाता सूची को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। बैठक में निर्देश दिया गया कि चुनाव पाठशाला में आम मतदाताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा पिछले चुनाव के निर्वाचन अभिकर्ताओं की भी भागीदारी सुनिश्चित की जाए, ताकि मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य अधिक पारदर्शी और प्रभावी ढंग से संपन्न हो सके।

पत्थलगड़ा में ब्राउन शुगर तस्करी का भंडाफोड़ 7.4 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमरिया/चतरा : चतरा पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नावाडीह भेलवाड़ा मोड़ के पास से दो तस्करों को 7.4 ग्राम अवैध ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से एक मोटरसाइकिल और एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। मामले की जानकारी मंगलवार को अनुमंडल पुलिस कार्यालय, सिमरिया में आयोजित प्रेस वार्ता में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (आईपीएस) शुभम नागरगोजे भाऊ साहेब ने दी। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना मिली थी कि कुछ व्यक्ति गिद्धौर से अवैध ब्राउन शुगर खरीदकर पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र के भेलवाड़ा मोड़, नावाडीह की ओर बिक्री के उद्देश्य से आ रहे हैं। सूचना के सत्यापन एवं त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। एसडीपीओ शुभम नागरगोजे के नेतृत्व तथा पत्थलगड़ा थाना प्रभारी राकेश कुमार के सहयोग से पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रदीप कुमार साव, निवासी ग्राम तेलियाडीह मिसरौल तथा कृष्णा कुमार साव, निवासी मिसरौल बस्ती, थाना टंडवा, जिला चतरा के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 7.4 ग्राम ब्राउन शुगर, एक मोबाइल फोन तथा एक मोटरसाइकिल बरामद की गई। इस संबंध में पत्थलगड़ा थाना कांड 51/2026 दर्ज किया गया है। दोनों आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी प्रदीप कुमार साव के विरुद्ध पूर्व से भी टंडवा थाना कांड 23/2021 दर्ज है, जिससे उसके आपराधिक गतिविधियों में पहले से संलिप्त रहने की पुष्टि होती है।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची

सर्वसाधारण के लिए सूचना

नाम–सुनिता प्रमाणिक, उम्र–25 वर्ष, उँचाई–5 फिट 1 ईंच, रंग–सॉवला, पहनावा–आसमानी रंग का सूट पायजामा पहनी हुई है।

उपरोक्त लापता महिला सुनिता प्रमाणिक, उम्र–25 वर्ष, पति–कालीचरण ठाकुर, सा0–पेराईडीह, थाना–तमाड, जिला–राँची जो दिनांक –14.07.2026 को घर से बगैर बताए कहीं चली गई जो आजतक अपने घर वापस नहीं आई है। जिसके संबंध में तमाड़ थाना सनहा सं0–12/2026, दिनांक–16.07.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता महिला कहीं मिलती/दिखती है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(rnc-dcb@jhpolice.gov.in)
अनु0 पुलिस पदा0, बुण्डु, राँची। –9431706144
थाना प्रभारी, तमाड़, राँची। –9431706993
आवेदक काली चरण ठाकुर। –8968089197

वरीय पुलिस अधीक्षक, राँची

PR 385536 Police(26-27).D

डीसी ने जनता दरबार में सुनी आमजनों की समस्याएं, आवास, पेंशन भूमि विवाद समेत विभिन्न मामलों के त्वरित निष्पादन का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दरबार में उपायुक्त रवि आनंद ने जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आमजनों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में आवास योजना, सर्वजन पेंशन, भूमि विवाद, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, स्वास्थ्य, राशन कार्ड, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों में लोगों ने अपनी समस्याएं एवं आवेदन उपायुक्त के समक्ष प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने जनशिकायत कोषांग के नोडल पदाधिकारी रितेश कुमार को निर्देश दिया कि जनता दरबार में प्राप्त सभी आवेदनों की ई-जनसमाधान पोर्टल पर समयबद्ध प्रविष्टि सुनिश्चित की जाए। साथ ही सभी मामलों की नियमित समीक्षा एवं अनुश्रवण कर निर्धारित समय सीमा के भीतर निष्पादन किया जाए, ताकि आमजनों को शीघ्र राहत मिल सके।

इस दौरान उपायुक्त ने 14 जुलाई 2026 को आयोजित जनता दरबार में हंटरगंज प्रखंड के ग्राम कटैया निवासी रीता देवी द्वारा दिए गए आवेदन पर हुई कार्रवाई की समीक्षा की। आवेदन के सफल निष्पादन के बाद उन्होंने रीता देवी को सर्वजन पेंशन योजना के अंतर्गत स्वीकृति प्रमाण पत्र भी प्रदान किया।

उपायुक्त ने कहा कि जनता दरबार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी समाधान का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को प्रातः 10:30 बजे से अपराह्न 12:30 बजे तक समाहरणालय परिसर में नियमित रूप से जनता दरबार का आयोजन किया जाता है, जहां आमजन अपनी शिकायतें एवं आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं।

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय लोहरदगा (समाज कल्याण)

अति–अल्पकालीन निविदा सूचना (2nd Call)

वित्तीय वर्ष 2026–27 में राज्य योजनान्तर्गत ''मुख्यमंत्री दिव्यांग कल्याणार्थ योजना'' के तहतलोहरदगा जिला अन्तर्गत विभिन्न प्रखण्डों में निःशक्त व्यक्तियों को विशेष यंत्र एवं उपकरण एवम् वित्तीय वर्ष–2025–26 में मैट्रिक की परीक्षा में प्रथम श्रेणी उर्त्तीण होने वाली तथा बैंचमार्क चलंत दिव्यांगता के कारण चलने फिरने में असमर्थ दिव्यांग छात्राओं को बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल उपलब्ध कराने हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। विशेष यंत्र उपकरणों का नाम निम्न है :–

क्र0	विशेष यंत्र/उपकरण का नाम	क्र0	विशेष यंत्र/उपकरण का नाम
01	ट्राईसाईकिल (वयस्क)	05	श्रवण यंत्र (डिजिटल)
02	व्हील चेयर (वयस्क)	06	ब्लाईण्ड स्टिक
03	वैशाखी (वयस्क/मध्यम)	07	बैटरी ऑपरेटेड ट्राईसाईकिल
04	सी0पी0 वाकर	08	वाकिंग स्टीक

सम्बन्धित नियम एवं शर्तें लोहरदगा जिला के वेबसाइट lohardaga.nic.in तथा जिला समाज कल्याण कार्यालय, लोहरदगा के सूचना पट्ठ पर भी देखा जा सकता है।

निविदादाता मुहर बन्द लिफाफे में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी कार्यालय, न्यू समाहरणालय भवन,लोहरदगा में दिनांक 01.08.2026 को 11:00 बजे पूर्वाहन् तक जमा करेंगे तथा निविदा उसी दिन 02:00 बजे अपराहन् उप विकास आयुक्त, लोहरदगा के कार्यालय कक्ष में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जाएगी।

जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, लोहरदगा।

PR.NO.385521 Lohardaga(26-27):D

वर्षा ऋतु में खान-पान और हमारा पारंपरिक स्वास्थ्य विज्ञान

हमारी परम्परा में जीवन पद्धति में भोजन केवल भूख मिटाने का साधन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, ऋतु और प्रकृति के साथ सामंजस्य स्थापित करने का माध्यम माना गया है। हमारे ऋषि-मुनियों और आयुर्वेदाचार्यों ने हजारों वर्षों के अनुभव के आधार पर यह सिद्ध किया कि प्रत्येक ऋतु के अनुसार भोजन में परिवर्तन करना चाहिए। आयुर्वेद में इसे ऋतुचर्या कहा गया है। इसका उद्देश्य शरीर के दोषों का संतुलन बनाए रखना तथा ऋतु परिवर्तन के कारण उत्पन्न होने वाले रोगों से रक्षा करना है। वर्षा ऋतु को आयुर्वेद में विशेष सावधानी का समय माना गया है। यह केवल मौसम का परिवर्तन नहीं, बल्कि शरीर की पाचन क्षमता, वातावरण और रोगों की प्रकृति में भी बदलाव का काल है। यदि इस समय खान-पान में सावधानी न बरती जाए तो अनेक प्रकार के संक्रमण, पाचन संबंधी विकार और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियां जन्म लेने लगती हैं। वर्षा ऋतु में क्यों बदल जाता है शरीर का स्वभाव ग्रीष्म ऋतु की तीव्र गर्मी के बाद जब वर्षा होती है, तब वातावरण में नमी बढ़ जाती है और सूर्य का प्रकाश कम हो जाता है। आयुर्वेद के अनुसार, इस समय जठराग्नि अर्थात पाचन शक्ति मंद पड़ जाती है। भोजन पहले की अपेक्षा धीरे पचता है और शरीर रोगों के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाता है। यही कारण है कि वर्षा ऋतु में दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा, वायरल संक्रमण तथा त्वचा संबंधी रोगों की संभावना बढ़ जाती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी मानता है कि वर्षा के मौसम में बैक्टीरिया, वायरस और फफूंद तेजी से पनपते हैं। दूषित जल और भोजन अनेक संक्रामक रोगों का कारण बनते हैं। इसलिए इस मौसम में केवल स्वाद नहीं, बल्कि भोजन की शुद्धता, ताजगी और पाचन क्षमता सबसे अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। पूर्वजों की दूरदर्शिताआज की तरह पहले हर मौसम में हर प्रकार की सब्जियां उपलब्ध नहीं होती थीं। इसलिए हमारे पूर्वज वर्षा ऋतु आने से पहले ही उसकी तैयारी कर लेते थे। ग्रीष्म ऋतु में गेहूं, चावल, दाल, गुड़, घी और अन्य आवश्यक खाद्य पदार्थ संग्रहित कर लिए जाते थे। इसी समय दाल की बड़ी, बिजौरी, पापड़, सूखी मिर्च, अमचूर, इमली तथा विभिन्न प्रकार के अचार तैयार किए जाते थे। अनेक क्षेत्रों में सब्जियों और पत्तेदार भाजियों को काटकर धूप में सुखाया जाता था। छत्तीसगढ़ में इन्हें सुखसी, सुखड़ी, सुखौंत, खोइला अथवा खेलरा जैसे नामों से जाना जाता है। मेथी, पालक, लाल भाजी, चौलाई और अन्य सागों को सुखाकर वर्षा ऋतु में उपयोग किया जाता था। मांसाहारी समुदाय भी मछली और मांस को सुखाकर सुरक्षित रखते थे ताकि वर्षा के दिनों में ताजा मांस पर निर्भर न रहना पड़े। यह केवल भोजन संग्रह की व्यवस्था नहीं थी, बल्कि मौसम के अनुकूल जीवन जीने की वैज्ञानिक पद्धति थी। वर्षा ऋतु में क्या खाना चाहिए? आयुर्वेद वर्षा ऋतु में हल्का, गर्म और ताजा भोजन करने की सलाह देता है। मूंग की दाल, पुराना चावल, गेहूं, जौ, सादा खिचड़ी, सूप तथा कम मसालों में बना हुआ भोजन आसानी से पचता है। भोजन में अदरक, काली मिर्च, जीरा, हींग, हल्दी और धनिया जैसे मसालों का सीमित उपयोग पाचन शक्ति को बढ़ाने में सहायक माना गया है। गुनगुना पानी पीना, उबला हुआ जल प्रयोग करना तथा भोजन ताजा बनाकर खाना इस ऋतु में विशेष लाभकारी माना गया है। गुड़, घी और सीमित मात्रा में देशी मसालों का प्रयोग शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है तथा पाचन को भी सहयोग देता है।

किन खाद्य पदार्थों से बचना चाहिए? भारतीय परंपरा में वर्षा ऋतु के दौरान हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन सीमित रखने की सलाह दी गई है। इसका कारण यह है कि इस मौसम में उनमें कीट, अंडे, फफूंद और रोगाणुओं की संभावना बढ़ जाती है। आज भी चिकित्सक बिना अच्छी तरह धोए और पकाए पत्तेदार सब्जियां खाने से बचने की सलाह देते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज: राष्ट्र की अखंडता का अमर प्रतीक

ललित गर्ग

राष्ट्रीय ध्वज किसी भी राष्ट्र का सबसे गौरवपूर्ण प्रतीक होता है। वह केवल रंगों से सजा हुआ एक वस्त्र नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों की सामूहिक चेतना, उनके संघर्ष, उनके बलिदान, उनकी संस्कृति और उनके भविष्य के सपनों का सजीव स्वरूप होता है। जब कोई राष्ट्र अपने ध्वज को सम्मानपूर्वक फहराता है, तब वह केवल एक झंडा नहीं लहराता, बल्कि अपने इतिहास, अपने स्वाभिमान और अपनी राष्ट्रीय अस्मिता को विश्व के समक्ष प्रतिष्ठित करता है। भारत में हर साल 22 जुलाई को राष्ट्रीय ध्वज दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य कारण यह है कि 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज (तिरंगे) को आधिकारिक रूप से अपनाया गया था। यह दिवस हमें अपने राष्ट्रीय गौरव, स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और ध्वज रूपी प्रतीक-जैसे साहस, शांति और समृद्धि की याद दिलाता है। भारत का तिरंगा भी इसी गौरव, त्याग, एकता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। इसकी प्रत्येक लहराती हुई धारा स्वतंत्रता संग्राम के उन असंख्य ज्ञात-अज्ञात वीरों की स्मृति को जीवित करती है, जिन्होंने अपने प्राणों का उत्सर्ग कर इस ध्वज को सम्मान दिलाया। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज हमारे संविधान की मूल भावना, लोकतांत्रिक मूल्यों और विविधता में एकता की महान परंपरा का प्रतिनिधि है। भारत अनेक भाषाओं, धर्मों, संस्कृतियों और परंपराओं वाला विशाल देश है, लेकिन जब तिरंगा आकाश में लहराता है तो सारी विविधताएं एक राष्ट्रीय पहचान में समाहित हो जाती हैं। यही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। वह हमें यह स्मरण कराता है कि हमारी व्यक्तिगत पहचान से ऊपर हमारी राष्ट्रीय पहचान है और राष्ट्र सर्वोपरि है।

राष्ट्रीय ध्वज का महत्व केवल राष्ट्रीय पर्वों तक सीमित नहीं है। यह प्रत्येक नागरिक के जीवन में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और कर्तव्यबोध का संस्कार जगाने वाला प्रेरणा-स्रोत है। विद्यालयों में ध्वजारोहण, सेना के शिविरों में तिरंगे को सलामी, खिलाड़ियों द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में तिरंगे के साथ विजय-उत्सव तथा वैज्ञानिकों द्वारा अंतरिक्ष अभियानों में राष्ट्रीय ध्वज का प्रदर्शन-ये सभी दृश्य हमें यह अनुभव कराते हैं कि ध्वज केवल एक प्रतीक नहीं, बल्कि राष्ट्रीय गौरव की जीवंत अभिव्यक्ति है। भारतीय तिरंगे का प्रत्येक रंग अपने भीतर एक गहन संदेश समेटे हुए है। केसरिया रंग हमें त्याग, साहस और निस्वार्थ नेतृत्व की प्रेरणा देता है। यह बताता है कि राष्ट्र के निर्माण में व्यक्तिगत स्वार्थों का नहीं, बल्कि समर्पण और बलिदान का महत्व है। सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का प्रतीक है। यह हमें जीवन और शासन दोनों में नैतिकता तथा सद्भाव बनाए रखने का संदेश देता है। हरा रंग समृद्धि, प्रकृति, कृषि और विकास का प्रतीक है, जो भारत की जीवनदायिनी धरती और उसके उज्ज्वल भविष्य की ओर संकेत करता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित गहरे नीले रंग का अशोक चक्र गतिशीलता, न्याय, धर्म और सतत प्रगति का संदेश देता है। यह हमें याद दिलाता है कि ठहराव मृत्यु है और निरंतर आगे बढ़ना ही जीवन का नियम है।

राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान इसलिए भी आवश्यक है क्योंकि वह केवल वर्तमान पीढ़ी का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की राष्ट्रीय चेतना का आधार है। यदि किसी समाज में राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान कम होने लगे, तो धीरे-धीरे राष्ट्रीय एकता, सामाजिक विश्वास और सामूहिक उत्तरदायित्व भी कमजोर होने लगते हैं। राष्ट्र पहले भावनाओं से जुड़ता है, बाद में व्यवस्थाओं से। राष्ट्रीय ध्वज उन्हीं भावनाओं का सबसे शक्तिशाली माध्यम है। दुर्भाग्य की बात है कि समय-समय पर कुछ सामाजिक और राजनीतिक तत्व अपने तात्कालिक स्वार्थों, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा या वैचारिक कटुता के कारण राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बना देते हैं। कभी राष्ट्रीय ध्वज को राजनीतिक मंचों पर अनावश्यक विवादों में घसीटा जाता है, कभी उसकी गरिमा को कम करने वाले वक्तव्य दिए जाते हैं और कभी उसे केवल दलगत दृष्टि से देखने का प्रयास किया जाता है। यह प्रवृत्ति अत्यंत चिंताजनक है, क्योंकि राष्ट्रीय प्रतीक किसी दल, सरकार या विचारधारा के नहीं होते, वे पूरे राष्ट्र की साझा धरोहर होते हैं। सरकारें बदलती रहती हैं, राजनीतिक दल आते-जाते रहते हैं, लेकिन राष्ट्रीय ध्वज सदैव राष्ट्र की स्थायी पहचान बना रहता है।

जब राष्ट्रीय प्रतीकों का उपयोग राजनीतिक लाभ या विरोध का माध्यम बन जाता है, तब सबसे अधिक क्षति राष्ट्र की सामूहिक चेतना को होती है। लोकतंत्र में सरकार की आलोचना करना नागरिक का अधिकार है, नीतियों पर प्रश्न उठाना स्वस्थ परंपरा है, किंतु राष्ट्रीय ध्वज, राष्ट्रगान, संविधान और अन्य राष्ट्रीय प्रतीकों को विवाद का विषय बनाना लोकतांत्रिक मयार्दाओं के विपरीत है। राजनीतिक मतभेद राष्ट्रभक्ति के स्थान पर नहीं आ सकते। राष्ट्र से ऊपर कोई दल, कोई नेता और कोई विचारधारा नहीं हो सकती। कुछ लोग यह भूल जाते हैं कि राष्ट्रीय ध्वज पर आक्षेप वास्तव में उन लाखों बलिदानों का अनादर है, जिनके कारण यह ध्वज आज स्वतंत्र आकाश में लहरा रहा है। भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, नेताजी सुभाषचंद्र बोस, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, रानी लक्ष्मीबाई और असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों का संघर्ष किसी दल के लिए नहीं, बल्कि इसी तिरंगे के सम्मान के लिए था। इसलिए राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान करना केवल संवैधानिक दायित्व नहीं, बल्कि ऐतिहासिक उत्तरदायित्व भी है। आज आवश्यकता इस बात की है कि राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान केवल औपचारिक अवसरों तक सीमित न रहे। यह हमारे व्यवहार, विचार और सार्वजनिक जीवन का स्थायी संस्कार बने। विद्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज के इतिहास और उसके मूल्यों का समुचित अध्ययन कराया जाए। युवाओं को यह बताया जाए कि तिरंगा केवल स्वतंत्रता दिवस और गणतंत्र दिवस का प्रतीक नहीं, बल्कि प्रत्येक दिन राष्ट्र के प्रति उत्तरदायित्व का स्मरण कराने वाला प्रेरक ध्वज है। सामाजिक संगठनों, सांस्कृतिक संस्थाओं और मीडिया को भी इस दिशा में सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

आज डिजिटल युग में भी राष्ट्रीय ध्वज का महत्व और बढ़ गया है। सोशल मीडिया पर उसकी गरिमा बनाए रखना, उसके उपयोग में संवैधानिक मयार्दाओं का पालन करना और राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीतिक प्रचार का साधन न बनने देना हम सभी का दायित्व है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की आत्मा है, लेकिन स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी होती है। राष्ट्रीय सम्मान की रक्षा उसी जिम्मेदारी का सर्वोच्च स्वरूप है। राष्ट्रीय ध्वज हमें यह भी सिखाता है कि सच्चा राष्ट्रप्रेम केवल नारों में नहीं, बल्कि आचरण में दिखाई देता है। ईमानदारी से अपना कार्य करना, कानून का पालन करना, सामाजिक सौहार्द बनाए रखना, पर्यावरण की रक्षा करना, करों का ईमानदारी से भुगतान करना, समाज के कमजोर वर्गों के प्रति संवेदनशील रहना और राष्ट्रहित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना-ये सभी तिरंगे के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि हैं। केवल ध्वज फहराना पर्याप्त नहीं, उसके आदर्शों को जीवन में उतारना अधिक आवश्यक है।

भारत आज विश्व मंच पर नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष, खेल, अर्थव्यवस्था और कूटनीति के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियां तिरंगे की प्रतिष्ठा को और ऊंचा कर रही हैं। जब भारतीय वैज्ञानिक चंद्रमा पर सफलता का इतिहास रचते हैं, जब कोई खिलाड़ी ओलंपिक में तिरंगा लहराता है, जब सेना का जवान सीमा पर तिरंगे की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान देता है, तब यह स्पष्ट हो जाता है कि राष्ट्रीय ध्वज केवल कपड़े का एक टुकड़ा नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की आशाओं, आकांक्षाओं और आत्मगौरव का अमर प्रतीक है। अंततः राष्ट्रीय ध्वज हमारी राष्ट्रीय आत्मा का दृश्य रूप है। वह हमें जोड़ता है, प्रेरित करता है और यह विश्वास दिलाता है कि मतभेदों के बावजूद हम एक हैं। उसकी गरिमा की रक्षा करना केवल सरकार का नहीं, प्रत्येक नागरिक का नैतिक और राष्ट्रीय दायित्व है। जिस दिन प्रत्येक भारतीय यह समझ लेगा कि तिरंगे का सम्मान वास्तव में अपने राष्ट्र, अपने इतिहास और अपने भविष्य का सम्मान है, उस दिन राष्ट्रीय एकता और लोकतांत्रिक चेतना की जड़ें और अधिक सुदृढ़ होंगी। तिरंगा हमारी आन है, हमारी बान है, हमारी शान है और हमारे अमर राष्ट्रीय स्वाभिमान का सर्वोच्च प्रतीक है। इसकी प्रतिष्ठा में ही भारत की प्रतिष्ठा निहित है।

लिव-इन रिलेशनशिप : स्वतंत्रता नहीं, स्वच्छंदता

प्रो. मनोज कुमार

लिव-इन रिलेशनशिप क्या भारतीय समाज और उसकी व्यवस्था के अनुरूप है? क्या इससे सामाजिक ताना-बाना छिन्न-भिन्न नहीं हो रहा है? बिलकुल इस नए किस्म के रिश्ते से कई तरह की समस्या उत्पन्न हो रही हैं। आए दिन अपराध के जो नए-नए मामले आ रहे हैं, वह कानूनी दृष्टि से एक बड़ी समस्या बन चुकी है तो समाज में अविश्वास का भाव उत्पन्न हो रहा है। जिस सनातनी समाज की हम कल्पना करते हैं, वहां वसुधैव कुटुंबकम की बात करते हैं, वहां इस तरह के नए रिश्तों को कोई जगह नहीं है। अलग-अलग किस्म के सर्वे में इस बात पर जोर दिया जा रहा है कि अब लड़कियां जल्द शादी नहीं करना चाहती हैं। कई ऐसे सेलिब्रेटी हैं जिन्होंने पिछले दिनों भारतीय विवाह संस्था को बेकार और बेकाम साबित करने वाले बयान दिए हैं। भारतीय वैवाहिक संस्था किसी धर्म के आधार पर नहीं बल्कि सुविचारित अनादिकाल से बनी हुई है। विवाह का अर्थ केवल संतान उत्पन्न करना नहीं है अपितु दो परिवार आपस में मिलते हैं और समग्र विकास, सहयोग और विश्वास का रिश्ता बनता है। यही भारतीयता का मूल आधार है लेकिन लिव-इन रिलेशनशिप ने जैसे इसे ताक पर रख दिया है।

जब हम कानून के परिप्रेक्ष्य में चर्चा करते हैं तो कानून समाज में सभी के अधिकारों की बात करता है और इसे उसका दायित्व माना जा सकता है। जैसा कि लिव-इन रिलेशनशिप के लिए व्यक्तिगत स्वतंत्रता और संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हिस्सा माना है। इस पर समाज में लंबे समय से विमर्श चल रहा है और बातें आगे भी होती रहेंगी। इस संबंध में मध्य प्रदेश सरकार ने प्रस्तावित यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) के अंतर्गत लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर कई महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए हैं।

यह कानून वर्तमान समय में सामाजिक और कानूनी दृष्टि से चर्चा का प्रमुख विषय बना हुआ है। सरकार का उद्देश्य लिव-इन संबंधों को कानूनी मान्यता प्रदान करने के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। संभव है कि जल्द ही प्रस्तावित प्रावधान अमल में लाया जा सके। सरकार जो कर सकती है, वह कर रही है।

प्रस्तावित नए कानून में सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान यह है कि लिव-इन संबंध में रहने वाले जोड़ों को अपने संबंध का पंजीकरण एक निर्धारित समय सीमा, अर्थात एक महीने के भीतर कराना अनिवार्य होगा। सरकार का मानना है कि इससे संबंधों में पारदर्शिता आएगी तथा भविष्य में उत्पन्न होने वाले विवादों को कम किया जा सकेगा। प्रस्तावित कानून के अनुसार यदि कोई व्यक्ति निर्धारित समय में अपने लिव-इन संबंध का पंजीकरण नहीं कराता है, तो उसके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। कुछ रिपोर्टों के अनुसार नियमों के उल्लंघन पर दंड और कारावास का प्रावधान भी प्रस्तावित किया गया है। इसका उद्देश्य लोगों को कानून का पालन करने के लिए प्रेरित करना है।

सरकार की चिंता इस बात से जाहिर होती है कि इस कानून का एक महत्वपूर्ण पहलू महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा है। कई बार लिव-इन संबंधों में महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और कानूनी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। संबंध टूटने की स्थिति में महिलाओं के लिए भरण-पोषण, संपत्ति और बच्चों की देखभाल से जुड़े प्रश्न उत्पन्न होते हैं। प्रस्तावित कानून इन समस्याओं के समाधान के लिए एक कानूनी ढांचा प्रदान करने का प्रयास करता है। महिलाओं को सुरक्षा देने के लिए इसके अतिरिक्त, लिव-इन संबंधों से जन्म लेने वाले बच्चों को भी समान अधिकार देने का प्रावधान किया गया है। सरकार का मानना है कि किसी बच्चे के अधिकार उसके माता-पिता की वैवाहिक स्थिति पर निर्भर नहीं होने चाहिए। इसलिए ऐसे बच्चों को उत्तराधिकार और अन्य कानूनी अधिकार प्रदान करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं।

उपरोक्त बिंदु से सरकार की मंशा साफ है कि वह हर स्थिति में ऐसे रिश्ते में रहने वाली स्त्री को सुरक्षा दिलाना चाहती है। अब इसके बाद समाज का दायित्व होता है कि कानूनन लिव-इन रिलेशनशिप भले ही नाजायज ना हो लेकिन समाज की दृष्टि में वह जायज नहीं है। भारतीय कानून ने ही विवाह के लिए लडके और लडकी की उम्र का निर्धारण कर उसे वयस्क अथवा अवस्यक बताया है। रूढ़िवादी भारतीय समाज का मानस बदलने के लिए राजा राममोहन राय ने विधवा विवाह परंपरा की शुरूआत की। जो लोग अकेले हो गए हैं, उसे सनातनी संस्कृति में नवजीवन शुरू करने का प्रावधान है फिर यह लिव-इन रिलेशनशिप जैसे रिश्तों में उलझने की जरूरत ही क्या है।

जब लोग लिव-इन रिलेशनशिप के खतरे को समझ जाएंगे या मानने लगेंगे तो सरकार और कानून पर पड़ने वाला अतिरिक्त दबाव स्वयमेव समाप्त हो जाएगा। कथित विकासवादी सोच के लोगों के लिए लिव-इन रिलेशनशिप जरूरी हो सकता है औवे राज्य शासन के प्रस्तावित प्रावधान के खिलाफ हैं। प्रावधान पर कुछ आलोचकों का कहना है कि लिव-इन संबंध व्यक्तिगत स्वतंत्रता का विषय है और अनिवार्य पंजीकरण से निजता के अधिकार पर प्रभाव पड़ सकता है। उनका मानना है कि राज्य को व्यक्तिगत संबंधों में अत्यधिक हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।

वहीं कुछ लोग इसे महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम मानते हैं। कानूनी विशेषज्ञों का मत है कि यदि इस कानून को संतुलित तरीके से लागू किया जाए, तो यह सामाजिक न्याय की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है। विशेष रूप से उन महिलाओं के लिए, जिन्हें लिव-इन संबंध टूटने के बाद कानूनी संरक्षण प्राप्त नहीं हो पाता, यह कानून सहायक सिद्ध हो सकता है। दूसरी ओर, कानून बनाते समय व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के संवैधानिक अधिकारों का भी ध्यान रखना आवश्यक है।

कुछ सामाजिक विचारकों और पारंपरिक दृष्टिकोण रखने वाले लोगों के अनुसार लिव-इन रिलेशनशिप को कानूनी मान्यता मिलने से विवाह संस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। विवाह भारतीय समाज की एक प्राचीन और महत्वपूर्ण सामाजिक संस्था रही है, जो केवल दो व्यक्तियों का नहीं बल्कि दो परिवारों का भी संबंध मानी जाती है। यदि बिना विवाह के साथ रहने को कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है, तो युवाओं में विवाह के प्रति प्रतिबद्धता और उसकी सामाजिक महत्ता कम हो सकती है।

लिव-इन संबंध अपेक्षाकृत कम औपचारिक और आसानी से समाप्त किए जा सकने वाले संबंध माने जाते हैं। इससे दीर्घकालिक पारिवारिक स्थिरता प्रभावित होने की आशंका व्यक्त की जाती है। कुछ लोगों का मानना है कि इससे विवाह, परिवार और पारंपरिक सामाजिक मूल्यों के प्रति लोगों की आस्था कमजोर हो सकती है। इसके अतिरिक्त, पारिवारिक जिम्मेदारियों, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा बच्चों के पालन-पोषण से जुड़ी पारंपरिक धारणाओं में भी परिवर्तन आ सकता है। यह एक दृष्टिकोण मात्र है।

कई विशेषज्ञों का मत है कि किसी भी संबंध की मजबूती केवल कानूनी व्यवस्था पर नहीं, बल्कि आपसी विश्वास, जिम्मेदारी और सामाजिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। इसलिए विवाह संस्था पर वास्तविक प्रभाव समय के साथ सामाजिक परिवर्तनों के आधार पर ही स्पष्ट हो सकेगा। कहा जा सकता है कि मध्य प्रदेश में लिव-इन रिलेशनशिप से संबंधित प्रस्तावित कानून भारतीय समाज और कानूनी व्यवस्था में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन का संकेत देता है। यह कानून एक ओर महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को मजबूत करने का प्रयास करता है, वहीं दूसरी ओर व्यक्तिगत स्वतंत्रता और निजता के अधिकार को लेकर नई बहस उत्पन्न हो गई है।

समय-समय पर डॉक्टर भी सजग करते रहे हैं कि अधिक उम्र में विवाह अनेक शारीरिक समस्या का कारण बनता है, खासतौर पर मां-बाप बनने में वहीं लिव-इन रिलेशनशिप में आप संतान उत्पत्ति के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन बच्चे के कानूनी अधिकार पर सब खामोश हैं और ऐसे में राज्य सरकार का प्रावधान अनुकूल है। भारतीय समाज में यह अंधानुकरण भविष्य के लिए खतरा साबित हो रहा है।

सूडोकु नवताल- 7863

✶✶✶✶✶ मध्यम

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7862 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

संसद मार्च : सीजेपी की अराजकता, ये भारत के युवा नहीं हो सकते?

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

दिल्ली में संसद मार्च के दौरान सामने आए दृश्य आज प्रत्येक देशभक्त भारतवासी को चिंता में डाल रहे हैं। जिसने भी इन्हें देखा, प्रतिक्रिया एक ही सामने आ रही थी, ये अराजकता भारत के युवा चरित्र पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि लोकतांत्रिक विरोध के नाम पर बैरिकेड तोड़े जाएं, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जाए, पुलिस पर पथराव हो, संसद तक बलपूर्वक पहुंचने का प्रयास किया जाए और सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषणों तथा अपुष्ट सूचनाओं के माध्यम से वातावरण को और उग्र बनाया जाए, तब स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि क्या यही वह युवा है, जिसकी कल्पना स्वामी विवेकानन्द, महर्षि अरविन्द, महात्मा गांधी और डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जैसे भारत के महान देशभक्तों ने की थी?

स्वामी विवेकानन्द ने भारत के युवाओं के लिए ऊजार्वान के साथ चरित्रवान होने का स्वप्न देखा था। उनका प्रसिद्ध कथन है, "हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र का निर्माण हो, मन की शक्ति बढ़े, बुद्धि का विकास हो और मनुष्य अपने पैरों पर खड़ा हो सके।" उन्होंने युवाओं से "उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य प्राप्त न हो जाए" का आह्वान अवश्य किया, किंतु कहीं भी यह नहीं कहा कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए कानून तोड़ो, हिंसा करो या समाज में अराजकता फैलाओ। विवेकानन्द के लिए युवा वह था, जो अपने आत्मबल, संयम और राष्ट्रभक्ति से समाज का नेतृत्व करे।

महर्षि अरविन्द भी भारत के युवाओं को राष्ट्र की आध्यात्मिक और नैतिक शक्ति मानते हैं। उनका विश्वास है कि भारत का पुनर्जागरण राजनीतिक के स्थान पर चरित्रवान युवाओं से होगा, क्योंकि राष्ट्र निर्माण का आधार आत्मानुशासन है। यही कारण है कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जितने भी महान युवा सामने आए, उन्होंने संघर्ष अवश्य किया, परंतु राष्ट्र की संपत्ति को नष्ट करना, समाज में भय का वातावरण बनाना अथवा भीड़ के उन्माद को नेतृत्व मानना कभी स्वीकार नहीं किया।

यहां महात्मा गांधी के विचारों को भी समझना उपर्युक्त होगा, वे कहते हैं, "अहिंसा निर्बलों का नहीं, वीरों का अस्त्र है।" लोकतंत्र में असहमति का अधिकार मौलिक है, किंतु हिंसा किसी भी आंदोलन की नैतिक शक्ति को समाप्त कर देती है। यदि किसी आंदोलन का परिणाम आम नागरिकों की पीड़ा, सार्वजनिक संपत्ति की क्षति और कानून-व्यवस्था का संकट बन जाए, तो वह जनांदोलन कैसे कहला सकता है? वह तो लोकतांत्रिक मयार्दाओं को तोड़ने का कार्य है। विरोध और विध्वंस में यही मूल अंतर है, जिसे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) को अपने प्रदर्शन के दौरान समझना चाहिए था।

क्या आज हम इस तथ्य को नजरअंदाज कर सकते हैं कि भारत विश्व का सबसे युवा राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष (यूएनएफपीए) के अनुसार देश की लगभग 65 प्रतिशत जनसंख्या 35 वर्ष से कम आयु की है। यही युवा भारत की सबसे बड़ी शक्ति है, किंतु यदि यह शक्ति राष्ट्र निर्माण के स्थान पर अराजकता की दिशा में मुड़ जाए, तब फिर क्या कहा जाएगा, सच पूछिए तो यही स्थिति एक सफल देश के लिए उसकी सबसे बड़ी त्रासदी बन जाती है, जैसा कि दृश्य दिल्ली में दिखा है।

संसद मार्च के दौरान जो घटनाएं सामने आईं, वस्तुतः उनमें प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, यातायात का ठप हो जाना तथा सोशल मीडिया पर उग्र और विवादित वीडियो का प्रसार, इन सबने लोकतांत्रिक विरोध और भीड़तंत्र के बीच की रेखा को आज पुनः चर्चा के केंद्र में ला दिया है। कई वायरल वीडियो की आधिकारिक पुष्टि नहीं होने के बाद भी जिस तरह से उनका प्रसार किया जा रहा था, उससे यही समझ आता है कि भारत को कैसे अराजक बनाया जा सकता है, इसके लिए लगता है, देश में कई शक्तियां कार्य कर रही हैं जोकि इस शांति मार्च के नाम पर एक साथ आती हुई दिखीं।

एक दूसरा दृश्य भी भारत में दिखता है, जिसमें स्टार्टअप, डिजिटल अर्थव्यवस्था, अंतरिक्ष विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा उत्पादन और वैश्विक नेतृत्व की ओर तेजी से बढ़ना शामिल। चंद्रयान, आदित्य-एल1, डिजिटल भुगतान, नवाचार और विश्वस्तरीय स्टार्टअप पारिस्थितिकी ने यह सिद्ध किया है कि जब भारतीय युवा अपनी प्रतिभा का उपयोग निर्माण में करता है, तो वह पूरी दुनिया को चकित कर देता है। दूसरी ओर जब इन्हीं युवाओं का एक वर्ग अपनी ऊर्जा हिंसा, तोड़फोड़ और भीड़ के उन्माद में व्यर्थ करता दिखता है, तो यह राष्ट्रीय क्षमता की हानि के रूप में दिखाई देता है।

इस पूरे घटनाक्रम का एक और चिंताजनक पक्ष सोशल मीडिया की भूमिका है। आज कुछ सेकंड का वीडियो लाखों लोगों की भावनाओं को प्रभावित कर देता है। बिना सत्यापन के प्रसारित दावे, उत्तेजक भाषण और आधी-अधूरी सूचनाएं भीड़ को भड़काने का माध्यम बन जाती हैं। उन राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना चाहिए, जोकि अपने हित में देश की युवा शक्ति का गलत इस्तेमाल करते हैं। युवा शक्ति को राजनीतिक प्रदर्शन का औजार बनाना किसी भी लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत कभी नहीं हो सकता। ध्यान रहे, लोकतंत्र में सत्ता बदल सकती है, सरकारें बदल सकती हैं, लेकिन यदि युवा पीढ़ी का चरित्र बदल गया तो उसकी भरपाई किसी राजनीतिक परिवर्तन से नहीं हो सकेगी।

दैनिक पंचांग

22 जुलाई 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कर्क में
चंद्र	तुला में
मंगल	वृष में
बुध	मिथुन में
गुरु	कर्क में
शुक्र	सिंह में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
कर्क	05.03 बजे से
सिंह	07.23 बजे से
कन्या	09.35 बजे से
तुला	11.46 बजे से
वृश्चिक	14.01 ब.से
धनु	16.17 बजे से
मकर	18.22 बजे से
कुंभ	20.08 बजे से
मीन	21.41 बजे से
मेष	23.12 बजे से
वृष	00.52 बजे से
मिथुन	02.50 बजे से

बुधवार 2026 वर्ष का 203 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास आषाढ़ **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी अहोरात्र।
नक्षत्र स्वाती 23.04 बजे को समाप्त।
योग साध्य 18.42 बजे को समाप्त।
करण बालव 18.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 7.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 19'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872778
जूलियन दिन 2461243.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना सफर
तारीख 07
विशेष भड़ली नवमी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक		उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक	
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक		शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक	
काल	08.15 से	10.19 बजे तक		अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक	
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक		चर	10.16 से	11.47 बजे तक	
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक		रोग	11.47 से	01.19 बजे तक	
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक		काल	01.19 से	02.51 बजे तक	
चर	02.44 से	04.12 बजे तक		लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक	
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक		उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

एक नजर

मूसलाधार बारिश से रेलवे ट्रैक डूबा, यात्री परेशान

साहिबगंज : पिछले दिनों हुई मूसलाधार बारिश ने मिर्जाचौकी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। लगातार बारिश के बाद स्टेशन के समीप मुख्य रेलवे ट्रैक जलमग्न हो गया, जिससे रेल परिचालन को लेकर चिंता बढ़ गई है। हावड़ा मेन लाइन के इस अति व्यस्त रेलखंड पर जलजमाव की स्थिति ने यात्रियों और स्थानीय लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। रेलवे ट्रैक पर कई फीट तक पानी जमा हो जाने से एसएच-21 शंट सिग्नल का निचला हिस्सा भी पानी में डूब गया है। ट्रैक पर लगे सिग्नल सिस्टम के चारों ओर पानी भर गया है, जबकि ओवरहेड विद्युतीकरण के पोलों के बीच दूर तक जलजमाव का दृश्य देखा जा सकता है। ट्रैक किनारे कचरा और मलबा बहकर आने से जल निकासी व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में मिजाचौकी रेलवे स्टेशन क्षेत्र में हर वर्ष ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है, लेकिन स्थायी समाधान के लिए अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। उनका कहना है कि रेलवे ट्रैक पर जलजमाव होने से ट्रेनों की सुरक्षित आवाजाही प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। सूत्रों के अनुसार रेल प्रशासन ट्रैक से पानी निकालने के प्रयास कर रहे हैं। एहतियात के तौर पर इस रेलखंड से गुजरने वाली ट्रेनों को फिलहाल धीमी गति से संचालित किया जा रहा है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। लगातार हो रही बारिश के बीच ट्रैक पर जलजमाव की यह स्थिति एक बार फिर रेलवे की जल निकासी व्यवस्था पर प्रश्नचिह्न खड़ा कर रही है। स्थानीय लोगों ने रेल प्रशासन से स्थायी जल निकासी व्यवस्था करने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी समस्याओं से निजात मिल सके।

शिविर में ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए लोगों ने किया आवेदन जमा

साहिबगंज/उधवा : साहिबगंज एसडीओ सह प्रभारी जिला परिवहन पदाधिकारी अमर जॉन आईंद के निदेशानुसार उधवा प्रखंड मुख्यालय में मंगलवार को आम जनता को ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु एक विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से लोगों ने बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जानकारी के अनुसार शिविर में 50 से अधिक लोगों ने ड्राइविंग लाइसेंस के लिए आवेदन जमा किया। जिला परिवहन कार्यालय के द्वारा प्रतिनियुक्त अधिकारियों ने आवेदकों के दस्तावेजों की जांच व अन्य प्रक्रिया के बाद 25 आवेदकों के आवेदन स्वीकृत किया। प्रतिनियुक्ति कर्मी ने बताया कि आगामी 23 जुलाई को भी उधवा प्रखंड मुख्यालय में शिविर आयोजित की जाएगी। मौके पर ऑपरेटर जगन्नाथ, सुमित कुमार, ऋतिक कुमारी, अजय साहा सहित अन्य मौजूद थे।

सर्पदंश से एक युवक हुआ मूर्छित, इलाजरत

साहिबगंज : जिले के राजमहल थाना क्षेत्र के मखानी गांव में सोमवार को सर्पदंश की घटना में एक युवक अचेत हो गया। घायल की पहचान मखानी गांव निवासी शंभू पंडित (33), पिता गोपाल पंडित के रूप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार शंभू पंडित धान के खेत में जंगल की सफाई कर रहे थे। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे एक विषैले सांप ने उन्हें काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और वह अचेत होकर गिर पड़े। घटना के बाद परिजनों ने उन्हें आनन-फानन में इलाज के लिए राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया। जहां अस्पताल में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें भर्ती कर लिया। फिलहाल उनका इलाज चल रहा है और चिकित्सकों की निगरानी में उनकी स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

जन समाधान दिवस पर डीसी ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं समयबद्ध समाधान के दिए निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : ज़िले के समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में मंगलवार को आयोजित जन समाधान दिवस के अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को नियमानुसार त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जन समाधान दिवस के दौरान नागरिकों ने व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मामलों में आवेदन प्रस्तुत किए। प्राप्त आवेदनों में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, कुमारभाजा एवं राजबाड़ी में अतिथि शिक्षकों के चयन प्रक्रिया में कथित अनियमितता एवं चयन पर पुनर्विचार, उत्क्रमित मध्य विद्यालय में वर्ष 2023-24 के चारदीवारी निर्माण कार्य की बकाया राशि के भुगतान, प्रमीला हेम्ब्रम एवं अन्य के द्वारा हथियार से लैस होकर घर में जबरन प्रवेश कर तोड़फोड़ एवं लूटपाट किए जाने, संस्थान द्वारा स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (टीसी) निर्गत कराने हेतु निर्देश दिए जाने सहित अन्य जनहित से संबंधित विभिन्न आवेदन शामिल थे। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी मामलों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रत्येक आवेदन की निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जन समाधान दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद, विश्वास एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी मंच है। इस पहल के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याओं को सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं, जिससे मामलों के निष्पादन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गति सुनिश्चित होती है। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से प्राप्त हो सके। जिला प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक तक न्याय, सुविधा एवं सरकारी सेवाओं की समयबद्ध पहुँच सुनिश्चित करना है।

पाकुड़ में अवैध विदेशी शराब कारोबार का भंडाफोड़, आरोपी गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पाकुड़ : जिले के मालपहाड़ी ओपी क्षेत्र अंतर्गत पत्थरघट्टा (पहाड़ियाटोला) में पुलिस ने अवैध विदेशी शराब के कारोबार का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके घर पर छापेमारी के दौरान भारी मात्रा में विदेशी शराब और बीयर बरामद की गई। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अधीक्षक अनुदीप सिंह को 20 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी कि पत्थरघट्टा (पहाड़ियाटोला) निवासी सुरेश पहाड़िया उर्फ बुधना पहाड़िया (33 वर्ष) अपने निजी घर से अवैध रूप से विदेशी शराब की खरीद-बिक्री कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एसपी के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुमार गौरव के नेतृत्व में विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम ने आरोपी के घर पर छापेमारी कर रॉयल स्टेग कंपनी की 350 एमएल की 3 बोतल, 180 एमएल की 36 बोतल तथा किंगफिशर कंपनी की 650 एमएल की 46 बोतल बीयर बरामद की। पुलिस ने मौके से सुरेश पहाड़िया उर्फ बुधना पहाड़िया, पिता स्वर्गीय नेपाल पुजहर, निवासी ग्राम पत्थरघट्टा (पहाड़ियाटोला), थाना मालपहाड़ी ओपी को गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में मालपहाड़ी ओपी थाना कांड संख्या 180/2026 के तहत उत्पाद अधिनियम की धारा 47(ए) में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

भारी बारिश से दुर्गाटोला पंचायत में तबाही, चम्पा पहाड़ का संपर्क कटा, पुलिया-सड़कें क्षतिग्रस्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखंड क्षेत्र में पिछले कई दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। भारी बारिश और जलभराव के कारण दुर्गाटोला पंचायत के चम्पा पहाड़ क्षेत्र का मुख्य संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट गया है। इससे इलाके के हजारों ग्रामीणों की आवाजाही ठप हो गई है।लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में जगह-जगह मिट्टी का भारी कटाव हुआ है। तेज बहाव की चपेट में आने से चम्पा पहाड़ जाने वाली मुख्य सड़क का एक बड़ा हिस्सा बह गया है। वहीं क्षेत्र की एक महत्वपूर्ण पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो गई है। सड़क और पुलिया टूटने से चंम्पा पहाड़ और आसपास के गांवों का संपर्क प्रखंड मुख्यालय से पूरी तरह कट गया है। संपर्क टूटने से ग्रामीणों को रोजमर्रा के काम में भारी परेशानी हो रही है। स्कूली बच्चे, दिहाड़ी मजदूर और बुजुर्गों को आवागमन में जान जोखिम में डालनी पड़ रही है। बीमार लोगों को अस्पताल ले जाने और आपातकालीन सेवाओं को पहुंचने में भी दिक्कतें आ रही हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द वैकल्पिक रास्ता नहीं बनाया गया या पुलिया की मरम्मत नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। घटना की सूचना के बाद स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तुरंत हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि युद्धस्तर पर राहत और बचाव कार्य शुरू कर क्षतिग्रस्त सड़क और पुलिया की मरम्मत कराई जाए, ताकि क्षेत्र का संपर्क जल्द बहाल हो सके। बारिश थमने के बाद भी जलजमाव और कीचड़ के कारण स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है।

महेशपुर में एसआईआर अभियान को लेकर झामुमो की बैठक

बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने का निर्णय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

महेशपुर : पाकुड़ जिले के महेशपुर प्रखंड कार्यालय के सभागार में मंगलवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रखंड समिति की महत्वपूर्ण बैठक प्रखंड अध्यक्ष अब्दुल वदूद की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण (सआईआर) अभियान को सफल बनाने तथा प्रखंड के प्रत्येक पात्र मतदाता की शत-प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तृत रणनीति बनाई गई। बैठक में झामुमो के जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम, वरीय जिला उपाध्यक्ष सह केंद्रीय समिति सदस्य हरिवंश चौबे तथा केंद्रीय समिति सदस्य उपासना मरांडी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। नेताओं ने कार्यकर्ताओं के साथ रक्फ़ अभियान की प्रगति की समीक्षा करते हुए आगामी दिनों की कार्ययोजना पर चर्चा की। बैठक में निर्णय लिया गया कि महेशपुर प्रखंड का कोई भी पात्र मतदाता इस अभियान से वंचित नहीं रहना चाहिए।

इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर तक सक्रिय होकर घर-घर जनसंपर्क करने, मतदाताओं को जागरूक करने तथा आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई। साथ ही संबंधित बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर ऑनलाइन पंजीकरण से वंचित मतदाताओं का शीघ्र पंजीकरण कराने पर भी जोर दिया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अजीजुल इस्लाम ने कहा कि एसआईआर अभियान लोकतांत्रिक प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है और प्रत्येक पात्र नागरिक का मतदाता सूची में नाम दर्ज होना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में जाकर मतदाताओं को फॉर्म भरने में सहायता करें तथा जिनका ऑनलाइन पंजीकरण नहीं हो पाया है, उन्हें समय रहते पूरा कराएं।

करोड़ों की सड़क तो बनी, पर पुलिया का एप्रोच पथ नहीं बना, ग्रामीण परेशान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले के बोरियो प्रखण्ड के चसगांवा पंचायत अंतर्गत मुख्यमंत्री सड़क योजना के तहत जमाई टोला से मांझी टोला तक बनाई गई सड़क ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। करोड़ों रुपये की लागत से बनी इस सड़क पर विद्यालय के पास पुलिया का संपर्क (एप्रोच) पथ नहीं बनने के कारण आम लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश के कारण पुलिया के दोनों तरफ गहरा कीचड़ जमा हो गया है। इससे पैदल चलने वाले, बाइक सवार और स्कूली बच्चे रोज फिसलकर गिर रहे हैं।स्थानीय ग्रामीण मोहित सागर ने बताया कि सरकार ने सड़क निर्माण में करोड़ों रुपये खर्च किए हैं, लेकिन संवेदक की लापरवाही के कारण पुलिया का संपर्क पथ अब तक नहीं बनाया गया। इसी वजह से पूरी सड़क होने के बावजूद लोग इसका सही से उपयोग नहीं कर पा रहे हैं। वहीं, ग्रामीणों का कहना है कि विद्यालय के बगल में पुलिया होने के कारण बच्चों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। बरसात में कीचड़ और फिसलन के कारण अभिभावक भी बच्चों को विद्यालय भेजने से डर रहे हैं।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि पुलिया का संपर्क पथ कार्य अविलंब पूरा कराया जाए, ताकि लोगों को आवागमन में हो रही परेशानी से राहत मिल सके।

किशोरियों के सर्वांगीण सशक्तिकरण को लेकर श्रीकुंड गुमानी +2 उच्च विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज: जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, साहिबगंज के मार्गदर्शन में मिल्ल +2 उच्च विद्यालय, श्रीकुंड गुमानी (बरहरवा) में किशोरियों के सर्वांगीण विकास, सुरक्षा एवं सशक्तिकरण को केंद्र में रखते हुए एक व्यापक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, डायन प्रथा उन्मूलन, डिजिटल साक्षरता, बाल संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम, गुड टच-बैड टच, मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, बाल विवाह मुक्त भारत तथा सखी वन स्टॉप सेंटर से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। अधिकारियों ने छात्राओं को उनके अधिकारों, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर स्वास्थ्य, मासिक धर्म स्वच्छता, बाल विवाह की रोकथाम तथा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध हिंसा की स्थिति में सखी वन स्टॉप सेंटर द्वारा उपलब्ध कराई जाने वाली कानूनी, चिकित्सीय, मनोवैज्ञानिक एवं परामर्श सेवाओं के संबंध में जागरूक किया। इसके साथ ही प्रायोजन योजना, आफ्टर केयर, फोस्टर केयर सहित विभिन्न सरकारी कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी साझा करते हुए छात्राओं से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने एवं सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध जागरूक होकर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ₹एक पेड़ बेटी के नाम₹ अभियान के तहत किशोरियों द्वारा पौधारोपण कराया गया। साथ ही किशोरियों के बीच सेनेटरी पैड का वितरण कर मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पुनम कुमारी, संरक्षण पदाधिकारी (गैर संस्थागत देखरेख) चंदा कुमारी, परियोजना समन्वयक, चाइल्ड हेल्पलाइन मो. इकबाल, विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य, शिक्षकगण तथा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अधिकारियों ने छात्राओं से शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाने, आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने तथा सुरक्षित, स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि शिक्षित, जागरूक और आत्मनिर्भर बेटियाँ ही समृद्ध, सुरक्षित एवं विकसित समाज की आधारशिला हैं।

संक्षिप्त खबरें

ममता वाहन के संचालकों ने लंबित भुगतान की मांगों को लेकर उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

साहिबगंज : जिले की विभिन्न ममता वाहन के संचालकों ने लंबित भुगतान की मांग को लेकर उपायुक्त कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान वाहन संचालकों ने बताया कि वर्ष 2023 से अब तक स्वास्थ्य विभाग द्वारा उनके कार्य का भुगतान नहीं किया गया है, जिससे उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।वाहन संचालकों ने कहा कि समय पर भुगतान नहीं होने के कारण वाहन संचालन, चालक का वेतन, रखरखाव और अन्य खर्चों का वहन करना कठिन हो गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द से जल्द बकाया राशि का भुगतान कराने की मांग की। उपायुक्त कार्यालय में ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात संबंधित अधिकारी से हुई। अधिकारियों ने संचालकों को आश्वस्त किया कि मामला उनके संज्ञान में है और इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करते हुए भुगतान की दिशा में विचार किया जाएगा। ममता वाहन संचालकों ने उम्मीद जताई कि प्रशासन उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करेगा, ताकि वे बिना किसी आर्थिक बाधा के स्वास्थ्य सेवाओं में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर सकें।

एसपी आवास में चला डेंगू रोधी अभियान, जलजमाव रोकने और ड्राई डे मनाने की अपील

पाकुड़ : जिले में डेंगू की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित डेंगू रोधी माह के तहत सोमवार को पुलिस अधीक्षक अनुप सिंह के सरकारी आवास परिसर में विशेष कंटेनर सर्वे अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने परिसर का गहन निरीक्षण करते हुए गमलों, कूलरों, पानी की टंकियों तथा अन्य जल पात्रों में सात दिनों से अधिक समय से जमा पानी को हटाया, ताकि डेंगू फैलाने वाले एडीज मच्छर के लार्वा के पनपने की संभावना समाप्त की जा सके। अभियान में पुलिस अधीक्षक अनुप सिंह एवं उनकी धर्मपत्नी ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया। इस अवसर पर एसपी ने जिलेवासियों से डेंगू के प्रति सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि घर, आंगन, छत, गमलों, कूलरों, पुराने टायरों तथा अन्य स्थानों पर पानी जमा नहीं होने देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नियमित साफ-सफाई और जलजमाव की रोकथाम ही डेंगू से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने लोगों को डेंगू से बचाव के उपायों की जानकारी देते हुए सप्ताह में कम-से-कम एक दिन ₹ड्राई डे₹ मनाने की सलाह दी। इस दौरान सभी जल पात्रों को पूरी तरह खाली कर उनकी सफाई करने तथा घर और आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का संदेश दिया गया। अभियान को सफल बनाने में राज किशोर प्रसाद (केटीएस), रंजन कर्मकार (एमपीडब्ल्यू), राकेश कुमार सिंह (एमपीडब्ल्यू) सहित स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सक्रिय भूमिका निभाई। स्वास्थ्य विभाग ने जिलेवासियों से डेंगू रोकथाम अभियान में सहयोग करने तथा बुखार या डेंगू के लक्षण दिखाई देने पर बिना देर किए नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में जांच कराने की अपील की।

अंजना +2 विद्यालय में साइबर अपराध पर विधिक जागरूकता शिविर आयोजित

पाकुड़ : जिले में झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार (झालसा), रांची के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा), पाकुड़ के तत्वावधान में मंगलवार को पाकुड़ प्रखंड स्थित अंजना अपग्रेड +2 विद्यालय, अंजना में साइबर अपराध एवं विधिक जागरूकता विषय पर विशेष शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष दिवाकर पांडेय के निर्देश पर आयोजित हुआ, जिसमें डालसा सचिव रूपा बंदना किरो मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सचिव रूपा बंदना किरो ने जिला विधिक सेवा प्राधिकार की भूमिका और उद्देश्य की जानकारी देते हुए कहा कि आज के डिजिटल दौर में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि फर्जी कॉल, ओटीपी साझा कराने, बैंक अधिकारी बनकर ठगी, केवाईसी अपडेट के नाम पर धोखाधड़ी, फर्जी लिंक और अन्य ऑनलाइन माध्यमों से लोगों को ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। उन्होंने छात्रों से अपील की कि किसी भी अनजान कॉल, संदेश या लिंक पर भरोसा न करें और अपनी व्यक्तिगत एवं बैंक संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करें। थाना प्रभारी गौरव कुमार ने साइबर अपराध के विभिन्न तरीकों की जानकारी देते हुए कहा कि साइबर ठग लॉटरी, गेमिंग एप, प्रधानमंत्री किसान योजना का लाभ दिलाने, फर्जी निवेश योजनाओं और अन्य आकर्षक ऑफरों का लालच देकर लोगों को अपने जाल में फंसाते हैं। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट हैकिंग, यूपीआई एवं क्यूआर कोड के माध्यम से होने वाली ठगी तथा ऑनलाइन शॉपिंग फ्रॉड से बचने के लिए सतर्क रहने की सलाह दी।

तेज रफ्तार दो बाइक की आमने-सामने की टक्कर में दो युवक घायल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत कॉलेज रोड स्थित चैती दुर्गा मंदिर के समीप मंगलवार को दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर में दो युवक घायल हो गए। घटना के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया गया जहां चिकित्सकों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घायलों में जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र के झरना कॉलोनी निवासी संतोष कुमार चौहान के 15 वर्षीय पुत्र अभय कुमार चौहान शामिल हैं। दूसरे घायल युवक की पहचान समाचार लिखे जाने तक स्पष्ट नहीं हो सकी थी। सदर अस्पताल के इमरजेंसी ड्यूटी में तैनात चिकित्सक ने बताया कि अभय कुमार के सिर में हल्की चोट आई है, जबकि दूसरे घायल को भी मामूली चोटें लगी हैं। दोनों की स्थिति सामान्य है और उपचार के बाद उन्हें आराम करने की सलाह दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त दोनों बाइकों को जब्त कर लिया। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है तथा दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, हालांकि समय रहते दोनों घायलों को अस्पताल पहुंचा दिए जाने से उन्हें तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकी।

एक नजर

कोनरा पंचायत में एसआईआर मतदाता सूची पुनरीक्षण 95 प्रतिशत पूरा

बरही : बरही प्रखंड की कोनरा पंचायत में चल रहा एसआईआर मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 अंतिम चरण में पहुंच गया है। पंचायत के सभी आठ मतदान केंद्रों पर पुनरीक्षण का कार्य करीब 90 से 95 प्रतिशत तक पूरा हो चुका है। अगले 2 से 4 दिनों में इसे शत-प्रतिशत पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कांग्रेस पार्टी के कोनरा पंचायत अध्यक्ष सह बीएलए-2 रिजवान अली ने बताया कि मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को समय पर पूरा कराने में बूथ स्तरीय अधिकारी (बीएलओ), बीएलए-2, पर्यवेक्षक, स्वयंसेवक, जनप्रतिनिधि, सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता, पंचायत सहायक और बुद्धिजीवियों का लगातार सहयोग मिल रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान में कोनरा पंचायत की मुखिया यास्मीन तबस्सुम, उप मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद इजहार, पर्यवेक्षक ललिता कुमारी, पंचायत सहायक पिंटू कुमार रजक, हसबुन निशा, संतोष कुमार, वार्ड सदस्य अफताब आलम उर्फ सागर, बीएलए-2 बीरेंद्र रविदास, मोहम्मद मुमताज, मोहम्मद मोजम, अल्ताफ कुरैशी और अफरोज आलम सहित अन्य लोग सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मतदाता सूची के इस विशेष गहन पुनरीक्षण से पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने और सूची में मौजूद त्रुटियों को सुधारने में मदद मिलेगी। पंचायत स्तर पर चल रहे इस अभियान को जल्द पूरा करने के लिए संबंधित कर्मी लगातार कार्य कर रहे हैं।

मानसून की बारिश से किसानों के चेहरे खिले

बरही : बरही प्रखंड और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में पिछले दो दिनों से हो रही झमाझम मानसूनी बारिश ने किसानों के चेहरे पर मुस्कान ला दी है। लंबे समय से अच्छी बारिश का इंतजार कर रहे किसानों को अब राहत मिली है। बारिश के बाद खेतों में पर्याप्त नमी आने से धान रोपनी और खरीफ फसलों की तैयारी तेज हो गई है। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से धान, मक्का, अरहर समेत अन्य खरीफ फसलों को लाभ मिलेगा। खेतों में पानी पहुंचने के बाद किसान परिवार पूरे उत्साह के साथ कृषि कार्य में जुट गए हैं। गांवों में ट्रैक्टर और हल-बैल से जुताई का काम भी तेजी से चल रहा है। कृषि जानकारों के अनुसार, यदि आने वाले दिनों में भी संतुलित बारिश होती रही तो इस वर्ष खरीफ फसलों का उत्पादन बेहतर होने की संभावना है। बारिश से ग्रामीण इलाकों में रौनक लौट आई है और किसान अच्छी फसल की उम्मीद के साथ खेती-किसानी में जुट गए हैं। हालांकि लगातार बारिश के कारण कुछ कच्ची सड़कों पर कीचड़ और जलजमाव की समस्या भी सामने आई है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है। इसके बावजूद किसान बारिश को खेती के लिए शुभ संकेत मान रहे हैं।

दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी की पहली पुण्यतिथि को ऐतिहासिक बनाने में जुटें कार्यकर्ता: रतनलाल मांझी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष माननीय श्री हेमंत सोरेन जी के निदेर्शानुसार, आज दिनांक 21.07.2026 को चीरा चास स्थित 'गुरु जी फार्म हाऊस' में जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 4 अगस्त को होने वाली झारखंड के निमार्ता दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी की प्रथम पुण्यतिथि कार्यक्रम की तैयारियों की रूपरेखा तैयार करना था।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रतनलाल मांझी ने कहा कि दिशोम गुरु जी की पहली पुण्यतिथि ऐतिहासिक होगी। उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए जिले का एक-एक कार्यकर्ता एकजुट होगा। उन्होंने कार्यकताओं को निर्देश देते हुए कहा कि 4 अगस्त को होने वाले पुण्यतिथि कार्यक्रम की तैयारियां अभी से ही शुरू कर दी जाएं। रतनलाल मांझी ने कहा कि बोकारो में आदरणीय गुरु जी शिबू सोरेन जी की एक भव्य आदमकद प्रतिमा 4 अगस्त को ही स्थापित की जाएगी, जिसकी तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं।

जल-जंगल-जमीन की आवाज थे गुरु जी: मंटू यादव

बैठक को संबोधित करते हुए झामुमो बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव ने कहा कि हमारे मार्गदर्शक और झारखंड राज्य के निमार्ता, दिशोम गुरु स्व. शिबू सोरेन जी के प्रथम पुण्यतिथि पर बोकारो में भव्य रूप से याद किए जाएंगे। दिशोम गुरु आज भी झारखंड के कण-कण में बसे हुए हैं।जल, जंगल और जमीन की हर सुनहरी आवाज में गुरु जी का नाम जुड़ा हुआ है।वे झारखंड प्रदेश के एक-एक कार्यकर्ता के दिल में वास करते हैं। झामुमो नेता मंटू यादव ने कहा कि बोकारो की धरती से उनका हमेशा पुराना और गहरा लगाव रहा है, इसलिए हम सभी कार्यकताओं को मिलकर इस पहली पुण्यतिथि को यादगार बनाना है।

इस महत्वपूर्ण बैठक का सफल संचालन जिला सचिव मुकेश महतो द्वारा किया गया। बैठक के समापन पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का धन्यवाद ज्ञापन बोकारो महानगर सचिव मदन कुमार महतो ने किया। बैठक में केंद्रीय सदस्य बी के चौधरी, हसन इमाम, फिरदौस अंसारी, फैयाज आलम, नैयर जमाल, आलोक सिंह, मिथुन मंडल, रामदास सिंह, राकेश सिन्हा,आजाद अंसारी,प्रमोद तापड़िया, भागीरथ शर्मा, विजय मित्तल, सानिया बेगम, सोहेल अंसारी,सौरभ भट्ट, शान्ति किस्कु, अकलु मांझी,मनोज महतो, इस्लाम अंसारी, मस्तान अंसारी,भीमसेन सोरेन, फिरोज अंसारी, विक्की महतो, रणधीर रजक, समीर अंसारी, अशोक हेंब्रम, रवि सिंह, लूधू मांझी, मागाराम दे,उतम कुमार, बैजनाथ दत्ता, पुराण महतो, दुर्गा दत्ता, मेहबूब अंसारी, नीतीश कुमार, नौसाद अंसारी ,सुधनी देवी, फिरोज खान, चंदा देवी, शहनाज अंसारी, रुपेश कुमार सहित सैकड़ों लोग शामिल थे।

डीएवी-4 का नन्हा संसार नीले रंग की छटा से रंगा, उत्साहपूर्वक मनाया गया ब्लू डे

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : डीएवी सेक्टर-4, में नर्सरी से वर्ग द्वितीय तक के नन्हे-मुन्ने बच्चों के लिए ब्लू डे का आयोजन हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को रंगों की दुनिया से परिचित कराने के साथ-साथ उनकी रचनात्मकता, कल्पनाशीलता एवं अभिव्यक्ति क्षमता को प्रोत्साहित करना था।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर नीले रंग की मनमोहक छटा से सराबोर नजर आया। नन्हे बच्चे नीले रंग के आकर्षक परिधानों में बेहद प्यारे और मनमोहक लग रहे थे। बच्चों ने नीले रंग से संबंधित विभिन्न वस्तुओं, चित्रों एवं गतिविधियों के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शिक्षिकाओं ने बच्चों को नीले रंग के महत्व एवं प्रकृति में इसके विभिन्न स्वरूपों से परिचित कराया। विभिन्न मनोरंजक एवं ज्ञानवर्धक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों ने सीखने के साथ-साथ खूब आनंद उठाया। सभी वर्ग के बच्चों ने अभिनय और भावाभिव्यक्ति के साथ सुमधुर कविता पाठ किया। इस अवसर पर सभी बच्चे ने अपने लंच बॉक्स में भी लाए नीले रंग के ही खाद्य पदार्थ का आनंद उठाया।

आयोजन की प्रासंगिकता पर विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. मिश्रा ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा, रंग बच्चों के जीवन में खुशी, उत्साह और रचनात्मकता के भाव भरते हैं। इस प्रकार के आयोजन बच्चों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ब्लू डे जैसी गतिविधियों के माध्यम से बच्चे खेल-खेल में सीखते हैं और अपनी कल्पनाशक्ति को नए आयाम देते हैं। हमारा उद्देश्य बच्चों के लिए सीखने की प्रक्रिया को आनंदमय, रोचक और अनुभवात्मक बनाना है।

उन्होंने कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए नन्हे बच्चों, अभिभावकों एवं शिक्षिकाओं को शुभकामनाएँ दीं तथा बच्चों की सक्रिय सहभागिता की सराहना की। कार्यक्रम के अंत में बच्चों ने उत्साह एवं उमंग के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए ब्लू डे का भरपूर आनंद लिया। विद्यालय परिसर में बच्चों की मुस्कान और उल्लास ने पूरे वातावरण को जीवंत एवं आनंदमय बना दिया।

मतदाता सूची शुद्धिकरण को लेकर कल सभी मतदान केंद्रों पर विशेष बैठक

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही (हजारीबाग) : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 के तहत बुधवार को विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर बीएलओ एवं बीएलए-2 की तृतीय बैठक सह चुनाव पाठशाला आयोजित की जाएगी। बैठक का उद्देश्य मतदाता सूची का शुद्धिकरण, नए मतदाताओं का सत्यापन तथा सभी दावों एवं आपत्तियों का निष्पादन सुनिश्चित करना है।

प्रखंड विकास पदाधिकारी सह सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी जयपाल महतो ने इस संबंध में सभी बीएलओ, बीएलओ सुपरवाइजर एवं बीएलए-2 को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में मतदाता सूची का गहन सत्यापन किया जाएगा तथा प्रत्येक मतदाता का नाम संबंधित मतदान केंद्र पर सुनिश्चित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

बैठक के दौरान डुप्लीकेट एवं एकाधिक प्रविष्टियों वाले मतदाताओं, मृत मतदाताओं, स्थायी रूप से स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं तथा गलत पते वाले मतदाताओं की सूची की समीक्षा की जाएगी। साथ ही, प्रपत्र-5 पर हस्ताक्षर से इनकार करने वाले मतदाताओं के मामलों की भी जांच होगी।

इसके अलावा, एक जनवरी 2026 तक 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले नए मतदाताओं के दावों का सत्यापन, प्राप्त प्रपत्र-6, 6ए, 7 एवं 8 की जांच तथा संबंधित आपत्तियों का निष्पादन किया जाएगा। 22 जुलाई तक प्राप्त सभी गणना प्रपत्रों की समीक्षा कर उनकी कार्यवाही तैयार की जाएगी और उसे ईसीआईनेट (एउक्छीउ) पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। सभी अभिलेखों का सत्यापन भी अनिवार्य रूप से किया जाएगा।

बैठक में आम मतदाता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के बीएलए-2 भी भाग लेंगे।

वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने खुद ट्रैक्टर चलाकर उठाया कचरा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग : स्वच्छता को लेकर अक्सर जनप्रतिनिधियों द्वारा निर्देश दिए जाते हैं, लेकिन हजारीबाग में एक जनप्रतिनिधि ने खुद मैदान में उतरकर जनसेवा की ऐसी मिसाल पेश की, जिसकी स्थानीय लोग जमकर सराहना कर रहे हैं। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि नीरज कुमार ने स्वयं ट्रैक्टर की स्टेयरिंग संभाली और वार्ड की गलियों में पहुंचकर कचरा उठाने का कार्य किया। उनकी इस पहल ने लोगों के बीच सकारात्मक संदेश दिया कि जनप्रतिनिधि केवल योजनाएं बनाने तक सीमित न रहें, बल्कि जरूरत पड़ने पर जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम भी करें।

स्वच्छता अभियान के दौरान नीरज कुमार ने कहा कि स्वच्छ वार्ड और स्वस्थ वातावरण हर नागरिक का अधिकार है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उनकी जिम्मेदारी केवल समस्याओं को सुनना नहीं, बल्कि उनके समाधान के लिए स्वयं आगे बढ़कर कार्य करना भी है। यदि जनप्रतिनिधि खुद मैदान में उतरकर काम करेंगे, तो आम लोगों में भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना बढ़ेगी।

उन्होंने कहा कि वार्ड की सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है।

डीपीएस चास की सरण्या व आराध्या ने बढ़ाया विद्यालय का मान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चास, बोकारो : दिल्ली पब्लिक स्कूल, चास के विद्यार्थियों सरण्या शाही और आराध्या पटवारी ने सरला बिड़ला पब्लिक स्कूल, रांची द्वारा आयोजित अंतरविद्यालयी सांस्कृतिक एवं साहित्यिक महोत्सव प्रतिध्वनि 4.0 में अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कहानी कहने की कला झ्र एक कथात्मक यात्रा' प्रतियोगिता में अपनी प्रभावशाली प्रस्तुति, सशक्त अभिव्यक्ति, सटीक मंच संचालन तथा उत्कृष्ट टीमवर्क से निर्णायकों और उपस्थित दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके शानदार प्रदर्शन के लिए विद्यालय को प्रतिष्ठित सर्वश्रेष्ठ सामूहिक प्रस्तुति पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के प्रो वाइस चेयरमैन-श्री राजेश अग्रवाल ने छात्राओं की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, संचार कौशल, रचनात्मकता और वैश्विक दृष्टिकोण का विकास करना है। ऐसी उपलब्धियाँ अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

वहीं विद्यालय की निदेशिका/प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि कहानी कहना केवल एक कला नहीं, बल्कि विचारों, मूल्यों और भावनाओं को प्रभावी ढंग से अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनकी रचनात्मक सोच, आत्मविश्वास और सतत अभ्यास का परिणाम है। इस विषय पर डीएस मेमोरियल सोसायटी चास के सचिव- श्री सुरेश अग्रवाल ने विजेता छात्राओं, उनके अभिभावकों तथा मार्गदर्शक शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पदमा अंचल कार्यालय में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर आयोजित 50 से अधिक लोगों को मौके पर मिला लर्निंग लाइसेंस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

हजारीबाग (पदमा) : झारखंड सरकार के निदेर्शानुसार मंगलवार को पदमा प्रखंड अंचल कार्यालय परिसर में विशेष ड्राइविंग लाइसेंस शिविर का सफल आयोजन किया गया। जिले में आयोजित यह तीसरा विशेष शिविर था। इससे पूर्व चुरचू एवं कटकमसांडी प्रखंडों में भी इस प्रकार के शिविर आयोजित किए जा चुके हैं। शिविर का उद्देश्य ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को उनके प्रखंड स्तर पर ही ड्राइविंग लाइसेंस की सुविधा उपलब्ध कराना तथा सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के इच्छुक आवेदकों के ऑनलाइन आवेदन प्राप्त किए गए। इसके पश्चात उनका फोटो एवं बायोमेट्रिक सत्यापन किया गया तथा निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन लर्निंग टेस्ट आयोजित किया गया। टेस्ट में सफल अभ्यर्थियों को मौके पर ही लर्निंग ड्राइविंग लाइसेंस जारी किया गया।

शिविर का लाभ 50 से अधिक लोगों ने प्राप्त किया। तत्काल लर्निंग लाइसेंस मिलने से लाभार्थियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि अब लाइसेंस बनवाने के लिए जिला मुख्यालय के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं है। प्रखंड स्तर पर यह सुविधा उपलब्ध होने से समय एवं धन दोनों की बचत हो रही है। उन्होंने इस जनहितकारी पहल के लिए राज्य सरकार एवं परिवहन विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया।

शिविर के दौरान जिला परिवहन कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मियों ने पूरी प्रक्रिया का सुव्यवस्थित संचालन किया। आवेदकों को आवेदन प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेज, ऑनलाइन लर्निंग टेस्ट तथा स्थायी ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करने की प्रक्रिया के संबंध में भी विस्तृत जानकारी दी गई।

इस अवसर पर पदमा के अंचलाधिकारी मोतीलाल हेंब्रम, जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष चौधरी, मोटरयान निरीक्षक रवीना कुमारी तथा सड़क सुरक्षा प्रबंधक संतोष सिंह सहित जिला परिवहन कार्यालय के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। अधिकारियों ने लोगों से बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के वाहन नहीं चलाने, यातायात नियमों का पालन करने, दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट तथा चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से उपयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सरकारी सेवाओं को आमजन तक सरल एवं सुलभ बनाना है। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता बढ़ाकर सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना भी इस अभियान का प्रमुख लक्ष्य है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी जिले के विभिन्न प्रखंडों में इस प्रकार के विशेष शिविर आयोजित किए जाते रहेंगे।

शिविर के सफल संचालन में मोटरयान निरीक्षक रवीना कुमारी ने पर्यवेक्षक की भूमिका निभाई। ऑनलाइन आवेदन प्रविष्टि का कार्य अनिल कुमार एवं कैलाश पाण्डेय ने किया, जबकि स्क्रूटनी एवं बायोमेट्रिक सत्यापन की जिम्मेदारी अमन कुमार एवं सूरज कुमार सिंह ने निभाई। ऑनलाइन लर्निंग टेस्ट का संचालन जीवन प्रकाश, शारिक इकबाल एवं अरविंद तिवारी ने किया तथा लर्निंग लाइसेंस प्रिंटिंग का कार्य दीपक सोनी एवं ललन कुमार ने संपादित किया। सभी अधिकारियों एवं कर्मियों के समन्वित प्रयास से शिविर का सफल एवं सुचारु संचालन सुनिश्चित हुआ।

संक्षिप्त खबरें

चंदनकियारी में 19 वर्षीय युवक की हत्या का खुलासा, दोस्त ही निकला कातिल

बोकारो: चंदनकियारी थाना क्षेत्र से लापता 19 वर्षीय सागर कुमार की हत्या की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। मामले में पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मंगलवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सहायक पुलिस अधीक्षक (सदर) वेदांत शंकर ने पूरे मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 18 जुलाई 2026 को चंदनकियारी थाना कांड संख्या-85/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 137(2) के अंतर्गत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। तकनीकी एवं वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने जांच को आगे बढ़ाया, जिसके बाद मामले का खुलासा हुआ। जांच के दौरान पुलिस ने भवानीडीह निवासी मानिक मांझी (50 वर्ष) को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपी ने सागर कुमार की हत्या करने तथा शव को आमगोंडीह गांव के समीप सिधाबांध जंगल स्थित एक कुएं में फेंकने की बात स्वीकार कर ली। आरोपी की निशानदेही पर 20 जुलाई को पुलिस ने कुएं से सागर कुमार का शव बरामद किया। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। एएसपी वेदांत शंकर ने बताया कि आरोपी और मृतक पहले बेंगलुरु में साथ मजदूरी करते थे। वहीं किसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि उसी विवाद के कारण आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि हत्या के वास्तविक कारणों की विस्तृत जांच अभी जारी है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त डंडा और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर जब्त कर ली है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी विवाहित है और उसके तीन पुत्र व एक पुत्री हैं। उसके खिलाफ पहले किसी प्रकार का आपराधिक मामला दर्ज नहीं मिला है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है।

सेक्टर-4 में 'दुबई वॉटरफॉल कार्निवल' का उद्घाटन, विधायक ने दीप प्रज्ज्वलित किया

बोकारो : सेक्टर-4 के सर्कस मैदान में सोमवार को दुबई वॉटरफॉल कार्निवल का भव्य उद्घाटन चंदनक्यारी विधायक उमाकांत रजक ने दीप प्रज्ज्वलित कर कर किया। उद्घाटन अवसर पर विधायक उमाकांत रजक ने कहा कि यह मेला शहरवासियों के मनोरंजन और सांस्कृतिक उत्साह के लिए महत्वपूर्ण है। मेले में लगाए गए विविध स्टॉल और झूले यहां आने वाले लोगों को खूब भाएंगे और बच्चों व युवाओं के लिए यह आनंद का स्रोत बनेगा। मेले के मुख्य आयोजक अरुण कुमार ने बताया कि इस बार मेले के प्रवेश द्वार को टीपू सुल्तान के महल के आकार में सजाया गया है। उन्होंने कहा कि विजिटर्स को वॉटरफॉल का भव्य नजारा देखने को मिलेगा तथा मिक्सर झूला (जीरो ग्रेविटी झूला) इस मेले की खासियत होगा। अरुण कुमार ने बताया कि कुल मिलाकर लगभग 70 से 75 स्टॉल लगाए गए हैं, जिनमें खाने-पीने, खेल-खिलौने और शिल्प से जुड़े स्टॉल शामिल हैं। मेले के समय और सुरक्षा व्यवस्था मेले का समय: रोजाना शाम 4:00 बजे से रात्रि 9:30 बजे तक; मेला सातों दिन खुलेगा और यह लगभग एक महीने तक चलेगा। सुरक्षा और सुविधाएँ: पार्किंग की व्यवस्थित व्यवस्था की गई है, पूरे परिसर में वालंटियर तैनात किए गए हैं ताकि आने वाले लोगों को किसी प्रकार की कठिनाई न हो। आग से सुरक्षा व्यवस्था और सीसीटीवी निगरानी भी सुनिश्चित की गई है। आयोजकों ने आगाह किया है कि मेले के दौरान भीड़ और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए नियमानुसार व्यवहार किया जाए। वाहन पार्क करने और सुरक्षा निरीक्षण में सहयोग के लिए आयोजक जनता से सहयोग की अपील कर रहे हैं।

पहली बारिश में ही धंसी करगली गेटझ्रबेरमो सीम हीरक रोड को जोड़ने वाली सड़क

बेरमो : करगली गेट से बेरमो सीम हीरक रोड को जोड़ने वाली सड़क पहली ही बारिश में कई स्थानों पर धंसने लगी है। सड़क के क्षतिग्रस्त होने के बाद संवेदक द्वारा जेसीबी मशीन से टूटे हिस्से में मिट्टी भरकर मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बरसात के मौसम में सड़क के टूटे हिस्से को मिट्टी से भरना स्थायी समाधान नहीं है। बारिश होने पर मिट्टी गीली होकर बह सकती है, जिससे सड़क और अधिक क्षतिग्रस्त होने के साथ-साथ राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा भी बढ़ जाएगा। इस संबंध में सीसीएल बीएंडके क्षेत्र के महाप्रबंधक (जीएम) संजय झा से दूरभाष पर संपर्क किया गया। उन्होंने कहा कि संवेदक द्वारा गुणवत्ता के अनुरूप कार्य नहीं किया जा रहा है। टूटे हुए हिस्से में मिट्टी भरकर मरम्मत की जा रही है, जो उचित नहीं है और भविष्य में दुर्घटना का कारण बन सकती है। उन्होंने कहा कि सड़क की मरम्मत गुणवत्ता मानकों के अनुसार कराई जानी चाहिए, ताकि आम लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके।

बाराती झगड़े में हुई चोट से हुई मौत, अदालत ने बिनोद तिवारी को आजीवन कैद सुनाई

एडीजे : बोकारो की अधीर सुनवाई में मंगलवार को एस0टी0-299/2015 (बालीडीह थाना काण्ड स. 177/2013, जीआर-1985/2013) दर्ज मामले में अभियुक्त बिनोद तिवारी को आजीवन कारावास व 50,000 रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई गई। मामला मारपीट और हत्या से जुड़ा था जिसमें मृतक सोनू शुक्ला थे। पेश हुए तथ्यों के अनुसार, 24 नवंबर 2013 की रात्रि लगभग 10:15 बजे बालीडीह में एक बाराती दल आया था। बाराती समूह में किसी बात को लेकर अचानक झगड़ा हो गया। आरोप हैं कि बिनोद तिवारी (उम्र 49 वर्ष, पिताझ्र बांके तिवारी, पता—बालीडीह पेट्रोल पम्प, शिवपुरी, थाना बालीडीह) ने लाठी और भूजाली से पीड़ित सोनू शुक्ला पर बेरहमी से हमला किया। हमले में सोनू के पैर में गंभीर चोट और छेद हो गया। घायलों को बोकारो जनरल अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के दौरान सोनू शुक्ला की मृत्यु हो गई। पुलिस ने मामले में धारा 323/324/307/302/34 भादवि के तहत अभियोजन किया था। आरोप-पत्र और गवाहों की बहस के बाद अदालत ने मंगलवार को बिनोद तिवारी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास व 50,000 रुपए जुमार्ने की सजा सुनाई।

संक्षिप्त डायरी

रोंगटे खड़े करने वाली वारदातः वेबसीरीज देखकर रचा गया 'परफेक्ट मर्डर', रहस्यमयी किरायेदार बना मुख्य संदिग्ध

पटना (एजेंसी) रामबाग में एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी और उनकी पत्नी की हत्या ने सनसनी मचा दी है. कत्ल का तरीका वेबसीरीज जैसा खौफनाक है. पुलिस को दो दिन पहले आए एक रहस्यमयी किरायेदार पर शक है, जो वारदात के बाद से गायब है. क्राइम थ्रिलर वेबसीरीज की खौफनाक पटकथा अब असल जिंदगी में उतर आई है. शहर के रामबाग में रिटायर्ड बैंक अधिकारी अशोक कुंवर और उनकी पत्नी नीलम कुंवर की हत्या को जिस शातिराना अंदाज में अंजाम दिया गया,उसने पुलिस के भी होश उड़ा दिए हैं. कातिल ने वारदात से पहले सर्जिकल ग्लव्स, टेप और पॉलिथिन खरीदे.सड़क पर पसरे सन्नाटे का फायदा उठाते हुए शाम के वक्त कत्ल का ऐसा खेल खेला गया, जिसकी भनक किसी को नहीं लगी. सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों में किसी भी बाहरी संदिग्ध के अंदर दाखिल होने की तस्वीर तक कैद नहीं हुई! पुलिस का अंदेशा है कि कातिल घर के अंदर ही घात लगाए बैठा था. दो दिन पूर्व आए किरायेदार पर शक, उसी के कमरे में मिली लाश

पुलिस की सुई दो दिन पहले आए उस नए और रहस्यमयी किरायेदार पर टिक गई है, जो कत्ल के बाद से अचानक गायब है. नीलम कुंवर की खौफनाक लाश उसी के कमरे से बरामद हुई. कातिल को घर के हर कोने, सीसीटीवी की लोकेशन और बाकी किरायेदारों के आने-जाने के समय की पूरी खबर थी. जो किरायेदार ने कमरा लिया है, उसे अन्य रेंटर पहचानते भी नहीं है. चेहरे पर टेप लपेटकर की गई थी हत्या हत्यारे ने सबसे पहले नीलम कुंवर की हत्या की. उसने नीलम का हाथ-पैर बांधकर पूरे चेहरे पर पॉलिथिन लपेटी,टेप चिपकाया और फिर बेरहमी से गला रेत दिया. इसके बाद बैंक अधिकारी को भी रास्ते से हटा दिया गया. पुलिस जांच में यह पता चला है कि हत्यारे को पहले से ही घर के रास्ते, किस-किस जगह पर सीसीटीवी हैं, किस फ्लोर पर कौन रेंटर हैं, उनका आने- जाने का क्या टाइमिंग हैं, इसकी जानकारी थी.

साक्ष्य मिटाने के लिए दोनों फोन किया गायब

वारदात के बाद कातिल दंपती के दोनों मोबाइल फोन अपने साथ ले गया ताकि पुलिस को कोई सुराग न मिले. शाम साढ़े चार बजे के बाद से दोनों फोन स्विच ऑफ हैं. मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए डीआईयू, एसटीएफ और सर्विलांस टीम ने इलाके में टावर डंप कर अंतिम लोकेशन खंगालना शुरू कर दिया है. सिटी एसपी खुद पूरे ऑपरेशन की कमान संभाल रहे हैं. दी की 41वीं सालगिरह मनाई थी, 6 साल पहले का 'ब्रह्मपुरा कांड' दोहराया

अशोक कुंवर और नीलम कुंवर ने बीते 16 अप्रैल को ही अपनी शादी की 41वीं सालगिरह मनाई थी. पड़ोसियों के मुताबिक दोनों बेहद शांत स्वभाव के थे. इस वारदात ने साल 2020 के ब्रह्मपुरा हत्याकांड की यादें ताजा कर दी हैं, जहाँ रिटायर्ड एआईजी दंपती की हत्या में नौकर ही मास्टरमाइंड निकला था. फिलहाल पुलिस सीसीटीवी फुटेज और गायब किरायेदार की तलाश के जरिए कातिल तक पहुँचने में जुटी है.

9 दिन बाद शुरू होगा विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला, 98 किमी कांवरिया पथ पर युद्धस्तर पर तैयारियां, जानिए क्या-क्या बदलेगा

पटना (एजेंसी) विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू होने में अब सिर्फ नौ दिन बचे हैं. सुलतानगंज से देवघर तक 98 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ पर सुरक्षा, स्वच्छता और सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन युद्धस्तर पर तैयारियां कर रहा है. श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है. सुलतानगंज(भागलपुर) से रिपोर्ट विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेला शुरू होने में अब सिर्फ नौ दिन बचे हैं और सुलतानगंज से देवघर तक 98 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ की तस्वीर तेजी से बदलने लगी है. उत्तरवाहिनी गंगा से जल भरकर बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है. घाटों से लेकर कांवरिया पथ, पार्किंग, स्वास्थ्य शिविर, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक प्लान तक हर स्तर पर तैयारियां युद्धस्तर पर चल रही हैं. इधर, सावन की शुरूआत से पहले ही कांवरियों का सुलतानगंज पहुंचना शुरू हो गया है. गंगा से जल भरने और बाबा बैद्यनाथ को अर्पित करने का संकल्प लेने वाले श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है. 98 किलोमीटर कांवरिया पथ पर तेज हुई तैयारियां सुलतानगंज से देवघर तक करीब 98 किलोमीटर लंबे कांवरिया पथ पर सड़क, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल, शौचालय, स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दिया जा रहा है. जिला प्रशासन ने सभी विभागों को तय समयसीमा के भीतर काम पूरा करने का निर्देश दिया है. अधिकारियों का कहना है कि इस बार श्रद्धालुओं को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित, स्वच्छ और सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया जा रहा है. होटलों का होगा सूचीकरण, प्रशासन की रहेगी निगरानी श्रावणी मेला की तैयारियों को लेकर सुलतानगंज थाना परिसर में आयोजित समीक्षा बैठक में होटलों की व्यवस्था को लेकर भी अहम निर्णय लिया गया. सदर एसडीएम विकास कुमार ने बताया कि शहर के सभी होटल और लॉज का सूचीकरण किया जाएगा. होटल संचालकों को ठहरने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करनी होगी. साथ ही प्रशासनिक जरूरतों के लिए एक-दो कमरे सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए जाएंगे. इसका उद्देश्य सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करना और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर प्रभावी निगरानी रखना है. मेला के लिए अलग ट्रैफिक प्लान और पार्किंग व्यवस्था श्रावणी मेला के दौरान हर वर्ष लाखों श्रद्धालुओं और हजारों वाहनों के कारण ट्रैफिक का दबाव काफी बढ़ जाता है. इसे देखते हुए प्रशासन इस बार विशेष रूट चार्ट जारी करेगा. अलग-अलग पार्किंग स्थलों का निरीक्षण किया जा चुका है. अधिकारियों ने पार्किंग क्षमता, वाहन प्रवेश और निकास मार्ग, भीड़ प्रबंधन तथा आपातकालीन स्थिति में वैकल्पिक व्यवस्था का भी आकलन किया. प्रशासन का दावा है कि इस बार पार्किंग और यातायात प्रबंधन पहले से अधिक व्यवस्थित रहेगा. कई जिलों से आएगा अतिरिक्त पुलिस बल विधि-व्यवस्था डीएसपी नवनीत कुमार ने बताया कि मेला क्षेत्र की सुरक्षा का विस्तृत आकलन पूरा कर लिया गया है. विभिन्न जिलों से अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी. पुलिसकर्मियों के ठहरने की व्यवस्था भी लगभग पूरी कर ली गई है.

इसके अलावा पूरे मेला क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए पुलिस सहायता केंद्र, बैरिकेडिंग और लगातार निगरानी की व्यवस्था रहेगी. डीएम की समीक्षा के बाद अधिकारियों ने किया स्थलीय निरीक्षण भागलपुर जिला प्रशासन की समीक्षा बैठक के बाद एडीएम, एसडीएम, पुलिस अधिकारियों और विभिन्न विभागों की टीम ने सोमवार को सुलतानगंज मेला क्षेत्र का व्यापक निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान अजगैबीनाथ मंदिर, नमामि गंगे घाट, सीढ़ी घाट, कांवरिया पथ, पार्किंग स्थल, नियंत्रण कक्ष, स्वास्थ्य शिविर, पेयजल व्यवस्था, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, प्रकाश

यवस्था, बैरिकेडिंग और यातायात प्रबंधन का जायजा लिया गया. जहां भी निर्माण कार्य अधूरा मिला, वहां अतिरिक्त संसाधन और मानवबल लगाकर तेजी से काम पूरा करने के निर्देश दिए गए. इन सुविधाओं पर प्रशासन का सबसे ज्यादा फोकस इस बार प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर कई मोर्चों पर एक साथ काम कर रहा है. घाटों पर पर्याप्त बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है. स्वास्थ्य शिविरों में 24 घंटे चिकित्सा सुविधा उपलब्ध रहेगी. शुद्ध पेयजल, साफ-सुथरे शौचालय और नियमित सफाई की व्यवस्था की जा रही है. भीड़ नियंत्रण के लिए वन-वे ट्रैफिक सिस्टम लागू करने की तैयारी है. इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों और ड्रोन के जरिए पूरे मेला क्षेत्र की निगरानी की जाएगी. आपदा प्रबंधन और अग्निशमन संसाधनों को भी अलर्ट मोड में रखा जाएगा. श्रद्धालुओं को मिलेगा पहले से बेहतर अनुभव प्रशासन का कहना है कि इस बार सभी विभागों के समन्वय से श्रावणी मेले को पहले से अधिक सुरक्षित, व्यवस्थित और श्रद्धालु अनुकूल बनाने का लक्ष्य रखा गया है. तैयारियों की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है और प्रत्येक विभाग को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं. आने वाले दिनों में जैसे-जैसे श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी, वैसे-वैसे सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को भी चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा.

बक्सर-भागलपुर सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण बिहार सरकार अपने दम पर करेगी,

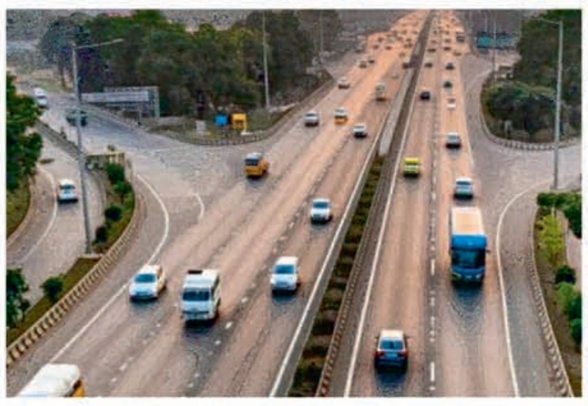

पटना (एजेंसी) बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे को लेकर अपडेट है. बिहार सरकार अपने दम पर इस एक्सप्रेसवे का निर्माण करेगी. इस परियोजना के निर्माण की जिम्मेदारी बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड (बीएसआरडीसीएल) को सौंपी गई है. भागलपुर से ब्रजेश नंदन माधुर्य की रिपोर्ट बक्सर से भागलपुर तक सिक्स लेन ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड एक्सप्रेसवे का निर्माण होने वाला है. इसके लिए अभी तक केंद्र सरकार के पथ परिवहन, एवं राजमार्ग मंत्रालय के अधीन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की तरफ से मौजूदा एनएच को डेवलप कर हाई स्पीड कॉरिडोर बनाने की योजना थी. लेकिन अब इसमें नया अपडेट आ गया है. क्या है नया अपडेट? जानकारी के मुताबिक, इस एक्सप्रेसवे का निर्माण केंद्र सरकार की बजाय बिहार सरकार खुद ही अपने दम पर करेगी. इसके साथ ही संभावना है कि एक्सप्रेसवे के रूट में बदलाव हो. बक्सर-भागलपुर एक्सप्रेसवे के निर्माण को लेकर बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग के अंतर्गत आने वाली एजेंसी बीएसआरडीसीएल ने तैयारी शुरू कर दी है. कंसल्टेंसी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू निगम ने परियोजना की कार्य योजना तैयार कर ली है और अब डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार कराने के लिए कंसल्टेंसी एजेंसी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है. चयनित कंसल्टेंट एजेंसी को हर हाल में 6 महीने के अंदर डीपीआर बनाकर बीएसआरडीसीएल को सौंपना अनिवार्य किया गया है. एजेंसी के लिए पूरा असाइनमेंट एक साल का निर्धारित कि गया है. ट्रांजक्शन एडवाइजर की भी करेगी नियुक्ति बीएसआरडीसीएल की ओर से डीपीआर तैयार कराने के लिए कंसल्टेंट एजेंसी बहाल कर ही रही है. इसके साथ ही वह लेनदेन सलाहकार(टीए) भी चयनित करेगी. यानी, परियोजना के वित्तीय, तकनीकी और संविदा संबंधी कार्यों के लिए ट्रांजक्शन एडवाइजर (लेनदेन सलाहकार) की भी नियुक्ति होगी. इससे परियोजना को तय समय पर आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी. 350 किलोमीटर लंबा होगा हाई-स्पीड कॉरिडोर प्रस्तावित एक्सप्रेसवे की लंबाई करीब 350 किलोमीटर होगी. यह बक्सर से शुरू होकर आरा, पटना, मोकामा और मुंगेर होते हुए भागलपुर तक पहुंचेगा. परियोजना के तहत एनएच-922, एनएच-31 और एनएच-33 के हिस्सों का चौड़ीकरण कर उन्हें चार से छह लेन का बनाया जायेगा. एक्सेस-कंट्रोल्ड होने के कारण इस मार्ग पर गाड़ियों की आवाजाही अधिक सुरक्षित और तेज होगी. यात्रा का समय आधा होने की उम्मीद एक्सप्रेसवे बनने के बाद बक्सर से भागलपुर तक की यात्रा वर्तमान लगभग 9 घंटे के बजाय करीब चार घंटे में पूरी की जा सकेगी. इससे पश्चिम और पूर्व बिहार के बीच आवागमन आसान होगा और आर्थिक गतिविधियों को भी नयी गति मिलेगी. एक्सप्रेसवे बनने से बिहार को मिलेंगे कई फायदे एक्सप्रेसवे बनने से यात्रा तेज होगी. साथ ही कम दूरी और बेहतर सड़क के कारण गाड़ियों के ईंधन खपत भी घटेगी, जिससे आम लोगों और परिवहन कंपनियों दोनों को लाभ मिलेगा. बिहार के पश्चिमी और पूर्वी हिस्सों को तेज सड़क नेटवर्क से जोड़ेगा. उद्योगों, कृषि उत्पादों और अन्य सामानों की ढुलाई पहले की तुलना में कम समय में हो सकेगी, जिससे व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा. मुंगेर और भागलपुर जैसे शहरों का बढ़ेगा महत्व कॉरिडोर बनने से मुंगेर, भागलपुर, मोकामा, पटना और आरा जैसे शहरों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी. इससे नये निवेश की संभावनाएं बढ़ेंगी और इन शहरों का आर्थिक महत्व भी बढ़ेगा. बेहतर सड़क संपर्क मिलने से विक्रमशिला, सुल्तानगंज, मुंगेर और पटना सहित विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों तक पर्यटकों की पहुंच आसान होगी. इससे पर्यटन क्षेत्र को भी नया बढ़ावा मिलने की उम्मीद है. 5 अगस्त को खुलेगी निविदा की तकनीकी बिड बीएसआरडीसीएल की ओर से जारी निविदा के तहत निविदा कागजात डाउनलोड करने का डेट 16 जुलाई से 5 अगस्त तक रखा गया है. प्री-प्रपोजल मीटिंग 27 जुलाई को होगी. निविदा भरने की अंतिम तारीख 27 जुलाई निर्धारित की गयी है. निविदा का तकनीकी बिड 5 अगस्त को खोली जायेगी.

'पार्टी तो बनती है...' गाने पर खान सर ने जमकर किया डांस, काला चश्मा पहन छात्र को गोद में उठाकर झूमे, क्या है माजरा

पटना (एजेंसी) पटना के चर्चित खान सर के एक वीडियो की चर्चा जमकर हो रही है. इसमें खान सर काला चश्मा लगाए दिखे. साथ ही अपने छात्रों को गोद में उठाकर डांस कर रहे हैं. खान सर के इस नए अंदाज ने लोगों को चौंका दिया है. बैकग्राउंड में 'पार्टी तो बनती है...' गाना, आंखों पर काला चश्मा और हाथों से फूलों की माला को नचाते हुए खान सर पूरा खुश दिखे. नीट के सफल छात्रों के साथ उन्होंने जश्न मनाया और उन्हें गोद में उठाकर जमकर डांस किया. इंस्टाग्राम पर केजीएस नीट ऑफिशियल अकाउंट के जरिए वीडियो शेयर किया गया, जिसमें यह सबकुछ देखने के लिए मिला. कैप्शन में क्या कुछ लिखा? खान सर के इस नए अंदाज ने ना सिर्फ लोगों को चौंकाया बल्कि चर्चा भी तेज हो गई है. इंस्टाग्राम पर वीडियो को शेयर कर कैप्शन में लिखा है, 'खान सर ऑन द डांस फ्लोर विथ चैंपियनशिप. सेलेक्शन की खुशी, अब हर बीट पर दिख रही है. जब सपने सच होते हैं, तो सेलिब्रेशन भी दिल से होता है'. इस पोस्ट पर यूजर्स ने जमकर कमेंट्स भी किए हैं. नीट 2026 में सफल छात्रों को किया सम्मानित जानकारी के मुताबिक, नीट 2026 का रिजल्ट जारी किया गया. इसमें खान ग्लोबल स्टडीज के कई छात्र सफल हुए. इसी खुशी में सेलिब्रेशन किया गया. सफल छात्रों को सम्मानित किया गया. उन्हें मेडल पहनाया गया. साथ ही शिक्षकों और छात्रों ने एक-दूसरे को बधाई देकर मिठाई खिलाई. इसके बाद सफल छात्रों के साथ खान सर ने जमकर डांस किया. ऑफिशियल अकाउंट के जरिए वीडियो भी शेयर किया गया. फायरिंग मामले में खान सर ने क्या कहा? पिछले दिनों खान सर को फायरिंग मामले में अग्रिम जमानत मिली थी. इसके बाद उन्होंने एक पॉडकास्ट में पहली बार खुलकर फायरिंग मामले में अपनी बात रखी. खान सर ने अपने ऊपर लगे सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्हें बेवजह इस मामले में घसीटा जा रहा है. पॉडकास्ट में खान सर से पूछा गया कि रौशन आनंद का आरोप है कि 2 जून की घटना के बाद उनके बयान की वजह से प्रिंस यादव नेपाल गया, जहां बाद में उसकी मौत हो गई. इस पर खान सर ने साफ कहा कि यह आरोप गलत है. उन्होंने कहा कि क्या हमने उसे नेपाल भेजा था? क्या हमने कहा था कि किसी का अपहरण करो, कमर में पिस्टल लेकर घूमो या रंगदारी मांगो? हमने ऐसा कुछ नहीं कहा.

बिहार विधानसभा में आज पेश होंगे 7 विधेयक, दाखिल-खारिज, सेवा कर समेत ये हैं शामिल

पटना (एजेंसी) : बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र का आज दूसरा दिन है. 11 बजे से सदन की कार्यवाही शुरू होगी. मंगलवार को सदन में 7 विधेयक पेश किए जायेंगे. इनमें राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, गृह विभाग समेत अन्य विभागों से जुड़े विधेयक शामिल हैं. बिहार विधानसभा के मॉनसून सत्र का आज दूसरा दिन भी हंगामेदार रहने की संभावना जताई जा रही है. विपक्ष ने फिर सरकार को घेरने की पूरी तैयारी कर ली है. मंगलवार को सदन की कार्यवाही प्रश्नकाल से होगी. इस दौरान अल्पसूचित और तारांकित प्रश्न लिए जायेंगे. फिर शून्यकाल के दौरान सदन में विधायक अपने-अपने क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को रखेंगे. सदन में 7 विधेयक किए जायेंगे पेश आज सदन की कार्यवाही 11 बजे से शुरू होगी. आज खास बात यह भी होगी कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, गृह विभाग, वाणिज्य कर विभाग समेत अन्य विभागों से जुड़े 7 विधेयक पेश किए जायेंगे. साथ ही इन विधेयकों पर चर्चा भी शुरू हो सकती है. सोमवार को विपक्ष के हंगामे के साथ मॉनसून सत्र की शुरूआत हुई थी. सरकार ने अपने 100 दिनों की उपलब्धियों को सदन में रखा. जबकि विपक्ष ने केंद्र सरकार और परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया. उन्होंने नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली, प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार हो रही अनियमितताओं और छात्रों की आत्महत्या के मामलों को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधा. सरकार ने पेश किया प्रथम अनुपूरक बजट बिहार सरकार ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 87,383.43 करोड़ रुपये का प्रथम अनुपूरक बजट पेश किया. उपमुख्यमंत्री बिजेंद्र प्रसाद यादव ने विधानसभा में यह अनुपूरक बजट पेश करते हुए बताया कि अतिरिक्त राशि का सबसे बड़ा हिस्सा विकास योजनाओं पर खर्च किया जाएगा. जानकारी के मुताबिक, कुल 57,077.96 करोड़ रुपये वार्षिक योजनाओं के लिए प्रस्तावित हैं. इसमें से सेंट्रल स्कीम मद में 39.48 करोड़ रुपये और वेतन पेंशन में 32 हजार 265 करोड़ रुपए खर्च किए जायेंगे.

बिहार में इन शिक्षकों को पहले मिलेगा पसंदीदा जिला, नंबर के आधार पर होगा ट्रांसफर, जानें किसे-कितने मिलेंगे अंक

पटना (एजेंसी) बिहार में शिक्षकों की ट्रांसफर-पोस्टिंग को लेकर लगातार अपडेट आ रहे हैं. शिक्षकों को नंबर के आधार पर अपनी पसंदीदा जिला मिलेगा. जानकारी के मुताबिक, गंभीर बीमारी से जूझ रहे शिक्षकों को प्राथमिकता दी जाएगी. शिक्षा विभाग ने सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के ट्रांसफर के लिए 100 अंकों पर आधारित नई अढक संचालित ऑनलाइन व्यवस्था लागू करने का फैसला किया है. इस नई प्रणाली में सबसे ज्यादा अंक पाने वाले शिक्षकों को पहले तबादले का अवसर मिलेगा. सबसे बड़ी प्राथमिकता गंभीर बीमारी से जूझ रहे शिक्षकों को दी जाएगी, जिन्हें सीधे 20 अंक मिलेंगे. अगर दो शिक्षकों के कुल अंक समान होते हैं, तो अधिक उम्र वाले शिक्षक को प्राथमिकता दी जाएगी. किसे-कितने मिलेंगे नंबर? जानकारी के मुताबिक, निर्धारित मानकों के तहत दिव्यांग शिक्षकों को 15 अंक दिए जाएंगे. महिला शिक्षकों और अलग-अलग जगहों पर कार्यरत शिक्षक पति-पत्नी को 10-10 अंकों का लाभ मिलेगा. सिर्फ विशेष परिस्थितियां ही नहीं, बल्कि सेवा अनुभव भी इस प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाएगा. 31 मार्च तक की सेवा अवधि के आधार पर हर साल के लिए एक अंक जोड़ा जाएगा. इसके अलावा शिक्षक की वर्तमान तैनाती के आधार पर भी अंक निर्धारित होंगे. क्या कहना है शिक्षा मंत्री

पटना, गोरखपुर के रास्ते चलाई जायेंगी ये स्पेशल ट्रेनें, जानिए टाइमिंग और रूट, श्रद्धालुओं को मिलेगी राहत

पटना (एजेंसी) बिहार में जल्द ही श्रावणी मेले की शुरूआत होने वाली है. इससे पहले रेलवे ने खास तोहफा दिया है. श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला लिया गया है. गोरखपुर, पटना के रास्ते ये ट्रेनें चलेंगी. विश्व प्रसिद्ध श्रावणी मेले के दौरान बाबा बैद्यनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए खास निर्णय लिया है. पूर्वी रेलवे ने दो जोड़ी अनारक्षित श्रावणी मेला विशेष ट्रेनें शुरू की हैं. एक जोड़ी आसनसोल और पटना के बीच चलेगी और दूसरी आसनसोल और गोरखपुर के बीच चलेगी. इन सेवाओं से श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिलेगा. क्या होगी ट्रेन की टाइमिंग? खास बात यह है कि दोनों विशेष ट्रेनें जसीडीह स्टेशन पर रुकेंगी, जिससे बाबा बैद्यनाथ मंदिर तक आसानी से पहुंचा जा सकेगा. ट्रेन संख्या 03511 (आसनसोल-पटना) 29 जुलाई से 29 अगस्त, 2026 तक हर रोज चलेगी, जो आसनसोल से शाम 5 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन सुबह 2:30 बजे पटना पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 03512 (पटना-आसनसोल) 30 जुलाई से 30 अगस्त तक हर रोज चलेगी, जो पटना से सुबह 3:30 बजे खुलेगी करेगी और दोपहर 1 बजे आसनसोल पहुंचेगी. ये ट्रेनें दोनों दिशाओं में चित्तरंजन, मधुपुर, जसीडीह और सिमुलतला स्टेशनों पर रुकेंगी. आसनसोल-गोरखपुर के बीच चलेगी ट्रेनइसी तरह से ट्रेन संख्या 03527 (आसनसोल-गोरखपुर) 29 जुलाई से 29 अगस्त तक हर रोज चलेगी. यह रात 9 बजे आसनसोल से रवाना होकर अगले दिन सुबह 11 बजे गोरखपुर पहुंचेगी. ट्रेन संख्या 03528 (गोरखपुर-आसनसोल) 30 जुलाई से 30 अगस्त तक हर रोज चलेगी. यह शाम 4:15 बजे गोरखपुर से रवाना होकर अगले दिन सुबह 8:20 बजे आसनसोल पहुंचेगी. यह ट्रेन चित्तरंजन, मधुपुर और जसडीह स्टेशनों पर रुकेगी. दोनों विशेष ट्रेनों में केवल सामान्य द्वितीय श्रेणी (अनारक्षित) के डिब्बे होंगे. इन नई ट्रेनों के शुरू होने से जसीडीह स्टेशन पर यात्रियों की आवाजाही और भी आसान हो जाएगी और भीड़भाड़ में बाबा बैद्यनाथ धाम जाने वाले तीर्थयात्रियों को बेहतर यात्रा सुविधाएं मिलेंगी.

पत्रकारिता
में कॅरियर की इंद्रधनुषी सम्भावनाएं

भारत में विकास तथा गवर्नेंस का क्षेत्र हाल ही में एक नया उदाहरण बना है, जिसका मुख्य आधार नई नीतिगत अर्थ व्यवस्था, परिवर्तित व्यवसाय, परिवेश और ज्ञान की शक्ति का सर्वस्वीकृत होना है। नए हालातों में पत्रकारिता की प्रासंगिकता व्यापक रूप से बढ़ गई है। आज लोकतंत्र का यह चौथा स्तम्भ अपने महत्व और विस्तार के मद्देनजर केन्द्रीय भूमिका में आ गया है। पत्रकारिता के बढ़ रहे महत्व को देखते हुए,कई मीडिया संस्थाएं, शैक्षिक संस्थाएं और इलेक्ट्रॉनिक चैनल स्थापित किए गए हैं।

दरअसल मीडिया आज समाज तथा शासन का वास्तविक दर्पण बन गया है। इसे लोक शिक्षक के रूप में देखा है। मीडिया जन-साधारण की समस्याओं को उजागर करने,उनकी आवाज़ बुलंद करने तथा उन्हें न्याय दिलाने का एक प्रभावी साधन यानी मंच बन गया है। लिहाज़ा, कोई आश्चर्य नहीं कि कॅरियर की दृष्टि भी पत्रकारिता का क्षेत्र पहले से ज्यादा विस्तृत और आकर्षक बन गया है।

पत्रकारिता के क्षेत्र में एक सफल करियर के रूप में किसी भी व्यक्ति को जिज्ञासु,दृढ़ इच्छा शक्ति वाला, सूचना को वास्तविक, संक्षिप्त तथा प्रभावी रूप में प्रस्तुत करने की अभिरुचि रखने वाला, किसी के विचारों को सुव्यवस्थित करने तथा उन्हें भाषा तथा लिखित-दोनों रूपों में स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने में कुशल होना चाहिए। दबाव में कार्य करने के दौरान भी नम्र एवं शांत चित्त बने रहना एक अतिरिक्त योग्यता होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों से व्यक्तियों का साक्षात्कार लेते समय पत्रकार को व्यावहारिक, आत्मविश्वासपूर्ण तथा सुनियोजित रहना चाहिए। उसे प्रासंगिक तथ्यों को अप्रासंगिक तथ्यों से अलग करने में सक्षम होना चाहिए। अनुसंधान तथा सूचना की व्याख्या करने के लिए विश्लेषण कुशलता होनी चाहिए।

बदलते परिवेश ने वैसे देखा जाय तो प्रायः प्रत्येक करियर की संभावनाओं में आमूल परिवर्तन कर दिया है। इस लिहाज़ से पत्रकारिता एक प्रतिष्ठित व्यवसाय है और कुछ मामलों में एक उच्च वेतन देने वाला व्यवसाय है,जो युवाओं की बडी़ संख्या को आकर्षित कर रहा है। इससे कौन इंकार कर सकता है कि किसी भी राष्ट के विकास में पत्रकारिता अहम भूमिका निभाती है। इसमें आजकल नागरिकों की सीधी भागीदारी की मांग बढ़ती है।यह वह साधन है, जिसके माध्यम से हमें समाज की दैनिक घटनाओं के बारे में सूचना प्राप्त होती है। वास्तव में पत्रकारिता का उद्देश्य जनता को सूचना देना, समझाना, शिक्षा देना और उन्हें प्रबुद्ध करना है।

कलम तलवार से कहीं अधिक प्रभावशाली है, इसे आज की पत्रकारिता ने सिद्ध कर दिखाया है। अब सिर्फ खबर देना पत्रकारिता नहीं है। घटनाओं की मात्र साधारण रिपोर्ट देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि रिपोर्टिंग में अधिक विस्तार, स्पष्टता , विशेषज्ञता और व्यावसायिकता होना आवश्यक है। यही कारण है कि पत्रकार अपनी योग्यता प्रमाणित करने के लिए समाचारपत्रों एवं पत्र-पत्रिकाओं के लिए राजनीति शास्त्र,वित्त,अर्थशास्त्र,कला, संस्कृति एवं खेल जैसे विविध क्षेत्रों के अलावा अनगिन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करते हैं। घटनाओं और चीज़ों पर पकड़ के अलावा इसे भाषा पर भी अधिकार हासिल करना होता है।

अब एक करियर के रूप में अगर देखें तो तीन ऐसे मुख्य क्षेत्र हैं जिनमें पत्रकारिता के इच्छुक व्यक्ति रोजगार ढूंढ़ सकते हैं-

शिक्षण एवं अनुसंधान
प्रिंट पत्रकारिता
इलेक्ट्रॉनिक (श्रव्य/दृश्य) पत्रकारिता।

शिक्षण एवं अनुसंधान-उच्च शिक्षा, पत्रकारों के लिए रोजगार का एक महत्वपूर्ण स्त्रोत है, किंतु अनुसंधान भी पत्रकारिता में एक सामान्य करियर विकल्प है। पत्रकारिता में उच्च शिक्षा और पी.एचडी. उपाधि धारक कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थाओं में रोजगार तलाशते हैं। कई अध्यापन पदों पर विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और संस्थानों में अनुसंधान सम्बन्धी कार्यकलाप अपेक्षित होते हैं। यद्यपि यह निश्चित तौर पर सत्य है कि पुस्तकों अथवा लेखों को प्रकाशित करना कार्य - सुरक्षा तथा पदोन्नति का मुख्य मार्ग है और अधिकांश विश्वविद्यालयों में वेतन वृद्धि होती है, यह अपेक्षा ऐसी स्थापनाओं में अधिक लागू होती है जहां मूल छात्रवृत्ति को महत्व तथा समर्थन दिया जाता है। तथापि कई संस्थाएं उन्नति के एक प्रारंभिक मार्ग के रूप में अनुसंधान अथवा अध्यापन पर अधिक बल देती है।

इसके परिणामस्वरूप यद्यपि कुछ व्यवसायों में पत्रकारिता में कोई डिग्री विशेष रूप से अपेक्षित होती है, तथापि, ऐसा शैक्षिक प्रशिक्षण विविध प्रकार के व्यवसायों में जाने की एक महत्वपूर्ण योग्यता हो सकती है। पत्रकारिता में कला-स्नातक या मास्टर ऑफ आर्टस अथवा अनुसंधान (पीएच.डी.) डिग्रियों के लिए, गैर-लाभ भोगी क्षेत्र में, कोई विश्वविद्यालय, कोई संस्थान कोई व्यावसायिक या मीडिया फर्म रोजगार का क्षेत्र हो सकती है।

प्रिंट पत्रकारिता- प्रिंट पत्रकारिता समाचार पत्रों पत्रिकाओं तथा दैनिक पत्रों के

लिए समाचारों को एकत्र करने एवं उनके सम्पादन से संबद्ध हैं। समाचार पत्र एवं पत्रिकाएं, वे बड़ी हों या छोटी, हमेशा विश्वभर में समाचारों तथा सूचना का मुख्य स्त्रोत रही हैं और लाखों व्यक्ति उन्हें प्रतिदिन पढ़ते हैं। कई वर्षों से प्रिंट पत्रकारिता बड़े परिवर्तन की साक्षी रही है। आज समाचार-पत्र एवं पत्रिकाएं विविध विशेषज्ञतापूर्ण वर्गों जैसे राजनीतिक घटनाओं व्यवसाय समाचारों, सिनेमा, खेल, स्वास्थ्य तथा कई अन्य विषयों पर समाचार प्रकाशित करते हैं, जिनके लिए व्यावसायिक रूप से योग्य पत्रकारों की मांग होती है। प्रिंट पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति सम्पादक, संवाददाता, रिपोर्टर, आदि के रूप में कार्य कर सकता है।

इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता- इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता का विशेष रूप से प्रसारण के माध्यम से जन-समुदाय पर पर्याप्त प्रभाव है। दूरदर्शन, रेडियो, श्रव्य, दृश्य (ऑडियो, वीडियो) और वेब जैसे इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने दूर -दराज के स्थानों में समाचार, मनोरंजन एवं सूचनाएं पहुंचाने का कार्य किया है। वेब में, कुशल व्यक्तियों को वेब समाचार पत्रों (जो केवल वेब की पूर्ति करते हैं और इनमें प्रिंट संस्करण नहीं होते और लोक प्रिय समाचारपत्रों तथा पत्रिकाओं को जिनके अपने वेब संस्करण होते हैं, साइट रखनी होती है। इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता में कोई भी व्यक्ति रिपोर्टर, लेखक, सम्पादक, अनुसंधानकर्ता, संवाददाता और एंकर बन सकता है।

शिक्षा- स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम एवं अनुसंधान चलाने वाले कई विश्वविद्यालय तथा संस्थान हैं, उनमें कुछ निम्नलिखित हैं-

लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ
बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली
भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली
मुद्रा संचार संस्थान
सिम्बियोसिस पत्रकारिता एवं संचार संस्थान
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय खुला विश्वविद्यालय, नई दिल्ली कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्व विद्यालय,रायपुर

अवसर

पत्रकारिता में कोई पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद, कोई भी व्यक्ति किसी मीडिया अनुसंधान संस्थान या किसी सरकारी संगठन में एक अनुसंधान वैज्ञानिक बन सकता है। अनुसंधान कार्य के दौरान भी कोई व्यक्ति अन्य अनुदानों तथा सुविधाओं के अतिरिक्त, मासिक वृतिका प्राप्त कर सकता है। कोई भी व्यक्ति किसी समाचारपत्र में या इलेक्ट्रॉनिक चैनल में एक पत्रकार के रूप में कार्यग्रहण कर सकता है और अच्छा वेतन अर्जित कर सकता है। प्रेस अधिकारी के रूप में अपनी दक्षता सिद्ध कर सकता है।

स्वरोजगार

टॉय डिजाइनिंग ढेरों संभावनाएं

खिलौने सभी बच्चों को बेहद पसंद होते हैं। ये सिर्फ खेलने के नजरिए से नहीं, बल्कि उनके मानसिक विकास में भी मदद करते हैं। वैसे भी आजकल बाजार में इतने नए-नए खिलौने आ गए हैं कि कई बार लेने से पहले सोचना पड़ता है। कहते हैं अपने अंदर का बच्चा कभी न मरने दें और खिलौनों की दुनिया का यह नया स्वरूप खिलौने के निर्माण में कॅरियर की भी ढेरों संभावनाएं पैदा करता है। टॉय डिजाइनर का काम खिलौनों से बच्चों का मनोरंजन तो हो ही, साथ ही, ऐसे खिलौने बनाना भी है जिनसे बच्चों को मनोरंजन के साथ-साथ शिक्षा भी मिले। टॉय डिजाइनिंग में दो चीजें हैं - एक क्रिएटिविटी और दूसरा बच्चों की क्षमता को समझना, जिससे बच्चे खेलें भी और उन्हें नई चीजें सीखने का मौका भी मिले। खिलौने भी दो प्रकार के होते हैं - एक जिनसे बच्चे कुछ सीखते हैं और जिसे परिवार के साथ भी खेला जा सकता है, दूसरा सिर्फ मौज-मस्ती के लिए। पुराने समय में खिलौने प्राकृतिक चीजों से बनते थे जैसे- लकड़ी, पत्थर या मिट्टी लेकिन आजकल यह प्लास्टिक, फर और अन्य कृत्रिम पदार्थ। टॉय डिजाइनर खिलौनों को डिजाइन करते हैं और फिर बनाते हैं। उनका काम शुरू होता है ड्रॉइंग, स्केचिंग या कंप्यूटर से मॉडल तैयार करने से, फिर यह तय करना कि खिलौने का हर हिस्सा कैसे बनना है और फिर उसका एक नमूना तैयार करना। खिलौनों को बाजार में दो प्रकार के उपभोक्ताओं के लिए रखा जाता है - एक तो बच्चे जो उनसे खेलते हैं और दूसरे उन ग्राहकों के लिए जो खिलौने एकत्रित करते हैं। गुडि़या से लेकर मैकेनिकल सेट, टॉय डिजाइनर, बोर्ड गेम्स, पजल्स, कम्प्यूटर गेम्स, स्टफ्ड एनिमल्स, रिमोट कंट्रोल कार, नवजात शिशु के लिए खिलौने आदि बनाते हैं। आजकल के दौर के हिसाब से खिलौने बनाने के लिए डिजाइनर को न केवल बाजार के ट्रेंड से अवगत रहना चाहिए बल्कि अलग-अलग आयु वर्ग के बच्चों की जरूरतों को भी पता होना चाहिए। इस कॅरियर में ग्राफिक डिजाइन, मैकेनिकल ड्रॉइंग और कलर के चुनाव की जानकारी हो तो अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती है। टॉय डिजाइनर बच्चों के विशेषज्ञ के साथ काम करते हैं जिससे उन्हें हर आयु के बच्चों की जरूरत का पता चलता है। उनकी सफलता अच्छे, मनोरंजक, कल्पनाशील और सुरक्षित खिलौने बनाने पर निर्भर

करती है।

इस कॅरियर के लिए व्यापार और प्रबंधन क्षमता होना जरूरी है। इस कॅरियर में विशिष्ट कोर्स कम हैं लेकिन ग्राफिक डिजाइन, इंडस्ट्रियल डिजाइन या कार्टूनिंग की जानकारी के साथ काम किया जा सकता है। इसमें कंप्यूटर की जानकारी होना जरूरी है। इसके अलावा, इंजीनियरिंग और मार्केटिंग में अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक, विशेषज्ञ, साइकोलॉजिस्ट, इंजीनियर, आर्किटेक्ट और कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट भी टॉय डिजाइनिंग का कोर्स कर सकते हैं। इंजीनियरिंग का ज्ञान तकनीक द्वारा निर्मित खिलौने के लिए होना जरूरी है। शिक्षक, विशेषज्ञ और मनोवैज्ञानिक हर आयु के बच्चों की जरूरतें आसानी से समझ सकते हैं इसलिए परामर्शदाता के तौर पर वह इस क्षेत्र में पैर जमाने में सक्षम हैं। कंप्यूटर साइंस ग्रेजुएट खिलौनों की सॉफ्टवेयर संबंधित कार्यात्मकता प्रदान कर सकते हैं। कुछ टॉय डिजाइनर एजुकेशनल खिलौनों में भी विशेषज्ञता प्राप्त कर सकते हैं, कुछ सामान्य खिलौनों में या फिर कोई विशिष्ट क्षेत्र में कोर्स कर सकते हैं जैसे- मॉडल मेकिंग, बोर्ड गेम्स, सॉफ्ट टॉय या पुराने खिलौनों की प्रतिकृति आदि। आजकल पालतू जानवरों के लिए खिलौने बनाना भी बढ़ती हुई इंडस्ट्री है। टॉय डिजाइनर अगर चाहें तो किसी कंपनी में भी काम कर सकते हैं या स्वतंत्र रूप से खिलौने भी बना सकते हैं। अगर चाहें तो अपनी मैनुफैक्चरिंग यूनिट भी खोल सकते हैं। टॉय डिजाइन पर किताब लिख सकते हैं या किसी इंस्टिट्यूट में बतौर शिक्षक भी नौकरी की जा सकती है। इसके अलावा, बतौर इंटीरियर डिजाइनर बच्चों के कमरे या प्ले स्कूल थीम बेस्ड टॉय का इस्तेमाल करके डिजाइन कर सकते हैं। टॉय डिजाइन कंस्लटेंट या इसमें फ्रीलांसिंग भी की जा सकती है। एक बार डिजाइनर के तौर पर अपने आपको स्थापित करने के बाद अवसरों और आय की कमी नहीं होगी। लेकिन इस कॅरियर में सफलता आपकी रचनात्मकता पर निर्भर करती है।

हंसो, हंसाओ
लाइफ बनाओ

जिंदगी में दुख और तकलीफें कम नहीं, ऐसे में हंसने का मौका मिल जाए तो क्या कहने! यही वजह है कि हंसी के गुब्बारे छोड़ते लोग टीवी, रेडियो और फिल्में में खूब दिखने लगे हैं। कहा जाता है कि हंसाना आसान काम नहीं है, लेकिन यदि आपमें वह हुनर है कि आप रोते को भी हंसा दें तो फिर देर किस बात की, बना डालिए हंसी के क्षेत्र में करियर और कमा लीजिए ढेर सारा प्यार और रुपये। जी हां, कभी लोगों के चेहरे से दूर रहने वाली हंसी अब हर टीवी चैनल, रेडियो स्टेशन और फिल्मों में दिखने लगी है। यही वजह है कि इस समय हंसी के क्षेत्र में करियर बनाने के कई विकल्प हैं।

अपने शब्दों के साथ ही अपने चेहरे के हाव-भाव को कुछ डिफरेंट बना सकते हैं कि सामने वाला पेट पकड़े बिना न रह पाए तो मिमिक्री, आरजे, वीजे, टीवी धारावाहिक, स्टेज शो, एंकरिंग, थिएटर, फिल्म, स्क्रिप्ट लेखन, कवि गोष्ठी किसी क्षेत्र में भी हाथ आजमा सकते हैं। इस समय इस क्षेत्र से संबंधित कई इंस्टीट्यूट कुकुरमुत्ते की तरह उग आए हैं, लेकिन ध्यान रखिए कि किसी भी इंस्टीट्यूट में वह माद्दा नहीं है जो आपको इसमें पारंगत बना दे। इसे खुद ही निखारा जा सकता है, खूब सारी प्रैक्टिस करके। हंसी के क्षेत्र में बढ़ती करियर की संभावनाओं के बारे में पढिये़ इस लेख में-

स्टैंडअप कॉमेडियन

द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज, कॉमेडी सर्कस जैसे टीवी शोज के जरिए स्टैंडअप कॉमेडियन को न सिर्फ इज्जत मिलने लगी है, बल्कि ये कमाई का बेहतरीन जरिया भी बन चुके हैं। आप जितना अधिक खुद पर हंस सकते हैं, दूसरों पर बिना प्रहार किए उन्हें हंसी का केंद्र बना सकते हैं, आप उतनी ही जल्दी प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच सकते हैं। क्या कभी आप अपने दोस्तों के बीच खड़े होकर उन्हें पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर चुके हैं, यदि आपका जवाब हां में है तो आपमें स्टैंडअप कॉमेडियन बनने की काबिलियत है। इसके जरिए आप शुरुआत में दस हजार रुपये आसानी से कमा सकते हैं। प्रसिद्धि पाने के बाद तो यह कीमत एक लाख रुपये तक जा सकती है। इसके लिए क्रिएटिव राइटिंग या मीडिया से संबंधित कोई कोर्स सहायक हो सकता है। जरूरी है कि आपमें बेहतर कम्यूनिकेशन स्किल, सेंस ऑफ ह्यूमर, अच्छी पर्सनालिटी, निरंतरता जैसी खूबियां हों।

रेडियो जॉकी

इन दिनों रेडियो स्टेशनों पर आरजे श्रोताओं को हंसाते हुए नजर आते हैं। बातचीत चाहे फिल्मों की हो या राजनीति की, इनकी बातों में हंसी का पुट खूब रहता है। एक हंसोड़ आरजे बनने के लिए आपमें सेंस ऑफ ह्यूमर, निरंतरता, बेहतरीन आवाज, कम्यूनिकेशन स्किल का होना जरूरी है। इन गुणों के अलावा पुणे स्थित फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट, नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, जेवियर्स इंस्टीट्यूट ऑफ कम्यूनिकेशन ट्रेनिंग प्रदान करता है। आरजे खुरापाती नितिन के सभी श्रोता इसलिए फैन हैं, क्योंकि वह अपनी बातों से खूब हंसाते हैं।

वीडियो जॉकी

वीजे का काम भी काफी हद तक आरजे से मिलता है। बस यहां खुशनुमा व्यक्तित्व का होना आवश्यक है। व्यक्तित्व ऐसा हो, जिसे देखते दर्शकों को अच्छा महसूस हो। साथ में फटाफट जवाब देने की कुशलता का होना आवश्यक है। वीजे सायरस ब्रोचा ऐसे ही हैं, जो अपनी वीजेइंग में कॉमेडी का पुट ऐसा जोड़ते हैं कि दर्शक हंसे बिना रह ही नहीं पाते।

एंकर

एंकर बनने के लिए सबसे पहली खूबी तो यह होनी चाहिए कि भीड़ में आपका आत्मविश्वास खुलकर दिखे। आप जब बोलें तो लोग आपको ध्यान से सुनें। जरूरी तो यह भी है कि आपकी पर्सनालिटी खुशनुमा हो, आवाज साफ और खुली होने के साथ शब्दों का उच्चारण सही करना आता हो। साजिद खान, अली असगर, पूरबी जोशी जैसे एंकर इसलिए हिट हैं, क्योंकि उनमें ये सारी खूबियां हैं।

स्क्रिप्ट राइटर

टीवी चैनलों पर बढ़ते हास्य धारावाहिकों या कॉमेडी के शोज को देखते हुए भारी मांग बढ़ी है स्क्रिप्ट लेखकों की। कई बड़े और नामी कॉमेडी आर्टिस्ट समय की कमी के कारण खुद के लिए स्क्रिप्ट लिखवाते हैं। तो हास्य धारावाहिकों में भी स्क्रिप्ट लेखक की आवश्यकता पड़ती है, जो दर्शकों को खुद की लिखी लाइनें सुनते ही हंसने पर मजबूर कर दे। यही मांग कॉमेडी फिल्मों और रेडियो के लिए भी है। इस हुनर को सीखा नहीं जा सकता, यह व्यक्ति के अंदर होता है। हां, इसे निखारा जरूर जा सकता है। सही लेखन के लिए मास कम्यूनिकेशन का कोर्स किया जा सकता है। शुरुआत में थोड़ा संघर्ष हो सकता है, लेकिन बाद में प्रति माह चालीस-पचास हजार रुपये आसानी से कमाए जा सकते हैं।

हंसने-हंसाने के क्षेत्र में इस समय करियर की संभावनाएं बेहतरीन हैं। चाहें तो लाइव शोज में एंकरिंग कर लें, स्टैंडअप कॉमेडियन बन जाएं या लिखना शुरू कर दें। बस जरूरत है थोड़ी ग्रूमिंग की और स्टेज प्रेजेंस तगड़ा (लेखन छोड़कर) बनाने की। इसके लिए जरूरत है प्रेजेंस ऑफ माइंड बढि़या हो। इसके साथ ही एक्सट्रोवर्ट होना चाहिये। जनरल अवेयरनेस, अच्छी मेमोरी, ग्रहण करने की बेहतर क्षमता, कम्यूनिकेशन स्किल,सेंस ऑफ ह्यूमर अन्य जरूरी गुण हैं। इन खूबियों को ऐसे लोगों के साथ रहकर ग्रूम भी किया जा सकता है। इसके बाद स्क्रिप्ट राइटिंग, एंकरिंग, स्टैंडअप कॉमेडियन, रेडियो जॉकी, वीडियो जॉकी, लाइव शो प्रेजेंटर में से कोई भी विकल्प चुना जा सकता है।

एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए भारतीय टीम घोषित, हरमनप्रीत सिंह होंगे कप्तान

भारतीय टीम

गोलकीपर : मोहित एचएस, सूरज करकेरा
डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच
मिडफील्डर : मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे
फॉरवर्ड : मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

एजेंसी

नई दिल्ली : हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड्स 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम में अनुभव की अहम भूमिका निभाएंगे। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होगा। भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने सभी लीग मुकाबले नीदरलैंड्स के एम्स्टलवीन में खेलेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा, यह एक संतुलित टीम है। इसमें बड़े टूर्नामेंट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है। भारत अपने अभियान की शुरूआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। भारत-पाकिस्तान मैच पूल चरण का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला माना जा रहा है। फुल्टन ने कहा, प्रेस, काउंटर और प्रदर्शन केवल हमारी रणनीति नहीं है, बल्कि यही इस टीम की सोच और प्रशिक्षण का आधार भी है। हम फिलहाल बहुत आगे नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समय में एक मैच पर पूरा ध्यान देना है और हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। उन्होंने आगे कहा, 1975 में भारत ने विश्व कप जीता था। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के 50 साल बाद इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना नया अध्याय लिखने का अवसर है और इसे लेकर हम सभी बेहद उत्साहित हैं।

राष्ट्रमंडल खेल 2026 : 23 जुलाई से होगा आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली : स्कॉटलैंड के ग्लास्गो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक आयोजित होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2026 में 74 देशों और क्षेत्रों के 3,000 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 11 दिनों तक चलने वाले इन खेलों में 11 खेलों की 215 पदक स्पर्धाओं में मुकाबले होंगे। प्रतियोगिता में ओलंपिक और विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के साथ कई उभरते सितारे भी अपनी चुनौती पेश करेंगे। खेलों की शुरूआत 23 जुलाई को बाउल्स और पैरा बाउल्स से होगी, जबकि समापन 2 अगस्त को ट्रैक साइक्लिंग, जूडो और नेटबॉल के पदक मुकाबलों के साथ होगा। एथलेटिक्स, तैराकी, मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, 3x3 बास्केटबॉल और पैरा स्पर्धाएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

फीफा ने शुरू की स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प की जांच

एजेंसी

नई दिल्ली : फेडरेशन इंटरनेशनेल डी फुटबॉल एसोसिएशन (फीफा) ने रविवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल के बाद मैदान पर स्पेन और अर्जेंटीना के खिलाड़ियों व कोचिंग स्टाफ के बीच हुई हिंसक झड़प की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी है। न्यू जर्सी के मेटलाइफ स्टेडियम में खेले गए फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय (106वें मिनट) में गोल कर स्पेन को अर्जेंटीना पर 1-0 से जीत दिलाई और स्पेन ने अपना दूसरा पुरुष फीफा विश्व कप खिताब जीता। हालांकि मुकाबले के अंत में अर्जेंटीना खिलाड़ियों के अनुशासनहीन व्यवहार ने मैच की चमक फीकी कर दी। इससे पहले अतिरिक्त समय के अंतिम क्षणों में अर्जेंटीना के मिडफील्डर एंजो फर्नांडीज को स्पेन के पाउ कुबार्सी पर खतरनाक फाउल करने के कारण रेफरी स्लावको विनचिच ने दूसरा पीला कार्ड दिखाकर लाल कार्ड दे दिया था। मैच समाप्त होने के बाद सामने आए वीडियो में अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और नाहुएल मोलिना को स्पेन के एरिक गार्सिया और रोद्री के साथ हाथापाई करते देखा गया। वहीं अर्जेंटीना के सहायक कोच रोबर्टो आयाला भी कथित तौर पर स्पेन के दानी ओल्मो पर हाथ उठाते नजर आए। इसके बाद मोलिना ने रोद्री को घेर लिया, जबकि अर्जेंटीना के डिफेंडर निकोलस ओटामेंडी ने अपने पूर्व मैनचेस्टर सिटी साथी रोद्री के साथ तीखी बहस की। स्थिति को शांत कराने के लिए अर्जेंटीना के मुख्य कोच लियोनेल स्कालोनी और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी बीच-बचाव के लिए मैदान में पहुंचे। फीफा ने अब पुष्टि की है कि पूरे मामले की अनुशासनात्मक जांच शुरू कर दी गई है और यह देखा जाएगा कि फीफा अनुशासन संहिता के उल्लंघन के मामले में आगे क्या कार्रवाई की जाए। फीफा के आधिकारिक बयान में कहा गया, स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए फीफा विश्व कप फाइनल की मैच रिपोर्ट का आकलन करने और फीफा अनुशासन संहिता (एफडीसी) के अनुच्छेद 36 के तहत फीफा अनुशासन समिति ने मैच के बाद हुई घटनाओं की जांच के लिए एक अनुशासन एवं नैतिकता अभियोजक नियुक्त किया है, जो संभावित उल्लंघनों की जांच करेगा। बयान में आगे कहा गया, अभियोजक की रिपोर्ट पूरी होने के बाद फीफा अनुशासन समिति आगे की जानकारी सार्वजनिक करेगी। गौरतलब है कि अर्जेंटीना के एंजो फर्नांडीज विश्व कप फाइनल में लाल कार्ड पाने वाले 2010 के बाद पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

विश्व कप फाइनल की हार के बाद भावुक हुए लियोनेल मेसी, बोले- यह दर्द बहुत गहरा है

एजेंसी

नई दिल्ली : फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 की हार के एक दिन बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने भावुक संदेश जारी करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। मेसी ने कहा कि इस हार का दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा, लेकिन टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जो संघर्ष किया, उस पर उन्हें गर्व है। न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद मेसी भावुक होकर रोते हुए नजर आए और उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर भी अटकलें तेज हो गईं। इंस्टाग्राम पर स्पेनिश भाषा में लिखे अपने संदेश में मेसी ने कहा, यह दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा। लेकिन मैं उन सभी अच्छे पलों को भी संजोकर रखूंगा... वे मुकाबले जिन्हें हमने वापसी करते हुए जीता, जिनमें हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। वे पल हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। पूरे देश का समर्थन, और इस टीम की मेहनत व समर्पण ने हमें एक बार फिर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल किया। उन्होंने आगे कहा, आप सभी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद, जिन्होंने हमें शुभकामनाएं दीं और संदेश भेजे। एक बार फिर हम पूरे देश को एकजुट करने में सफल रहे और अर्जेंटीना होने के गर्व को साथ मिलकर महसूस किया। मेसी ने अपने संदेश में स्पेन को भी बधाई देते हुए कहा,मैं स्पेन को भी इस चैंपियनशिप के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी मेसी ने 2022 विश्व कप फाइनल में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। इसके अलावा उन्होंने 2021 और 2024 में लगातार दो कोपा अमेरिका खिताब भी टीम को जिताए। इस विश्व कप के दौरान मेसी ने अपने अंतरराष्ट्रीय गोलों की संख्या 125 तक पहुंचा दी, जो केवल क्रिस्टियानो रोनाल्डो (146 गोल) से कम है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में दमदार शुरूआत के लिए तैयार विशाल टीके, बोले- देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा

एजेंसी

मुंबई : भारतीय क्वार्टर-माइलर विशाल थेन्नारासु कयालविझी (विशाल टीके) ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में अपने पहले अभियान के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 22 वर्षीय विशाल इस सीजन शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के शीर्ष स्प्रिंट धावकों में अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने इसी वर्ष 400 मीटर दौड़ में 44.98 सेकेंड का समय निकालकर 45 सेकेंड का आंकड़ा तोड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बनने का इतिहास रचा था। यह प्रदर्शन मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। चार बार के राष्ट्रीय चैंपियन विशाल ने हाल के वर्षों में एशियाई स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण और पुरुष 4x400 मीटर रिले में रजत पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। विश्व रैंकिंग में शीर्ष-60 धावकों में शामिल विशाल अब कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सबसे बड़ी उम्मीदों में गिने जा रहे हैं। कॉमनवेल्थ गेम्स में पदार्पण से पहले विशाल ने कहा, मैं जीत की मानसिकता के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स में उतर रहा हूं। कई महीनों की कड़ी मेहनत, ईमानदारी, अनुशासन, निरंतरता और आत्मविश्वास ने मुझे यहां तक पहुंचाया है। मुझे अपनी प्रक्रिया और अपने कोच जेसन डॉसन पर पूरा भरोसा है। मेरा लक्ष्य ट्रैक पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है और हर सेकेंड को महत्वपूर्ण बनाना है। मैं अपनी क्षमताओं की कोई सीमा तय नहीं करता। हर प्रतियोगिता में खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करता हूं। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा है और देश को गौरवान्वित करने के लिए मैं अपना सबकुछ झोंक दूंगा। विशाल ने अपनी सफलता का श्रेय इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट (आईआईएस) को भी दिया। उन्होंने कहा, सफलता कभी अकेले नहीं मिलती और मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे साथ एक बेहतरीन टीम है।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस, हेजलवुड और लियोन की वापसी

एजेंसी

मेलबर्न : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ी मजबूती मिली है। हेजलवुड एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से उबरते समय अकिलिस की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर रहे थे। वहीं लियोन एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी कराने के कारण लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए थे। दूसरी ओर, पैट कमिंस निचली पीठ की स्ट्रेस इंजरी से वापसी करते हुए केवल एडिलेड टेस्ट में खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के एशेज बरकरार रखने के बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अंतिम दो टेस्ट मैचों में आराम दिया गया था। कमिंस और हेजलवुड भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे, हालांकि दोनों ने अलग-अलग समय पर आईपीएल में वापसी की थी। लियोन ने एडिलेड टेस्ट के बाद अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के हवाले से कहा, राष्ट्रीय चयन समिति पैट, जोश और नाथन की वापसी का स्वागत करती है।

पिछले कुछ महीनों में इन तीनों खिलाड़ियों ने स्पोर्ट्स साइंस और स्पोर्ट्स मेडिसिन टीम के साथ मिलकर अपनी-अपनी चोट से उबरने के लिए कड़ी मेहनत की है। वरिष्ठ गेंदबाजों की वापसी के बाद एशेज में 15 विकेट लेने वाले माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि नेसर, डॉगेट और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी मुख्य टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है। बेली ने कहा, यह 13 खिलाड़ियों की टीम है, लेकिन जरूरत पड़ने पर बदलाव के लिए अन्य खिलाड़ी भी पूरी तरह तैयार हैं। अगले 12 महीनों में लगातार क्रिकेट होने के कारण कई खिलाड़ियों को तीनों प्रारूपों में अवसर मिलेंगे। ऑस्ट्रेलिया ने शीर्ष क्रम में कोई बदलाव नहीं किया है। एशेज में पदार्पण करने वाले जेक वेदराल्ड को एक और मौका मिला है और वह सलामी बल्लेबाज के रूप में ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरूआत करेंगे। उस्मान ख्वाजा के संन्यास के बाद हेड को ओपनिंग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खराब फॉर्म से जूझ रहे मार्नस लाबुशेन को भी टीम में बरकरार रखा गया है। एशेज में उन्होंने 259 रन बनाए थे और उनका औसत 28.78 रहा था। इससे पहले वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्हें अंतिम एकादश से बाहर भी किया गया था। तेज गेंदबाजी आक्रमण में कमिंस और हेजलवुड के अलावा मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड शामिल हैं। वहीं ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के दावेदार हैं। रिजर्व विकेटकीपर जोश इंग्लिस भी मध्यक्रम में स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगे।

संक्षिप्त खबरें

फीफा विश्व कप 2026 के बाद नई रैंकिंग जारी, स्पेन बना नंबर-1

नई दिल्ली : फीफा विश्व कप 2026 का खिताब जीतने के साथ ही स्पेन ने फीफा पुरुष फुटबॉल रैंकिंग में भी नंबर-1 स्थान हासिल कर लिया है। स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को अतिरिक्त समय में 1-0 से हराकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष स्थान पर कब्जा जमाया और मौजूदा विश्व चैंपियन अर्जेंटीना को दूसरे स्थान पर धकेल दिया। विश्व कप फाइनल में फेरान टोरेस ने अतिरिक्त समय में विजयी गोल दागकर स्पेन को उसका दूसरा पुरुष विश्व कप खिताब दिलाया। इस उपलब्धि के साथ स्पेन अब पुरुष और महिला दोनों फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गया है। स्पेन की महिला टीम भी मौजूदा विश्व चैंपियन है। लियोनेल मेसी की कप्तानी वाली अर्जेंटीना एक स्थान नीचे खिसककर दूसरे नंबर पर पहुंच गई है। विश्व कप में चौथे स्थान पर रहने के बावजूद फ्रांस तीसरे स्थान पर कायम है, जबकि इंग्लैंड चौथे स्थान पर बना हुआ है। यूईएफए नेशंस लीग चैंपियन पुर्तगाल, जिसे विश्व कप के प्री-क्वार्टर फाइनल में स्पेन ने बाहर किया था, दो स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर पहुंच गया है। वहीं, इसी दौर में बाहर होने वाला ब्राजील एक स्थान की छलांग लगाकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष-5 में लौट आया है और अब पांचवें स्थान पर है। चार बार का विश्व चैंपियन जर्मनी विश्व कप के राउंड ऑफ-32 में पैराग्वे से पेनाल्टी शूटआउट में हारकर बाहर हो गया था। इसका असर रैंकिंग पर भी पड़ा और जर्मनी दो स्थान नीचे खिसककर 12वें स्थान पर पहुंच गया। यह सितंबर 2025 के बाद उसकी सबसे खराब रैंकिंग है। विश्व कप के सह-मेजबान देशों में मेक्सिको ने सबसे बड़ी प्रगति की। मेक्सिको चार स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंच गया। टीम प्री-क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थी, जहां उसे अपने घरेलू मैदान एज्टेका स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। फीफा के अनुसार, जून रैंकिंग चक्र के दौरान कुल 105 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले गए, जिनमें से 104 मुकाबले फीफा विश्व कप 2026 के थे। यह टूर्नामेंट अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में आयोजित हुआ।

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार-2025 के लिए 20 अगस्त तक होंगे ऑनलाइन नामांकन

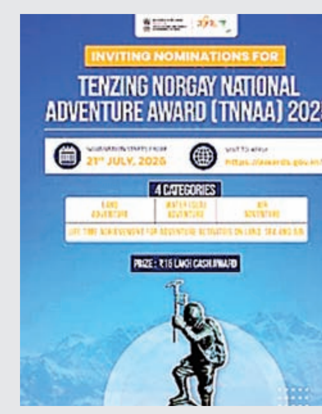

नई दिल्ली : युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय ने तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार (टीएनएनएए) 2025 के लिए ऑनलाइन नामांकन आमंत्रित किए हैं। भारत में साहसिक गतिविधियों के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिए जाने वाले इस सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान के लिए आवेदन प्रक्रिया 21 जुलाई से 20 अगस्त तक खुली रहेगी। इच्छुक उम्मीदवार गृह मंत्रालय के राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार का उद्देश्य साहसिक खेलों में असाधारण उपलब्धियों को सम्मानित करना तथा युवाओं में साहस, धैर्य, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना को बढ़ावा देना है। यह पुरस्कार चार श्रेणियों—स्थल (लैंड) साहसिक, जल (समुद्र) साहसिक, वायु साहसिक और आजीवन उपलब्धि—में प्रदान किया जाता है। साथ ही इसका उद्देश्य देश के युवाओं को साहसिक गतिविधियों में अधिक भागीदारी के लिए प्रेरित करना भी है। पुरस्कार विजेताओं को कांस्य प्रतिमा, प्रशस्ति पत्र, ब्लेजर (या साड़ी) तथा 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। इस पुरस्कार का दर्जा अर्जुन पुरस्कार के समकक्ष है और इसे भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों के साथ प्रदान किया जाता है। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अनुसार साहसिक गतिविधियों के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले भारतीय नागरिक आवेदन करने के पात्र होंगे। आवेदन केवल ऑनलाइन स्वीकार किए जाएंगे। आवेदकों को संबंधित राज्य सरकार के युवा/खेल विभाग अथवा मान्यता प्राप्त साहसिक संस्थानों से अनुशंसा प्राप्त करने की सलाह दी गई है। सेना, नौसेना और वायु सेना के कार्यरत कर्मियों के लिए संबंधित विभाग की अनुशंसा अनिवार्य होगी। मंत्रालय स्वयं भी विभिन्न संस्थाओं से नामांकन आमंत्रित कर सकता है या पात्र व्यक्तियों को नामित कर सकता है। आवेदन के साथ उम्मीदवारों को एकल इंडेक्स्ड पीडीएफ अपलोड करनी होगी, जिसमें वर्षवार उपलब्धियों का क्रमवार विवरण और आवश्यक प्रमाणपत्र शामिल हों। स्थल, जल और वायु साहसिक श्रेणियों में चयन के दौरान पिछले तीन कैलेंडर वर्षों की उपलब्धियों को आधार बनाया जाएगा। मंत्रालय ने बताया कि इच्छुक उम्मीदवार विस्तृत दिशा-निर्देश, पात्रता, अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू) और आवेदन प्रारूप राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की वेबसाइट के 'लेटेस्ट न्यूज' अनुभाग में देखा जा सकता है।

राष्ट्रमंडल खेलों के लिए जुटने लगे खिलाड़ी, लेकिन माहौल में उत्साह नहीं

ग्लास्गो : ग्लास्गो हवाई अड्डे पर उतरते ही बेल्ट पर अपने सामान का इंतजार कर रहे अपनी टीम के ट्रैकसूट में खिलाड़ी और उनकी अगवानी के लिए खड़े वालिंटियर को देखकर अहसास हो जाता है कि यहां राष्ट्रमंडल खेल होने वाले हैं लेकिन बाहर का नजारा कुछ और ही है। हवाई अड्डे के बाहर के माहौल से यह अहसास ही नहीं होता कि दो दिन बाद यहां दुनिया के सबसे बड़े बहु खेल आयोजनों में से एक होने वाला है। कहीं कहीं पर खेलों के आधिकारिक शुभंकर 'फिन्नी द यूनिकॉर्न' और स्कॉटलैंड के प्रमुख खिलाड़ियों के पोस्टर लगे हैं। क्वीन स्ट्रीट स्टेशन पर सेंट्रल स्टेशन पर लगी उलटी गिनती की घड़ी और खेलों की ब्रांडिंग में लिपटे टिकट बैरियर को देखकर लगता है कि खेल होने वाले हैं। लेकिन इसके अलावा ग्लास्गो में खेलों को लेकर उत्साह नजर नहीं आता। लागत के कारण ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया प्रांत के नाम वापिस लेने के बाद ग्लास्गो को मेजबानी सौंपी गई थी। यहां पर भी सिर्फ 10 खेलों की ही स्पधाएं होंगी जो चार स्टेडियमों पर सीमित रहेंगी। राष्ट्रमंडल खेलों में 1994 के बाद से यह सबसे कम स्पधाओं वाले खेल हैं। ग्लास्गो यूनिवर्सिटी के छात्र नाथन मैकेंजी ने कहा, 'मुझे पता है कि राष्ट्रमंडल खेल हो रहे हैं क्योंकि वे यूनिवर्सिटी में वालिंटियर तलाशने आए थे।' उन्होंने कहा, 'लेकिन इसके अलावा मुझे कुछ नहीं पता। अब शहर के अलग-अलग ठिकानों पर पोस्टर नजर आने लगे हैं।' क्लाइड नदी के किनारे सुरक्षाकर्मी गश्त करते नजर आ रहे हैं और जगह जगह अवरोधक लगाए गए हैं। आयोजकों को उम्मीद है कि इस सप्ताह जब खेल शुरू होंगे तो क्लाइड नदी की शांति की जगह दर्शकों से भरे स्टैंड का शोर ले लेगा। टैक्सी ड्राइवर विंसेंट डोबिंस ने कहा, 'अब तक तो कोई माहौल नजर नहीं आ रहा। लेकिन खिलाड़ियों के आने के बाद से दिखेगा।' उनका बेटा मट्टी डोबिंस स्कॉटलैंड का पूर्व रोड रेस चैम्पियन है और राष्ट्रमंडल खेलों में पदार्पण करने जा रहा है। अभी सारे खिलाड़ी राष्ट्रमंडल खेलों के लिए पहुंचे नहीं हैं।

एक नजर

लाइसेंस शुल्क बकाया राशि जमा नहीं, 14 दुकानें सील

रायपुर : नगर निगम मुख्यालय के सामने स्थित उद्यान परिसर में बकाया लाइसेंस शुल्क की वसूली के लिए कार्रवाई की गई। नगर निगम उद्यान विभाग की टीम ने मंगलवार को नगर निवेश उड़नदस्ता दल एवं यातायात पुलिस बल के सहयोग से उद्यान परिसर में संचालित 14 दुकानों को सीलबंद किया। यह कार्रवाई उपायुक्त उद्यान जागृति साहू के मार्गदर्शन एवं उप अभियंता उद्यान रूचिका मिश्रा की उपस्थिति में संपन्न हुई। नगर निगम उद्यान परिसर की 14 दुकानों के संचालन हेतु गणपति इंफ्रा को पांच वर्ष के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया था, जिसकी अवधि अगस्त 2026 में समाप्त हो रही है। संबंधित एजेंसी द्वारा दुकानों का संचालन किया जा रहा था, किन्तु नियमानुसार लाइसेंस शुल्क की बकाया राशि जमा नहीं की गई थी। बकाया राशि के भुगतान नहीं किए जाने पर नगर निगम द्वारा नियमानुसार कार्रवाई करते हुए टीम प्रहरी अभियान के तहत नगर निवेश उड़नदस्ता, यातायात पुलिस एवं अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में 14 दुकानों को सीलबंद किया गया।

अग्नि सुरक्षा मानकों की अनदेखी पर जयपुर में चार संस्थान सीज

जयपुर: नगर निगम जयपुर ने अग्निशमन सुरक्षा मानकों की अनदेखी करने वाले चार संस्थानों के विरुद्ध मंगलवार को सीज की कार्रवाई की। कार्रवाई के दायरे में होटल, कोचिंग संस्थान और लाइब्रेरी शामिल हैं। यह कार्रवाई राजस्थान नगरपालिकाएं अधिनियम, 2009 की धारा 194 की उपधारा (7) के तहत की गई। मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल ने बताया कि संबंधित प्रतिष्ठानों को पूर्व में अग्नि सुरक्षा प्रावधानों की पालना कर आवश्यक अग्नि अनापत्ति प्रमाण-पत्र (फायर एनओसी) प्राप्त करने के लिए नोटिस जारी किए गए थे। निर्धारित समयावधि बीतने के बावजूद संस्थानों ने आवश्यक अनुपालना नहीं की। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि संबंधित प्रतिष्ठानों में पर्याप्त अग्नि सुरक्षा व्यवस्थाएं उपलब्ध नहीं थीं, जिससे वहां आने वाले नागरिकों, कर्मचारियों और संपत्ति की सुरक्षा पर गंभीर खतरा बना हुआ था। इसे देखते हुए जनहित एवं मानव जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए संस्थानों को तत्काल प्रभाव से 180 दिनों अथवा सक्षम प्राधिकारी के अगले आदेश तक सीज कर दिया गया।
नगर निगम आयुक्त ओमप्रकाश कसेरा ने सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, होटल, रेस्टोरेंट और सार्वजनिक भवन संचालकों से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा मानकों की पूर्ण पालना सुनिश्चित करें तथा समय पर फायर एनओसी प्राप्त करें, ताकि संभावित दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

आर्थिक सहयोग भारत-उत्तर मैसिडोनिया संबंधों का प्रमुख आधार : द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी

नयी दिल्ली : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को कहा कि आर्थिक सहयोग भारत और उत्तर मैसिडोनिया के द्विपक्षीय संबंधों का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्तंभ है। दोनों देशों ने व्यापार एवं निवेश बढ़ाने, कारोबारी सहयोग को मजबूत करने और द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने की दिशा में मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की है।
उत्तर मैसिडोनिया की अपनी राजकीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुर्मु ने राष्ट्रपति गोडार्ना सिलजानोव्स्का-दाव्कोवा के साथ द्विपक्षीय एवं प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि दोनों देशों ने सूचना

प्रौद्योगिकी, कृषि, खाद्य प्रसंस्करण, औषधि, वस्त्र, जैव प्रौद्योगिकी, पर्यटन, आतिथ्य तथा फिल्म निर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर विस्तार से चर्चा की। भारत-उत्तर मैसिडोनिया बिजनेस फोरम इन क्षेत्रों में नए अवसरों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण मंच साबित होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय समझौते का नवीनीकरण किया जा रहा है। साथ ही पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों सहित स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर भी सहमति बनी है। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक और जन-से-जन संपर्क दोनों देशों के संबंधों की मजबूत नींव हैं। रचनात्मक उद्योग के क्षेत्र में सहयोग सांस्कृतिक आदान-प्रदान का एक महत्वपूर्ण माध्यम बनेगा। मुर्मु ने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए), आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (सीडीआरआई) और वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) जैसी पहलों के माध्यम से वैश्विक सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। उन्होंने इन पहलों से जुड़ने की उत्तर मैसिडोनिया की इच्छा का स्वागत करते हुए कहा कि इससे उसे हरित ऊर्जा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक अनुभव और तकनीकी विशेषज्ञता का लाभ मिलेगा। उन्होंने उत्तर मैसिडोनिया के लिए भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आईटीईसी) कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सीटों की संख्या दोगुनी करने की घोषणा की। इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) से जुड़े पाठ्यक्रम भी शामिल होंगे।
राष्ट्रपति ने कहा कि यह किसी भारतीय राष्ट्रपति की उत्तर मैसिडोनिया की पहली राजकीय यात्रा है और उन्हें विश्वास है कि इससे दोनों देशों की बहुआयामी साझेदारी को नई गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान दोनों राष्ट्रपति स्कोप्ये संग्रहालय में महात्मा गांधी की प्रतिमा का संयुक्त रूप से अनावरण करेंगे, जो दोनों देशों के साझा लोकतांत्रिक मूल्यों और मैत्रीपूर्ण संबंधों का प्रतीक होगी।

'नीट' पर संसद में चर्चा की मांग सरकार ने स्वीकार की

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री आवास के नजदीक प्रदर्शन कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात के बाद केन्द्रीय मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने आरोप लगाया है कि नेता प्रतिपक्ष अपनी बात से मुकर गए हैं। उन्होंने पहले कहा था कि संसद में नीट पर चर्चा की मांग स्वीकार करने पर वे प्रदर्शन समाप्त कर देंगे लेकिन यह बात मान लेने के बावजूद उन्होंने प्रदर्शन समाप्त नहीं किया।
सिंह ने कहा कि सरकार 'नीट' और उससे संबंधित आंदोलन के साथ जुड़े सभी विषयों पर संसद में चर्चा करने के लिए तैयार है। इसके विपरीत कांग्रेस पार्टी ने आजतक इस गंभीर विषय पर नियमानुसार औपचारिक चर्चा करने का कोई नोटिस नहीं दिया। राहुल गांधी का व्यवहार लोकतंत्र के ऊसूलों से मेल नहीं खाता है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा

कि कांग्रेस नेता अकस्मात अकबर रोड के समीप अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठे थे। सरकार ने उन्हें और केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन को वरिष्ठ नेताओं से वार्ता के लिए भेजा था। राहुल गांधी ने पहले संसद में नीट और उससे संबंधित आंदोलन के साथ जुड़े सभी विषयों पर चर्चा करने की मांग की और धरना तुरंत समाप्त करने का आश्वासन दिया।
उनकी बात मान लेने के बाद उन्होंने कहा कि वह इतने पर ही नहीं मानेंगे और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की।

मानसून में पेयजल की गुणवत्ता पर बढ़ता है खतरा, जल सुरक्षा को दें प्राथमिकता : विशेषज्ञ

एजेंसी

नयी दिल्ली : मानसून के दौरान सिर्फ मौसम ही नहीं बदलता, बल्कि पेयजल की गुणवत्ता पर भी गंभीर असर पड़ सकता है। जल गुणवत्ता विशेषज्ञ एवं यूरेका फोर्ब्स लिमिटेड के चीफ वॉटर साइंटिस्ट डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि भारी बारिश के कारण जलापूर्ति व्यवस्था, पाइपलाइन और भूजल स्रोतों में दूषित तत्वों के प्रवेश का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में सुरक्षित पेयजल को मानसून की तैयारियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया जाना चाहिए।
उन्होंने बताया कि संसद में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में देशभर में 3.27 करोड़ से अधिक पेयजल नमूनों की जांच की गई। इनमें 14.51 लाख नमूनों में रासायनिक और 11.74 लाख नमूनों में जीवाणुजनित संदूषण पाया गया। इससे स्पष्ट है कि जल की उपलब्धता के साथ उसकी गुणवत्ता सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है।
डॉ. कुमार ने कहा कि जल शुद्धिकरण संयंत्र से मानकों के अनुरूप निकलने वाला पानी भी घर तक पहुंचने के दौरान पुरानी पाइपलाइन, क्षतिग्रस्त जोड़ों, जलभराव और सीवर लाइन के संपर्क में आने से दूषित हो सकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातुएं, कीटनाशक और अन्य हानिकारक तत्व अक्सर पानी के रंग, स्वाद या गंध में बदलाव नहीं करते, इसलिए साफ दिखने वाला पानी भी स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा हो सकता है।
उन्होंने कहा कि मानसून का असर केवल पाइप से आने वाले पानी तक सीमित नहीं है। भूजल का उपयोग करने वाले क्षेत्रों में भी फ्लोराइड, आर्सेनिक और नाइट्रेट जैसे तत्वों की मात्रा में मौसमी बदलाव हो सकता है। जलवायु परिवर्तन और तेजी से बढ़ते शहरीकरण के कारण जल वितरण प्रणाली पर दबाव बढ़ रहा है, जिससे जल गुणवत्ता बनाए रखना और चुनौतीपूर्ण हो गया है। विशेषज्ञ ने घरों में लगे ओवरहेड टैंक, भूमिगत जलाशयों और पानी संग्रहित करने वाले बर्तनों की नियमित सफाई करने तथा जल शुद्धिकरण प्रणाली की समय-समय पर सर्विसिंग कराने की सलाह दी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील के विरोध में शंभू व खनौरी बॉर्डर पर जुटे पंजाब के हजारों किसान

एजेंसी

चंडीगढ़ : भारत-अमेरिका ट्रेड डील का विरोध के लिए पंजाब के अलग-अलग जिलों से दिल्ली कूच कर रहे किसानों को शंभू बॉर्डर पर रोक लिया गया। मंगलवार को भारी बारिश के बावजूद किसानों ने शंभू बॉर्डर पर ही धरना शुरू कर दिया। पुलिस बेरिकेडिंग तोड़कर हरियाणा के रास्ते दिल्ली जाने का प्रयास कर रहे कई किसानों को पुलिस ने हिरासत में भी लिया। पंजाब व हरियाणा के कई जिलों में किसान नेताओं को घरों में नजरबंद करके पुलिस का पहरा लगा दिया गया है। किसान सुबह ही दिल्ली में किसान घाट जाने के लिए पटियाला-अंबाला के बीच बने शंभू बॉर्डर और संगरूर-जींद के बने खनौरी बॉर्डर पहुंच गए। इसका पता चलते ही हरियाणा पुलिस ने दोनों बॉर्डर पर बैरिकेडिंग कर उन्हें सील कर दिया। ऐसे में किसान आगे नहीं जा सके। हरियाणा की तरफ से दोनों

बॉर्डरों पर भारी पुलिस फोर्स तैनात कर दी गई है। बॉर्डर पर जेसीबी मशीनें, वज्र वाहन तथा आंसू गैस की टीमें तैनात कर दी गई है।
पंजाब के विभिन्न जिलों से आने वाले किसान शंभू तथा खनौरी बॉर्डर पर जमा हो गए हैं। वहां पर पक्का मोर्चा लगाने की तैयारी की जा रही है। किसान मजदूर मोर्चा के संयोजक सरवण पंधेर इसकी अगुआई कर रहे हैं। शंभू बॉर्डर बंद किए जाने से जालंधर-दिल्ली नेशनल हाईवे पर गाडि?ों की आवाजाही ठप हो गई है। इसे देखते हुए हरियाणा पुलिस ने ट्रैफिक डायवर्ट कर दिया है। इसी बीच हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा से किसान नेताओं की मीटिंग हुई, जिसके बाद किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि कृषि मंत्री राणा की तरफ से कहा गया है कि गिरफ्तार किए गए किसान नेताओं को जल्द ही रिहा कर दिया जाएगा। पंधेर ने कहा कि किसान नेता गुरनाम सिंह चढ़ूनी की रिहाई के बाद आंदोलन की आगे की रणनीति तय की जाएगी। इस दौरान अमेरिका भारत ट्रेड डील पर भी वार्ता होगी। इससे पहले किसान आंदोलन की वजह से हरियाणा-पंजाब का शंभू बॉर्डर 13 महीने (करीब 401 दिन) बंद रहा था।

वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में बंधन बैंक के कुल बिजनेस में 11% की बढ़ोतरी

एजेंसी

नयी दिल्ली : बंधन बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे घोषित किए। बैंक का कुल कारोबार 11 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 3.2 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। कुल जमा राशि में रिटेल जमा का हिस्सा अब लगभग 74 फीसदी है। वित्त वर्ष 2026-27 में कारोबार में यह बढ़ोतरी बैंक के बढ़ते डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, बेहतर परिचालन दस्ता और उत्कर्षता की दिशा में निरंतर प्रयास का परिणाम है। वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बैंक का शुद्ध मुनाफा 502 करोड़ रुपए रहा।
बंधन बैंक अब भारत के 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 35 में लगभग 6,400 बैंकिंग आउटलेट्स के जरिए करीब 3.2 करोड़ ग्राहकों को सेवाएँ देता है। बैंक में काम करने वाले कर्मचारियों की कुल संख्या 74,500 से ज्यादा है।
एमडी एवं सीईओ पार्थ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा, "वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का हमारा प्रदर्शन बंधन बैंक की मजबूती, हमारी टीमों की प्रतिबद्धता और हमारे शेयरधारकों के हम पर निरंतर बने विश्वास को दशार्ता है। इसी गति को बनाए रखते हुए हम ग्राहक-केंद्रित तथा प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास पर अपना ध्यान केंद्रित किए हुए हैं। अपने वितरण नेटवर्क को सुदृढ़ बनाकर, उत्पादों की श्रृंखला का विस्तार करके तथा आँकड़ों पर आधारित विश्लेषण का प्रभावी उपयोग करते हुए हम अपने ग्राहकों और सभी हितधारकों के लिए अधिक मूल्य सृजित करने के साथ-साथ संतुलित, सतत और भविष्य के लिए तैयार विकास सुनिश्चित करने की दिशा में निरंतर अग्रसर हैं।

उर्वरक, बीज और मानसून की स्थिति की कृषि मंत्रालय ने की समीक्षा

एजेंसी

नयी दिल्ली : केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंगलवार को कृषि मंत्रालय की साप्ताहिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में खरीफ फसलों की बुवाई की प्रगति, मानसून की स्थिति, संभावित अल नीनो प्रभाव, उर्वरक और बीजों की उपलब्धता तथा जलाशयों में जल भंडारण की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में अधिकारियों को वर्षा की कमी वाले क्षेत्रों पर विशेष निगरानी रखने और राज्यों के साथ लगातार समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी जरूरत के अनुसार समय पर उर्वरक उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए और वितरण व्यवस्था में किसी भी तरह की कमी को तत्काल दूर किया जाए।
बैठक के बाद एक बयान में कृषि मंत्री चौहान ने कहा कि राज्यों के साथ नियमित समन्वय के माध्यम से आपूर्ति व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है। कृषि मंत्री ने कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य सरकारों से जमीनी स्तर की जानकारी लेकर किसानों तक योजनाओं का प्रभावी लाभ पहुंचाने को कहा।
चौहान ने दलहन, तिलहन और कपास मिशनों को राज्यों के साथ नियमित साप्ताहिक समीक्षा बैठकें आयोजित करने तथा फील्ड स्तर से मिलने वाले फीडबैक के

आधार पर त्वरित कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार किसानों के हितों की रक्षा और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।
मंत्रालय के अनुसार, 17 जुलाई 2026 तक देश में खरीफ फसलों की बुवाई का कुल क्षेत्रफल 658.19 लाख हेक्टेयर दर्ज किया गया है। हालांकि पिछले वर्ष की तुलना में बुवाई क्षेत्र में कमी आई है, लेकिन कई राज्यों में धान, दलहन और अन्य फसलों की बुवाई में अच्छी प्रगति देखी गई है।
बैठक में बताया गया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने राजस्थान, हरियाणा और पंजाब के शेष हिस्सों को कवर करते हुए 9 जुलाई 2026 तक पूरे देश में अपना विस्तार पूरा कर लिया है। सामान्य स्थिति में मानसून 8 जुलाई तक देशभर में पहुंचता है, ऐसे में इस वर्ष इसका विस्तार सामान्य तिथि से केवल एक दिन बाद पूरा हुआ।
मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक जून से 15 जुलाई 2026 के बीच देश में सामान्य से 23 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में जहां सामान्य वर्षा 294.2 मिमी होनी चाहिए थी, वहीं वास्तविक वर्षा 227 मिमी रही। पूर्व और पूर्वोत्तर भारत में सबसे अधिक 36 प्रतिशत वर्षा की कमी दर्ज की गई।
कृषि मंत्रालय ने बताया कि वर्षा की स्थिति, फसल स्वास्थ्य और बुवाई की प्रगति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इसके लिए देश के 270 संवेदनशील जिलों की स्थिति की समीक्षा की गई है। अधिकारियों को जरूरत पड़ने पर राज्यों के साथ मिलकर कृषि प्रबंधन और आकस्मिक योजनाएं लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। बैठक में खरीफ 2026 के लिए उर्वरकों और बीजों की उपलब्धता की भी समीक्षा की गई।

संक्षिप्त खबरें

गाजियाबाद-नई दिल्ली रेलखंड पर मालगाड़ी के छह डिब्बे पटरी से उतरे, 53 ट्रेनें प्रभावित

नयी दिल्ली: दिल्ली मंडल के गाजियाबाद-नई दिल्ली रेलखंड पर मंगलवार को एक मालगाड़ी के छह भरे हुए डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण रेल यातायात प्रभावित हुआ है। घटना के बाद रेल प्रशासन ने राहत एवं बहाली कार्य तेज करते हुए कई ट्रेनों को रद्द, मार्ग परिवर्तित, आंशिक रूप से निरस्त तथा नियंत्रित किया है। हादसे में किसी प्रकार की जनहानि या घायल होने की सूचना नहीं है। उत्तर रेलवे के अनुसार, दुर्घटना की सूचना मिलते ही मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम), अपर मंडल रेल प्रबंधक (एडीआरएम) तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए और बहाली कार्य की निगरानी कर रहे हैं। रेलवे ने बताया कि कुल 53 ट्रेनें प्रभावित हुई हैं। इनमें 24 ट्रेनों का मार्ग परिवर्तित, 16 यात्री ट्रेनें पूर्णतः रद्द, पांच ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त तथा आठ ट्रेनों का परिचालन नियंत्रित किया गया है। उत्तर रेलवे के अनुसार जिन ट्रेनों को पूर्ण रूप से रद्द किया गया है, उनमें 64437 गाजियाबाद-दिल्ली, 64402 दिल्ली-शाहिबाबाद, 64411 शाहिबाबाद-दिल्ली, 64408 दिल्ली-गाजियाबाद, 64423 गाजियाबाद-नई दिल्ली, 64430 नई दिल्ली-गाजियाबाद, 64425 गाजियाबाद-नई दिल्ली, 64432 नई दिल्ली-गाजियाबाद, 64417 गाजियाबाद-दिल्ली, 64439 गाजियाबाद-दिल्ली, 64406 दिल्ली-गाजियाबाद, 64401 गाजियाबाद-दिल्ली, 64434 दिल्ली-गाजियाबाद तथा 64031 गाजियाबाद-साहिबाबाद शामिल हैं। इसके अलावा 64104 नई दिल्ली-डीकेडीई को गाजियाबाद से प्रारंभ किया गया है, 64109 डीकेडीई-एसएसबी को गाजियाबाद तक सीमित किया गया है, 64112 एसएसबी-डीकेडीई को गाजियाबाद से चलाया गया है, 64152 दिल्ली-अलीगढ़ जंक्शन को गाजियाबाद से प्रारंभ किया गया है तथा 64053 पलवल-गाजियाबाद को नई दिल्ली तक ही संचालित किया गया। वहीं 54474 सहारनपुर-दिल्ली पैसेंजर को साहिबाबाद-दिल्ली सराय रोहिल्ला मार्ग से डायवर्ट किया गया। रेलवे ने लोगों से यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेने की अपील की है।

विपक्ष के हंगामे के कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही कल तक के लिए स्थगित

नयी दिल्ली: संसद के मानसून सत्र का दूसरा दिन भी विपक्ष के हंगामे की भेंट चढ़ गया। दोनों सदनों में मंगलवार को कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) पेपर लीक और अन्य मुद्दों को लेकर हंगामा जारी रखा जिससे सदन की कार्यवाही कई बार बाधित होने के बाद बुधवार पूर्वाह्न 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा की कार्यवाही आज पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होने पर विपक्षी सदस्यों का हंगामा जारी रहा जिसके कारण कार्यवाही पहले दोपहर 12 बजे तक और फिर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। लोकसभा की कार्यवाही दो बजे फिर शुरू हुई तो पीठासीन अधिकारी दिलीप सैकिया ने सदस्यों से सदन की मयार्दा बनाए रखने और अपने-अपने स्थान पर बैठने की अपील की। उन्होंने कहा कि नियम 377 के तहत सदस्यों को जनहित के मुद्दे सदन के पटल पर रखने दिया जाए। इसके लिए करीब 20 मिनट का समय भी दिया गया। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य लगातार नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। पीठासीन अधिकारी ने कई बार शांति बनाए रखने और सदन चलने देने का आग्रह किया, लेकिन हंगामा नहीं थमा। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही भी विपक्ष के हंगामे के कारण पहले 12 बजे तक और फिर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दी गयी। कार्यवाही जब 02 बजे फिर शुरू हुई तो उपसभापति हरिवंश ने विपक्षी सदस्यों से कार्यसूची के अनुसार सदन चलने देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि सदन में चर्चा के लिए निर्धारित नियमों का पालन किया जाना चाहिए और जो सदस्य अपनी बात रखना चाहते हैं, वे क्रमवार बोलें। उन्होंने सभी सदस्यों से शोर-शराबा नहीं करने और सदन की कार्यवाही में सहयोग देने की अपील की। इसके बावजूद विपक्षी सदस्य नीट-यूजी प्रश्नपत्र लीक और जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में लगातार नारेबाजी करते रहे। हंगामा जारी रहने पर उपसभापति ने कार्यवाही शुरू होने के लगभग एक मिनट बाद ही बुधवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

आरएमएल अस्पताल में घायल युवाओं से मिले जेपी नड्डा, बेहतर इलाज के दिए निर्देश

नयी दिल्ली: केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा मंगलवार को अचानक कॉकरोच जनता पार्टी के संसद' मार्च के दौरान हुई झड़प और पुलिस कार्रवाई में घायल युवाओं का हाल जानने के लिए डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुंचे। अस्पताल में स्वास्थ्य मंत्री ने घायल युवाओं से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने आरएमएल अस्पताल में डॉक्टरों के साथ बैठक की। उन्होंने डॉक्टरों की टीम से इलाज की जानकारी ली और सभी घायलों को बेहतर से बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके बाद वे लेडी हार्डिंग अस्पताल भी पहुंचे। उल्लेखनीय है कि जंतर-मंतर से संसद की ओर मार्च के दौरान हुई झड़प में कई छात्र घायल हुए थे, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आर एम एल अस्पताल में 65 और लेडी हार्डिंग अस्पताल में 82 घायलों का इलाज चल रहा है। इन अस्पतालों में घायलों से मिलने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेता भी पहुंचने की खबर है।

एमसीडी वार्डों और उनके संबंधित जोनों का नया विवरण अधिसूचित

नयी दिल्ली: केंद्र सरकार ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जोन के नाम बदलकर उन्हें दिल्ली के नए राजस्व जिलों के नामों के अनुरूप कर दिया है। इसके लिए एमसीडी अधिनियम, 1957 में संशोधन किया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इससे नगर निगम और राजस्व विभाग के बीच बेहतर तालमेल बनेगा तथा प्रशासन अधिक स्पष्ट, आसान और जनता के लिए सुविधाजनक होगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के माध्यम से अधिनियम की चौदहवीं अनुसूची को संशोधित कर दिल्ली नगर निगम के वार्डों और उनके संबंधित जोनों का नया विवरण अधिसूचित किया गया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि गृह मंत्रालय की ओर से दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की चौदहवीं अनुसूची में किया गया संशोधन दिल्ली के राजस्व प्रशासन और नगर निगम प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने में सहायक होगा। दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग ने 25 दिसंबर 2025 की अधिसूचना के माध्यम से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में 39 उप-मंडल/तहसील और 13 क्षेत्र बनाए थे। इन क्षेत्रों को दिल्ली नगर निगम के 12 जोनों, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद और दिल्ली छावनी क्षेत्र के अनुरूप रखा गया है। प्रशासनिक दक्षता और जनसुविधा को ध्यान में रखते हुए अब दिल्ली नगर निगम के मौजूदा जोनों के नामों को नए राजस्व जिला नामकरण के साथ औपचारिक रूप से एकरूप किया गया है। संशोधित चौदहवीं अनुसूची में दिल्ली नगर निगम के सभी 250 वार्डों के नाम और उनके संबंधित जोन का विवरण दिया गया है।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह. 9334331934, 9570107019, RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902